जबलपुर
बुधवार 1 जुलाई 2026
आषाढ़ मास कृष्ण पक्ष – 2
वर्ष : 21, अंक : 60
पृष्ठ : 8+6=14 मूल्य : 3.00 *

मौसम
अधि. 28
न्यून. 23

haribhoomi.com

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

अमरनाथ यात्रा 2026

कल एलजी मनोज सिन्हा पहले जत्थे को दिखाएंगे हरी झंडी

55 हजार श्रद्धालुओं के 'ठहरने' की पुख्ता व्यवस्था
3 जुलाई से दोनों रूटों पर एक साथ शुरू होगी यात्रा

समुद्र तल से 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा के लिए 57 दिनों की यह यात्रा

दो मार्ग

1. अनंतनाग जिले का पारंपरिक और सुगम 48 किलोमीटर लंबा नुनवान-पहलगाम मार्ग
2. गांदरबल जिले का छोटा लेकिन खड़ी चढ़ाई वाला 14 किलोमीटर लंबा बालटाल मार्ग

एजेंसी ▶▶ जम्मू

वार्षिक अमरनाथ यात्रा को सुरक्षित और सुगम बनाने के लिए जम्मू-कश्मीर प्रशासन ने कमर कस ली है। मंगलवार को प्रशासन ने बताया कि यात्रा के लिए अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था के साथ-साथ करीब 55,000 तीर्थयात्रियों के ठहरने का व्यापक इंतजाम किया गया है। बाबा बर्फानी के भक्तों का पहला जत्था 2 जुलाई को सुबह 4 बजे जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर (बेस कैंप) से रवाना होगा, जिसे श्री अमरनाथ श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष और उपराज्यपाल मनोज सिन्हा हरी झंडी दिखाएंगे। समुद्र तल से 3,880 मीटर की ऊंचाई पर स्थित पवित्र गुफा के लिए 57 दिनों की यह यात्रा 3 जुलाई से औपचारिक रूप से शुरू होगी।

पहलगाम में श्रद्धालुओं के लिए बनाए गए टेंट

यात्रियों के लिए ये निर्देश

- **समय की पाबंदी:** सुबह 6 से 8 बजे के बीच लखनपुर पहुंचने वाले तीर्थयात्रियों को ही सुरक्षा घेरे में जम्मू ले जाया जाएगा। सुबह 8 बजे के बाद आने वालों को सुरक्षा कारणों से वहीं रुकना होगा।
- **वैकल्पिक रास्तों पर रोक:** तीर्थयात्रियों को केवल जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग (एनएच-44) से ही यात्रा करने के निर्देश दिए गए हैं। मुगल रोड और धर रोड जैसे वैकल्पिक रास्तों के इस्तेमाल की अनुमति नहीं होगी।
- **काफिले में आवा-जाही:** उधमपुर और बनिहाल के बीच तय समय-सारणी के अनुसार छोटे-छोटे सुरक्षित जत्थे चलेंगे। श्रद्धालुओं को यातायात विभाग के समय और मौसम संबंधी निर्देशों का सख्ती से पालन करने की सलाह दी गई है।

भारतीय सेना में एक नए युग की शुरुआत

जनरल धीरज कुमार सेठ बने देश के 31वें सेना प्रमुख

- चुनौतीपूर्ण मोर्चों पर कमान संभालने का अनुभव
- जनरल उपेंद्र द्विवेदी का स्थान लिया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय सेना में एक नए युग की शुरुआत हुई है। जनरल धीरज कुमार सेठ ने मंगलवार को भारतीय सेना के 31वें थल सेना प्रमुख के रूप में कार्यभार संभाल लिया है।

धीरज कुमार सेठ

inh
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कफ सिरप कांड में दो आरोपियों को जमानत

जबलपुर। प्रदेश के बहुचर्चित परासिया कफ सिरप तस्करी मामले में मप्र हाईकोर्ट से आरोपियों को बड़ी राहत मिली है। अदालत ने आरोपी मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव सतीश वर्मा और उनके साथी शैलेश पांड्या की जमानत याचिका मंजूर करते हुए उनकी रिहाई के आदेश जारी किए हैं। 26 अक्टूबर 2025 को दोनों को गिरफ्तार किया था।

सीबीडीटी के चेयरमैन का बढ़ाया कार्यकाल

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी) के चेयरमैन रवि अग्रवाल का कार्यकाल छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। कैबिनेट की नियुक्ति समिति (एसीसी) ने उनकी पुनर्नियुक्ति को मंजूरी दी। रवि अग्रवाल अब अनुबंध के आधार पर 1 जुलाई 2026 से 31 दिसंबर 2026 तक इस पद पर बने रहेंगे।

शताब्दी एक्सप्रेस में टिकट चेक कर रहा था फर्जी टीटीई

अलीगढ़। प्रीमियम ट्रेन शताब्दी एक्सप्रेस के कोच सी-11 में फर्जी टीटीई बनकर यात्रियों से अवैध वसूली कर रहे दुर्गेश कुमार नाम के शख्स को आरपीएफ ने गिरफ्तार किया है। आरोपी अलीगढ़ स्टेशन से ट्रेन में सवार होकर बिना टिकट यात्रियों से पेनल्टी के नाम पर पैसे ऐंठ रहा था। इसी दौरान कोच में असली टीटीई आ गए। आरपीएफ ने आरोपी को दबोच लिया।

सीएम ने भैंसवा माता, राजगढ़ में जल गंगा संवर्धन अभियान के समापन कार्यक्रम में कहा

इस वर्ष कम बारिश का अनुमान, अब जल स्त्रोतों का 'संरक्षण' निरंतर होगा

सीएम ने कहा कि पिछले 19 मार्च से लगभग 100 दिन चले अभियान में जल संवर्धन के 10 हजार 514 करोड़ की लागत से 3 लाख 63 हज़ार कार्य कराए गए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जल से ही प्रकृति का उद्भव और जीवन का विकास है। इस साल अलनीनो के प्रभाव से कम वर्षा का अनुमान है, इसलिए प्रदेश में अमृत सरोवर रेन वाटर हार्वेस्टिंग, नदी संरक्षण जैसे जल स्त्रोतों के संरक्षण कार्य निरंतर जारी रहेंगे। पिछले 19 मार्च से लगभग 100 दिन प्रदेश में चले जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत प्रदेश में जल संवर्धन के 10 हज़ार 514 करोड़ की लागत से 3 लाख 63 हज़ार कार्य कराए गए। इन कार्यों में भरपूर जन समर्थन एवं जन सहयोग मिला है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव मंगलवार को राजगढ़ जिले के भैंसवा माता क्षेत्र में प्रदेश में चले जल गंगा संवर्धन अभियान के तीसरे चरण के समापन कार्यक्रम में बोल रहे थे। उन्होंने 252 करोड़ 65 लाख रुपए के 31 विकास कार्यों का भूमि-पूजन और लोकार्पण किया। उन्होंने भैंसवा माता क्षेत्र के विकास के लिए 20 करोड़ रुपए प्रदान करने की घोषणा की। उन्होंने कहा कि पूरे प्रदेश में जल संरक्षण और संवर्धन का अभियान चल रहा है। मप्र में पिछले 3 वर्षों से यह अभियान वृहद रूप से जन सहयोग से चलाया जा रहा है।

हितग्राहियों को 21 करोड़ 38 लाख वितरित

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव और मंत्री पटेल

- *तीसरे चरण में जल संवर्धन के 10 हज़ार 514 करोड़ के 3 लाख 62 हज़ार कार्य पूर्ण*
- *252 करोड़ 65 लाख रुपए के 31 विकास कार्यों का किया भूमि-पूजन एवं लोकार्पण*
- *भैंसवा माता क्षेत्र के विकास के लिए 20 करोड रुपए की घोषणा की*

किसानों की समृद्धि का आधार सिंचाई की सुविधा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों की समृद्धि का आधार सिंचाई की सुविधा है। पिछले 20 वर्षों में हमारी सरकारों में प्रदेश में सिंचाई के रकबे में तेजी से बढ़ोतरी हुई है। हमारी सरकार किसानों को उनकी उपज का वाजिब दाम दे रही है। उन्होंने कहा कि सौभाग्य की बात है कि विश्व का सबसे बड़ा मेला, हमारी सनातन संस्कृति का प्रतिबिंब, सिंहस्थ उज्जैन मप्र में आयोजित होता है।

पानी की प्रत्येक बूंद का संरक्षण करें: मंत्री पटेल

पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने कहा कि जल गंगा संवर्धन अभियान में हुए सभी कार्य प्रामाणिकता के साथ हुए है। हम सभी को पानी की एक-एक बूंद संचित कर भावी पीढ़ी का भविष्य सुरक्षित करना है। राज्य सरकार और सभी अधिकारी-कर्मचारी जनभागीदारी से जल संरक्षण के प्रयास कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण के लिए किए भगीरथी प्रयास

तकनीकी शिक्षा, कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. गौतम टेटवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री ने जल संरक्षण और सिंचाई सुविधाएं को बढ़ाने के लिए भागीरथी प्रयास किए हैं। प्रदेश में जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के अनेक महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। जल संरक्षण के इस अभियान में पंचायतों को जोड़कर जन भागीदारी से कुए, बावड़ी, तालाब, नदियों की सफाई और प्राचीन जल स्त्रोतों का जीर्णोद्धार किया गया है।

देश के 700 जिलों में अच्छा काम हुआ, मप्र के 6 जिले

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पूरे देश के 700 जिलो में सबसे अच्छा काम हुआ है। इनमें 6 जिले मप्र के हैं। उनमें राजगढ़ भी शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हम सबका दायित्व है कि पुराने नदी, तालाब, कुए बवाड़ी, झरनों, उद्गमों को संवारे व नए भी बनाएं। दोनों को जोड़कर जल गंगा संवर्धन अभियान की कल्पना की गई।

रतलाम का हेड कॉन्स्टेबल राजस्थान में रिश्वत लेते गिरफ्तार

भीलवाड़ा के होटल से 50 हजार रुपए के साथ एसीबी ने दबोचा

जांच में रियायत देने के बदले मांगी थी 1 लाख 10 हजार रुपए की रिश्वत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रतलाम/भीलवाड़ा

रतलाम पुलिस का एक हेड कॉन्स्टेबल राजस्थान के भीलवाड़ा में 50 हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार हुआ है। राजस्थान भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) ने आरोपी हेड कॉन्स्टेबल तपेश गोसाई को भीलवाड़ा के एक होटल से ट्रैप किया। यह मामला धोखाधड़ी की एक जांच से जुड़ा है।

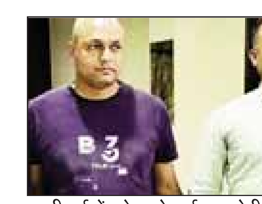
टीशर्ट में तपेश गोसाई (आरोपी)

एसीबी ने ऐसे बिछाया जाल

आरोपी हेड कॉन्स्टेबल 10 हजार रुपए पहले ही एडवांस ले चुका था। शेष बची राशि में से 50 हजार रुपए लेने के लिए उसने फरियादी को भीलवाड़ा के एक होटल में बुलाया।

14 जुलाई तक बढ़ी न्यायिक हिरासत

सीबीआई ने गिरिबाला और समर्थ का वॉयस सैंपल मांगा

गिरिबाला सिंह

लैपटॉप का पासवर्ड भी तलब

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

मॉडल ट्विशा शर्मा की संदिग्ध मौत मामले की जांच कर रही केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने जांच को आगे बढ़ाने के लिए आरोपी रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह और उनके बेटे अधिवक्ता समर्थ सिंह का वॉयस सैंपल लेने तथा समर्थ के जब्त लैपटॉप का पासवर्ड उपलब्ध कराने की अनुमति अदालत से मांगी है। मामले में दोनों आरोपियों की न्यायिक हिरासत 14 जुलाई तक बढ़ा दी गई है।

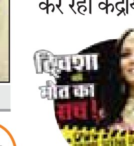

सागर: अस्पताल की लापरवाही मामला

मासूम ने खोई रोशनी, अब जांच टीम पर ही धमकाने का आरोप

जांच के बहाने घर जाकर धमकाया बनाया दबाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶ सागर

जिले के बंडा सिविल अस्पताल में डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही सामने आई है, जहां गलत इलाज के कारण 19 महीने के एक मासूम बच्चे की आंखों की रोशनी चली गई। यह मामला 29 मई 2026 का है। भोपाल एम्स के डॉक्टरों के मुताबिक गलत ड्रॉप डालने से फैले संक्रमण के कारण बच्चे की आंखों की रोशनी गई है। हैरानी की बात यह है कि एक महीना बीत जाने के बाद भी पीड़ित बच्चे को उचित इलाज नहीं मिला है।

मैट्रिमोनियल वेबसाइट से फ्रॉड

28 लाख ठगने वाला नोएडा का इंजीनियर दिल्ली में धरा

बीमारी का बहाना बनाकर महिला से ऐंठे थे रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

इंदौर क्राइम ब्रांच ने मैट्रिमोनियल वेबसाइट के जरिए महिला से 28 लाख रुपए की ठगी करने वाले शातिर आरोपी को दिल्ली से गिरफ्तार किया है। आरोपी लंबे समय से फरार था और पुलिस के अनुसार वह यूरोप भागने की फिराक में था, लेकिन उससे पहले ही टीम ने उसे दबोच लिया। आरोपी की पहचान जीतू उर्फ जितेंद्र (पुत्र राकेश छोनकर) निवासी नोएडा के रूप में हुई है।

मानसून में बफर जोन रहेंगे खुले

कान्हा टाइगर रिजर्व का कोर एरिया 3 महीने के लिए बंद

इस सीजन में मिला 18 करोड़ का रिकॉर्ड राजस्व

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मंडला

विश्व प्रसिद्ध कान्हा टाइगर रिजर्व का कोर एरिया 30 जून 2026 की शाम की अंतिम सफारी के बाद पर्यटकों के लिए तीन महीने के लिए बंद हो गया है। मानसून सीजन को देखते हुए यह प्रतिबंध 1 जुलाई से 30 सितंबर तक लागू रहेगा, जिसके बाद 1 अक्टूबर से यहां दोबारा पर्यटन शुरू होगा। हालांकि, इस दौरान बफर जोन के रास्ते पर्यटकों के लिए खुले रहेंगे।

1950 का रिकॉर्ड बनेगा जांच का आधार

जाति प्रमाण पत्र विवाद मामले में राज्य मंत्री बागरी को नोटिस

प्रतिमा बागरी

6 जुलाई को छानबीन समिति के सामने होना होगा पेश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राज्य मंत्री प्रतिमा बागरी के जाति प्रमाण पत्र को लेकर कानूनी और प्रशासनिक कार्रवाई तेज हो गई है। अनुसूचित जाति विकास विभाग की राज्य स्तरीय छानबीन समिति ने मंत्री को नोटिस जारी कर 6 जुलाई 2026 को व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होने के निर्देश दिए हैं। समिति ने उनसे जाति प्रमाण पत्र की वैधता से जुड़े सभी मूल दस्तावेज मांगे हैं। यह कार्रवाई मध्य प्रदेश हाईकोर्ट की खंडपीठ के उस निर्देश के बाद तेज हुई है, जिसमें अदालत ने छानबीन समिति को निर्धारित प्रक्रिया के तहत जांच पूरी करने और प्रमाण पत्र की वैधता तय करने को कहा था।

मप्र के सरकारी कर्मचारियों को बड़ी राहत

कोर्ट में लंबित याचिकाओं के बीच फैसला

एक दशक बाद शुरू होगी प्रमोशन प्रक्रिया, जीएडी ने जारी किए निर्देश

शर्तों के साथ डीपीसी को सरकार की हरी झंडी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश के लाखों सरकारी कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। करीब एक दशक से रुकी हुई पदोन्नति (प्रमोशन) प्रक्रिया अब दोबारा शुरू होने जा रही है।

सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) ने सोमवार को सभी विभागों के अपर मुख्य सचिवों, विभागाध्यक्षों और कलेक्टरों को

महाधिवक्ता की कानूनी राय के अनुसार आवश्यक कार्रवाई करने के निर्देश जारी कर दिए हैं। सरकार ने यह कदम मध्य प्रदेश लोक सेवा पदोन्नति नियम-2025 को लेकर कोर्ट में लंबित याचिकाओं के बीच उठाया है।

अंतरिम रोक नहीं

वरिष्ठ अधिवक्ता सीएस वैद्यनाथन की कानूनी राय के मुताबिक हाईकोर्ट ने इन नियमों पर कोई अंतरिम रोक नहीं लगाई है। ऐसे में सभी विभाग अब विभागीय पदोन्नति समिति (डीपीसी) की बैठकें बुलाकर प्रमोशन दे सकते हैं। हालांकि, ये सभी प्रमोशन हाईकोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के अंतिम फैसले के अधीन रहेंगे। सरकार ने तर्क दिया कि लंबे समय से पदोन्नति रुकने के कारण कई विभाग केवल 40 प्रतिशत क्षमता पर काम कर रहे हैं।

राजधानी में करीब 90 मिमी अधिक बारिश के साथ जून महीना विदा

गुरुवार तक मानसून भोपाल तक ऑनसेट हो सकता है

सागर-जबलपुर पहुंच गया मानसून, भोपाल में दो दिन का इंतजार, इस महीने 450 मिमी से अधिक बारिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

राजधानी में मंगलवार से मानसूनी गतिविधियां तेज हो चुकी हैं, लेकिन मानसून ऑनसेट के लिए एक से दो दिन का समय और लग सकता है। मानसून प्रदेश में कुछ आगे बढ़कर अब सागर, जबलपुर तक पहुंच गया है। अगले दो दिन इसके आगे बढ़ने की परिस्थितियां अनुकूल हैं। इस बीच भोपाल में जून महीने की विदाई के साथ बारिश के आंकड़े सामान्य से करीब 90 मिमी अधिक दर्ज हुए हैं।

अभी मानसूनी करंट ठीक

मौसम विशेषज्ञ एके शुक्ला के अनुसार मंगलवार तक मानसून की उत्तरी सीमा आगे बढ़कर सागर, जबलपुर, सीधी, इंदौर से और आगे तक पहुंच रही है। अभी मानसूनी करंट ठीक है, इसलिए पूरी उम्मीद है कि गुरुवार तक मानसून भोपाल तक ऑनसेट हो सकता है। 2 जुलाई को नया डब्ल्यूडी आने से अब बारिश में और बढ़त होगी।

प्रदेश में आकाशीय बिजली और बाढ़ से 5 की मौत

प्रदेश में तेज बारिश के साथ आकाशीय बिजली और बाढ़ का कहर देखने को मिला है। हरदा में बिजली गिरने से किसान प्रदीप राठौर (32) और खरगोन में राधेश्याम (30) व केनू (30) की मौत हो गई। वहीं, बैतूल के चुना गोसाई गांव में बिजली की चपेट में आने से एक ही परिवार के चार लोग झुलस गए।

दोनों राज्यों के हजारों लोग बेघर, हजारों करोड़ रुपए के बुनियादी ढांचे को नुकसान

असम में 96 गांव बाढ़ के पानी में डूबे और अरुणाचल में बाढ़ और भूस्खलन से 12 जिलों में हाहाकार, करीब 22 हजार लोग हो गए बेघर

एजेंसी ▶▶| गुवाहाटी

असम और अरुणाचल प्रदेश में बाढ़ और भूस्खलन की वजह से स्थिति बिगड़ती जा रही है। दोनों राज्यों के हजारों लोग बेघर हो गए हैं और हजारों करोड़ रुपए के बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा है। अरुणाचल प्रदेश के 12 जिलों में हालात सबसे ज्यादा खराब हैं। असम में लेकू नदी के उफान से जोनाई इलाके में बाढ़ आ गई और नेशनल हाईवे 515 भी पानी में डूब गया। असम में 96 गांव बाढ़ के पानी में डूब गए हैं।

असम के छह जिलों के 22 हजार से ज्यादा लोग बेघर हो गए हैं। सबसे ज्यादा असर धेमाजी जिले में पड़ा, जहां करीब 16 हजार लोग प्रभावित हैं। अब तक डेढ़ हजार हेक्टेयर से ज्यादा क्षेत्र की फसल खराब हो गई है। गृह मंत्री अमित शाह ने बाढ़ से पैदा हुए हालात का जायजा लेने के लिए असम के सीएम हिमंता बिस्वा सरमा और अरुणाचल प्रदेश के सीएम पेमा खांडू से फोन पर बात की।

कहीं मौसम की आफत तो कहीं पर लोगों को बारिश की 'चाहत'

गृह मंत्री अमित शाह ने हालात का जायजा लेने सीएम हिमंता सरमा और खांडू से फोन पर बात की

असम और अरुणाचल प्रदेश

2-3 दिन में पूरे देश में पहुंचेगा मानसून

उन्होंने बताया कि मॉनसून ने उत्तर प्रदेश और पश्चिमी हिमालयी क्षेत्र यानी उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश और जम्मू-कश्मीर के कुछ हिस्सों में भी दस्तक दे दी है और अगले दो-तीन दिनों में इसके गुजरात और राजस्थान के और हिस्सों के साथ-साथ मध्य प्रदेश के बचे हुए इलाकों में भी फैलने की उम्मीद है। अगले 2-3 दिनों में उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हिमाचल और जम्मू-कश्मीर के बाद पंजाब, हरियाणा औरएनसीआर में भी पहुंचने की संभावना है।

मुंबई के चेंबूर में बड़ा हादसा

स्कूल बस पर गिरा पेड़, एक छात्र की मौत, कई घायल

मुंबई के चेंबूर में स्कूल बस पर पेड़ गिरने से एक छात्र की मौत हो गई और कम से कम 10 लोग घायल हो गए। बस में कुल 13 बच्चे सवार थे। घायल छात्रों को जैन अस्पताल ले जाया गया, जहां कुछ की हालत गंभीर बनी हुई है। चार छात्रों का जैन अस्पताल में इलाज चल रहा है। चेंबूर ईस्ट में रोड नंबर 11 पर सेंट एंथोनी स्कूल के पास एक स्कूल बस पर पेड़ गिर गया, जिससे कुछ लोग घायल हो गए। फायर ब्रिगेड और बीएमसी की टीमें मौके पर पहुंच गई हैं। आपातकालीन बचाव दल ने गाड़ी के अंदर फंसे एक बच्चे को बाहर निकालने के लिए गिरे हुए पेड़ को काटा।

मुंबई। बस पर गिरा पेड़

ठाणे में पेड़ गिरने से व्यक्ति गंभीर

इस तरह की एक और घटना में महाराष्ट्र के ठाणे में मंगलवार सुबह एक बड़ा पेड़ गिरने से 52 वर्षीय एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया जबकि सड़क किनारे खड़े 10 वाहन क्षतिग्रस्त हो गए।

मानसून ने पकड़ी रफ्तार

उत्तरप्रदेश समेत कई राज्यों में 'सुपरफास्ट' दस्तक, 3-4 दिन में होगी बारिश

जून में मानसून की सुस्त चाल (43% की कमी) के बाद अब मौसम का मिजाज पूरी तरह बदलने वाला है। मौसम विज्ञान विभाग के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून अब 'छलांग' लगाकर तेजी से आगे बढ़ रहा है और अगले 3-4 दिन में उत्तर भारत के बड़े हिस्से को कवर कर लेगा। वैज्ञानिक नरेश कुमार ने बताया कि बचे हुए हिस्सों और मध्य भारत के कुछ इलाकों को लगभग कवर कर लिया है।

खबर संक्षेप

विकसित भारत की यात्रा में क्षेत्रीय उद्योग अहम

वडोदरा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने वडोदरा में कहा कि भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लक्ष्य में क्षेत्रीय उद्योगों की भागीदारी अहम है। 'विकसित भारत' केवल आर्थिक प्रगति का लक्ष्य नहीं, बल्कि आर्थिक रूप से मजबूत, तकनीकी रूप से सक्षम और सामाजिक रूप से सशक्त राष्ट्र के निर्माण का संकल्प है।

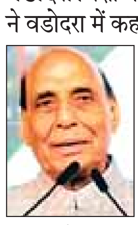

पेट्रोकेमिकल प्लांट में आग, 20 घायल

कोलकाता। पूर्वी भारत के पश्चिम बंगाल स्थित एक पेट्रोकेमिकल प्लांट में आग में 20 लोग घायल हो गए हैं। घायलों में से 5 की हालत गंभीर है। आग हल्दिया पेट्रोकेमिकल्स द्वारा संचालित प्लांट की नेफ्था पाइपलाइन में लगी थी। पूर्व मेदिनीपुर जिले में स्थित उस क्षेत्र में आग तेजी से फैल गई थी।

बोरवेल में गिरे निर्भय की बचाने की कोशिशें जारी

अंबाला। हरियाणा के अंबाला जिले के धनौरा में मंगलवार को 4 साल का एक लड़का 220 फुट गहरे बोरवेल में गिर गया जिसे निकालने की कोशिशें जारी हैं। इससे लगभग दो दशक पहले कुरुक्षेत्र के हल्दाहेरी गांव में चार साल का बच्चा प्रिंस भी खुले बोरवेल में गिर गया था जिसे 2दिन बाद बाहर निकाला जा सका था।

आसाराम को गंभीर बीमारी की हालात में ही जमानत देंगे

नई दिल्ली। नाबालिग से दुष्कर्म के मामले में उम्रकैद की सजा काट रहे स्वयंभू धर्मगुरु आसाराम को सुप्रीम कोर्ट से फिलहाल कोई राहत नहीं मिली है। शीर्ष कोर्ट ने हाईकोर्ट के फैसले को चुनौती देने वाली याचिका पर जमानत देने से इनकार कर दिया। यदि स्थिति गंभीर होती है तभी जमानत पर विचार करेंगे।

यह नीति भारत की एनर्जी सिक्योरिटी, किसानों और पर्यावरण के लिए फायदेमंद होगी

केंद्र सरकार ने चिंताओं को दूर करते हुए कहा

अभी तो चल रहा प्रयोग, अगले साल तक साफ हो जाएगी हमारी पॉलिसी

एथेनाल मिश्रण

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

नई दिल्ली केंद्र सरकार ने मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि पेट्रोल में 20फीसदी इथेनॉल मिलाने का प्रोग्राम अभी भी एक एक्सपेरिमेंट के तौर पर चल रहा है। इस पॉलिसी का असर अगले साल तक और साफ हो जाएगा। कई लोगों को चिंता है कि इथेनॉल की ज्यादा मात्रा मिलाने से पुरानी गाड़ियों को नुकसान हो सकता है और फ्यूल की क्षमता यानी माइलेज भी कम हो सकती है।

- पेट्रोल में 20 फीसदी इथेनॉल पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

सरकार ने इन चिंताओं को दूर करने की कोशिश करते हुए कहा है कि ई 20 पेट्रोल और गाड़ियों के मैकेनिकल नुकसान के बीच कोई ठोस सबूत नहीं है। यह पॉलिसी भारत की एनर्जी सिक्योरिटी, किसानों और पर्यावरण के लिए फायदेमंद होगी। सुप्रीम कोर्ट, सरकारी कंपनी भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) की एक याचिका पर सुनवाई कर रहा थाष यह याचिका कर्नाटक हाई कोर्ट के उस आदेश को चुनौती देने के लिए दायर की गई थी।

सरकारी वकील ने क्या कहा ?

वेंकटरमणी ने तर्क दिया कि अगर एक सप्लायर के एलोकेशन में बदलाव की इजाजत दी जाती है, तो दूसरे सप्लायर भी ऐसी ही मांग कर सकते हैं, जिससे कई कानूनी मामले खड़े हो सकते हैं और सप्लाई चेन पर असर पड़ सकता है। उन्होंने बताया कि इथेनॉल-ब्लेंडेड पेट्रोल प्रोग्राम को कोऑर्डिनेट कर रहे बीसीसीएल को टेंडर प्रोसेस के बाद कुल मिलाकर करीब 1,759 करोड़ लीटर की सप्लाई के ऑफर मिले थे।वेंकटरमणी ने ट्रांसफर याचिका दायर करने की इजाजत मांगी। उन्होंने तर्क दिया कि इस मामले पर अक्टूबर से पहले फैसला होना जरूरी है, क्योंकि तब इथेनॉल सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट्स का नवीनीकरण यानी रिन्यूअल होना है। अगर मैं डिवीजन बेंच के पास जाता हूं और फिर दूसरे हाई कोर्ट्स में भी जाता हूं, तो इसमें देरी होगी। इसके बदलने की संभावना नहीं है। उन्होंने कहा कि कंपनियों को कितना इथेनॉल उपलब्ध कराया जाएगा, यह मांग और अन्य कारकों के आधार पर कम या ज्यादा हो सकता है।

अक्टूबर 2025 में पूरे हो गए थे कॉन्ट्रैक्ट

केंद्र की ओर से पेश होते हुए अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी ने कहा कि इथेनॉल एलोकेशन की प्रक्रिया अक्टूबर 2025 में ही पूरी हो चुकी थी और सप्लाई कॉन्ट्रैक्ट भी फाइनल हो गए थे। उन्होंने चेतावनी देते हुए कहा कि अलग-अलग आवंटनों को फिर से खोलने से पूरे देश में चल रहे इस प्रोग्राम में बाधा आ सकती है।

मंत्रालय ने लाभ बताया

ऑयल मार्केटिंग कंपनियों ने 1 अप्रैल से पूरे देश में इथेनॉल-मिश्रित पेट्रोल की सप्लाई शुरू कर दी थी।सरकार ने अब 2030 तक पेट्रोल में इथेनॉल मिलाने की मात्रा को 30 फीसदी तक बढ़ाने का टारगेट रखा है। मंत्रालय ने इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम को 'सुरक्षित, ग्राहकों के लिए फायदेमंद और आर्थिक रूप से फायदेमंद' बताया था। मंत्रालय ने उन चिंताओं को भी खारिज कर दिया कि व्हीकल के इंश्योरेंस कवरेज पर असर पड़ सकता है।मंत्रालय ने कहा कि इथेनॉल ब्लेंडिंग दुनिया भर में अपनाई जाने वाली प्रक्रिया है और इसे अमेरिका, ब्राजील और जापान सहित कई देशों में सफलतापूर्वक लागू किया गया है। इसमें कहा गया है कि इथेनॉल ब्लेंडिंग प्रोग्राम ने कच्चे तेल के आयात को कम करके भारत को विदेशी मुद्रा में 1.4 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा बचाने में मदद की है।

बीपीसीएल ने कहा- असर पड़ेगा

हाई कोर्ट ने 23 जून के अपने आदेश में ऑयल मार्केटिंग कंपनियों बीपीसीएम, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड और इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन को निर्देश दिया था कि वे टेंडर प्रोसेस पूरा होने से पहले एक डिस्टिलरी के उस अनुरोध पर विचार करें, जिसमें उसने अपना इथेनॉल एलोकेशन बढ़ाने की मांग की थी।

23 दलों ,1 निर्दलीय सांसद ने लिखा पत्र

सीजेआई ने कहा- एसआईआर वैध, आपत्तियों को किया खारिज

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

23 राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद ने भारत के मुख्य न्यायाधीश जस्टिस सूर्यकांत को एक संयुक्त पत्र भेजा है। यह पत्र निर्वाचन आयोग की विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया और चुनाव संबंधी अन्य मुद्दों पर है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने 'एक्स' पर यह जानकारी दी।

इस पत्र में न्यायपालिका से हस्तक्षेप की मांग की है। विपक्षी गठबंधन ने चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर भी सवाल उठाए और आरोप लगाया कि चुनाव नतीजों को प्रभावित किया जा रहा है। रमेश ने बताया कि 21 विपक्षी राजनीतिक दलों और एक निर्दलीय सांसद ने 8 जून को हुई विपक्षी गठबंधन की बैठक में भाग लिया था।

एसआईआर प्रक्रिया और विवाद

आयोग ने लगभग एक साल पहले मतदाता सूचियों के सत्यापन के लिए एसआईआर प्रक्रिया शुरू की थी। इसका उद्देश्य मतदाता सूचियों को सही करना है। चुनावी प्रक्रिया की अखंडता को मजबूत करना भी इसका लक्ष्य है। बिहार में विधानसभा चुनावों से पहले इसका एक पायलट चरण शुरू हुआ था। देश भर में मतदाता सूचियों से करीब छह करोड़ नाम हटाए गए हैं। यह पुनरीक्षण प्रक्रिया अभी भी 19 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में जारी है। बिहार में अकेले 65 लाख नाम मतदाता सूचियों से हटाए गए थे। विपक्ष के नेताओं ने एसआईआर प्रक्रिया का विरोध किया है।

कोई भी वास्तविक नागरिक बाहर नहीं होगा

वहीं केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा है कि सरकार का उद्देश्य अवैध घुसपैठियों के नाम हटाना है। उनका कहना है कि यह सुनिश्चित करना है कि कोई भी वास्तविक भारतीय नागरिक मतदाता सूची से बाहर न हो। शाह ने यह भी कहा कि अवैध घुसपैठियों को व्यवस्थित प्रक्रिया से हटाया जाएगा। जहां लागू हो, उन्हें देश से निर्वासित किया जाएगा।

आईएलबीएस के कार्यक्रम में बोले नड्डा

स्वस्थ भारत से साकार होगा विकसित भारत का सपना

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने नई दिल्ली में इंस्टीट्यूट ऑफ लिवर एंड बिलियरी साइंसेज (आईएलबीएस) के 10वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया।

नड्डा ने उपाधि प्राप्त करने वाले छात्रों को संबोधित करते हुए दीक्षांत समारोह को उनकी शैक्षणिक और व्यावसायिक यात्रा का महत्वपूर्ण अवसर बताया।उन्होंने छात्रों को बधाई देते हुए कहा कि उन्हें यकृत एवं पित्त विज्ञान संस्थान जैसे विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त और प्रतिष्ठित संस्थान से डिग्री प्राप्त करने का सौभाग्य मिला है। जिसे रोगी देखभाल, चिकित्सा शिक्षा, अनुसंधान और नवाचार में उत्कृष्टता के लिए विशिष्टता हासिल है। नड्डा ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में संस्थान के योगदान का उल्लेख कर कहा कि आईएलबीएस देश भर के घर-परिवारों में जागरुकता लाई है।

अयोध्या में बड़ा हादसा

स्नान के दौरान सेल्फी लेने के फेर में 5 महिलाएं डूबीं

एजेंसी ▶▶| अयोध्या

नदी में स्नान के दौरान सेल्फी लेने के चक्कर में 5 महिलाएं डूब गईं। घटना मंगलवार को सनहा गांव की है। इनमें से 3 हिलाओं का शव नदी से निकाला गया, जबकि 2 अभी-भी लापता हैं। घटना के बाद गांव में कोहराम मच गया है। सनाहा निवासी मरियम, शाहीन, रशिदा, सजरूल एवं नाजिया मंगलवार को नदी में स्नान करने गई थीं, तभी एक-एक करपांचों गहरे पानी में डूबने लगीं। एक दूसरे को बचाने के प्रयास में पांचों नदी में समा गईं। जहां हुई वहां स्नान के लिए घाट तक नहीं है। एसडीएम सविता राजपूत ने बताया कि नदी में सेल्फी लेने के दौरान यह हादसा हुआ है। देवरकोट गांव निवासी गोताखोर जीवधारी पांडेय की मदद से मरियम, शाहीन व सजरूल को नदी से बाहर निकाल कर अस्पताल पहुंचाया गया, लेकिन रास्ते में मौत हो चुकी थी।

परिवार अदालत ने गुजारा भत्ता दावे को किया था खारिज

पत्नी को मायके का सहारा पति को गुजारा भत्ता देने से मुक्त नहीं करता

एजेंसी ▶▶| इलाहाबाद

हाईकोर्ट का कहना है कि संकट के दौरान पत्नी को मायके का सहारा मिलना, पति को उसके गुजारा भत्ता देने के दायित्व से मुक्त नहीं कर सकता। अदालत ने बुलंदशहर की परिवार अदालत के निर्णय के खिलाफ पत्नी और उसके दो नाबालिग बच्चों की ओर से दायर की गई आपराधिक पुनरीक्षण याचिका स्वीकार कर ली है। इससे पहले परिवार अदालत ने दिसंबर 2023 में पत्नी के गुजारा भत्ता दावे को खारिज कर दिया था। साथ ही हर बच्चे को प्रति माह 3,000 रुपए गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था।

इलाहाबाद हाईकोर्ट का महत्वपूर्ण फैसला

अदालत ने सुनाया बड़ा फैसला

मामले की गंभीरता को देखते हुए न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद ने कहा कि पत्नी को पति से गुजारा भत्ता पाने से केवल इसलिए मना नहीं किया जा सकता, क्योंकि संकट के दौरान पत्नी के माता पिता उसकी मदद करते हैं।

पत्नी ने उत्पीड़न का लगाया था आरोप

पत्नी का आरोप था कि शादी के बाद पति और ससुरालीजन उसका उत्पीड़न करते थे। पत्नी का आरोप था कि सेना से सेवानिवृत्त उसके पति ने उसके साथ वैवाहिक रिश्ता तोड़ लिया और बाद में उसे सूचित किया कि उसने किसी अन्य महिला से विवाह कर लिया है।

विद्यार्थी समाज और देश के भविष्य को बेहतर बनाएं

विवि एसटी के आत्मविश्वास, नेतृत्व नीति निर्माण क्षमताओं को बढ़ावा दे

एजेंसी ▶▶| अमरावती

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केंद्रीय जनजातीय विवि आंध्र प्रदेश के प्रथम दीक्षांत समारोह में कहा कि केंद्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, आंध्र प्रदेश पर अनेक विशेष जिम्मेदारियां हैं। इससे अपेक्षा की जाती है कि यह विवि जनजातीय समाज के आत्मविश्वास, नेतृत्व और नीति निर्माण क्षमताओं को बढ़ावा देने का केंद्र बने। ऐसी संस्थाओं का यह दायित्व भी होता है कि वे अपने क्षेत्र के जनजातीय समाज की शिक्षा, स्वास्थ्य, कौशल विकास, आजीविका और वनाधिकारों के लिए जमीनी स्तर पर कार्य करें।

आजीविका संवर्धन के लिए नवाचार को बताया जरूरी

राष्ट्रपति ने कहा कि हर विवि में और विशेषकर, जनजातीय विश्वविद्यालय में, जनजातीय समाज की आजीविका संवर्धन के लिए ऐसी नवाचारी व्यवस्था होनी चाहिए जिसके आधार पर वन उपज, हस्त शिल्प, मिलेट, औषधीय पौधों, इको टूरिज्म और स्थानीय उद्यमिता जैसे क्षेत्रों में उपयोगी कार्यों को बढ़ावा मिले। राष्ट्रपति ने कहा कि दीक्षांत समारोह छात्रों को अपने भविष्य के बारे में संकल्प लेने के लिए भी प्रेरित करता है।

सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने कहा

आरएसएस विश्व को पूर्णता प्रदान कर रहा

एजेंसी ▶▶| बेंगलुरु

भारतीय शिक्षण मंडल की 3 दिवसीय अखिल भारतीय प्रांत टोली बैठक का आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर, बेंगलुरु में सफलतापूर्वक समापन हुआ। बैठक में देश के 43 प्रांतों से आए लगभग 380 प्रतिनिधियोंकुलपति, शिक्षाविद्, शोधकर्ता, नीति-निर्माता, शिक्षक एवं कार्यकर्ताओं ने सहभागिता की। समापन सत्र के मुख्य अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत रहे। उन्होंने कहा कि विश्व को पूर्णता प्रदान करना हमारा कार्य है। इस अवसर पर कार्यकारिणी सदस्य डॉ. मनमोहन वैद्य, मडल के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. सच्चिदानन्द जोशी , महामंत्री डॉ. भरत शरण, संगठन मंत्री बीआर शंकरानंद सहित कार्यकारिणी के सदस्य एवं देशभर से आए प्रांत प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

भारतीय शिक्षण मंडल की अखिल भारतीय प्रांत टोली बैठक का प्रेरणादायी समापन, नवीन वेबसाइट का लोकार्पण एवं 'विविभा' पुस्तक का विमोचन किया

समारोह में डॉ. भागवत

विश्व को सही बोध देने वाली शिक्षा का निर्माण करें

डॉ.भागवत ने कहा कि आज विश्व अनेक संकटों और जटिल प्रश्नों से जूझ रहा है। वैश्विक विचारधाराएं और व्यवस्थाएं जीवन को आंशिक रूप से देखती हैं, जबकि भारत की दृष्टि जीवन, समाज, प्रकृति और समस्त सृष्टि को एकात्म रूप में समझती है। भारत की ज्ञान परंपरा प्रभुत्व स्थापित करना नहीं, धर्म, संतुलन और मानवता का कल्याण है।

मंडल एक व्यापक सभ्यतागत दायित्व का वाहक

डॉ. भागवत ने कहा कि भारतीय शिक्षण मंडल का कार्य कोई सीमित संगठनात्मक गतिविधि नहीं, बल्कि भारत के व्यापक सभ्यतागत दायित्व का एक महत्वपूर्ण अंग है। यह कार्य ऐसी शिक्षा व्यवस्था के निर्माण का प्रयास है जो मनुष्य के समग्र विकास को केंद्र में रखती है।

भारत की वाणी को विश्व को सुनना ही होगा

हमारी समग्र दृष्टि के आधार पर समस्त प्राणिमात्र के कल्याण के लिए भारत की वाणी को विश्व को सुनना ही होगा। यह समय की आवश्यकता भी है और अनिवार्यता भी है।

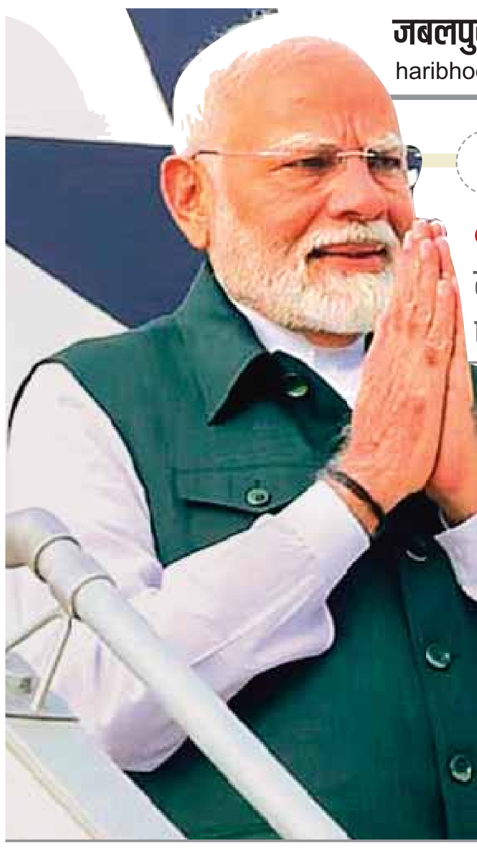

साल के आखिरी माह में अमेरिका जा सकते हैं पीएम मोदी

जापान की पीएम आज से 3 जुलाई तक भारत में रहेंगी

पीएम मोदी 38 साल में न्यूजीलैंड जाने वाले पहले पीएम

पीएम मोदी 6 से 11 जुलाई के बीच इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के तीन अहम देशों- इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे पर रहेंगे

कूटनीतिक गलियारों में 'सुपर जुलाई': जापान पीएम की मेजबानी के बाद तीन देशों के ऐतिहासिक दौरे पर निकलेंगे प्रधानमंत्री मोदी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जुलाई 2026 का महीना भारत की विदेश नीति और कूटनीति के लिहाज से बेहद व्यस्त और ऐतिहासिक होने जा रहा है। एक तरफ जहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी नई दिल्ली में वैश्विक नेताओं की मेजबानी करेंगे, वहीं दूसरी तरफ वे इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के तीन महत्वपूर्ण देशों के तूफानी दौरे पर भी रवाना होंगे। इस व्यस्त शेड्यूल के केंद्र में भारत-जापान द्विपक्षीय शिखर सम्मेलन और न्यूजीलैंड की 38 साल बाद होने वाली किसी भारतीय पीएम की ऐतिहासिक यात्रा शामिल है। जुलाई की शुरुआत ही बेहद हाई-प्रोफाइल कूटनीतिक गतिविधि से होगी। कुल मिलाकर, जुलाई 2026 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का शेड्यूल पूरी तरह पैक्ड रहने वाला है। वैश्विक मंच पर भारत की बढ़ती साख को देखते हुए, जापान के साथ रिश्तों को धार देने से लेकर इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव के बीच कूटनीतिक संतुलन साधने तक, यह हफ्ता भारत के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर जापान की प्रधानमंत्री सनाए ताकाइची 1 से 3 जुलाई तक भारत की राजकीय यात्रा पर आ रही हैं। दोनों नेता नई दिल्ली में द्विपक्षीय वार्ता करेंगे, जिसमें रक्षा, आर्थिक सुरक्षा, क्रिटिकल टेक्नोलॉजी और मजबूत ग्लोबल सप्लाई चेन जैसे 8 प्रमुख स्तंभों पर समीक्षा की जाएगी। प्रधानमंत्री बनने के बाद ताकाइची का यह पहला भारत दौरा है।

इंडो-पैसिफिक मिशन: 3 देशों का तूफानी दौरा

जापान की प्रधानमंत्री की विदाई के तुरंत बाद, पीएम मोदी 6 से 11 जुलाई के बीच इंडो-पैसिफिक क्षेत्र के तीन अहम देशों- इंडोनेशिया, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के दौरे पर निकल सकते हैं। रणनीतिक और व्यापारिक लिहाज से इस दौरे का शेड्यूल काफी टाइट रहने वाला है:

इंडोनेशिया (जकार्ता)

यहां पीएम मोदी इंडोनेशिया के नए राष्ट्रपति प्राबोवो सुबियांतो से द्विपक्षीय वार्ता करेंगे। एजेंडे में समुद्री सुरक्षा, कनेक्टिविटी, व्यापार और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को मजबूत करना शामिल है।

न्यूजीलैंड (ऑकलैंड)

38 साल बाद भारतीय पीएम की ये ऐतिहासिक यात्रा है। इस दौरे का सबसे बड़ा आकर्षण न्यूजीलैंड की यात्रा है। साल 1986 में पूर्व पीएम राजीव गांधी के दौरे के बाद यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की पहली न्यूजीलैंड यात्रा होगी। यहाँ भारतीय समुदाय द्वारा एक भव्य किया ओर मोदी कार्यक्रम की भी तैयारी की जा रही है, साथ ही हाल ही में हुए फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) की समीक्षा की जाएगी।

ऑस्ट्रेलिया (मेलबर्न)

दौरे के आखिरी पड़ाव में पीएम मोदी ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज के साथ रक्षा सहयोग, क्वाड पहल और क्रिटिकल मिनरल्स (महत्वपूर्ण खनिजों) पर चर्चा करेंगे। मेलबर्न में मेलबर्न मीट्स मोदी नाम से एक विशाल प्रवासी भारतीय सम्मेलन भी आयोजित होने की उम्मीद है।

दिसंबर में अमेरिकी दौरे की भी सुगबुगाहट

कूटनीतिक व्यस्तताओं का यह सिलसिला साल के अंत तक जारी रहेगा। अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर के अनुसार, प्रधानमंत्री मोदी 14-15 दिसंबर को मियामी (फ्लोरिडा) में आयोजित होने वाले जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने अमेरिका भी जा सकते हैं, जहां भारत-यूएस ट्रेड डील को अंतिम रूप दिया जा सकता है।

खबर संक्षेप

जस्टिस एस मुरलीधर की दुनियाभर में हो रही चर्चा

नई दिल्ली। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश जस्टिस एस. मुरलीधर इन दिनों अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सुर्खियों में हैं। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद में गाजा संकट पर एक बेहद सख्त और निष्पक्ष 100 पन्नों की रिपोर्ट पेश की है। इस रिपोर्ट में उन्होंने गाजा में जारी इजराइली सैन्य कार्रवाई, हमलों की रणनीति और हजारों फिलिस्तीनी बच्चों की मौत को लेकर इजराइल पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। जस्टिस मुरलीधर अपनी बेबाक और मानवाधिकार समर्थक न्यायिक सोच के लिए जाने जाते हैं। वे दिल्ली, पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के न्यायाधीश और ओडिशा हाई कोर्ट के 32वें मुख्य न्यायाधीश रह चुके हैं। उनकी इस साहसी रिपोर्ट की वैश्विक स्तर पर जमकर सराहना हो रही है। जस्टिस मुरलीधर की पहचान सिर्फ जज के रूप में नहीं, बल्कि ऐसे न्यायविद के तौर पर रही है संवेदनशील मामलों में भी बिना दबाव फैसले दिए। उन्हें अंतरात्मा वाले जज के रूप में देखा जाता है।

राष्ट्रपति पेजेशकियन का दो टूक संदेश: राष्ट्र पहले

तेहरान। राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन ने एक बार फिर कहा है कि ईरान अपने लोगों के अधिकारों और राष्ट्रीय हितों से किसी भी परिस्थिति में पीछे नहीं हटेगा। उन्होंने स्पष्ट किया कि अमेरिका के साथ बातचीत शासन की सामान्य नीतियों के ढांचे में ही सम्पन्न हुई। उन्होंने कहा कि तेहरान ने अमेरिका के साथ बातचीत के दौरान लगाए गए दुश्मनों के थोपे गए किसी भी मांग को न तो स्वीकार किया है और न ही करेगा। बैठक के दौरान पेजेशकियन ने कहा कि सरकार ने बातचीत के सभी चरणों में सम्मान और मजबूती की स्थिति से ईरानी जनता के अधिकारों को सुरक्षित रखने और राष्ट्रीय हितों की रक्षा करने का प्रयास किया। उन्होंने आगे कहा, बातचीत के सभी चरण शासन की सामान्य नीतियों के ढांचे के भीतर हुए, सर्वोच्च नेता (मोजतबा खामेनेई) के साथ पूर्ण और निरंतर समन्वय में, और देश की कानूनी व्यवस्थाओं के दायरे में रहे। राष्ट्रपति ने आगे कहा कि सुरक्षा संबंधी विचारों के बावजूद, समझौता समीक्षाधीन है।

ग्रीस में शुरू हुई भारत की यूपीआई सेवा

बड़ी पहल: दुनिया के 10 देशों में बेधड़क डिजिटल भुगतान कर सकेंगे भारतीय

लेनदेन की लागत भी पारंपरिक तरीकों की तुलना में काफी कम हो जाएगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को कहा कि भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब ग्रीस में भी शुरू हो गया है, जिससे योग्य ग्राहक अब तुरंत, सुरक्षित और आसान तरीके से पैसे ट्रांसफर कर सकेंगे। इसके साथ ही, लेनदेन की लागत भी पारंपरिक तरीकों की तुलना में काफी कम हो जाएगी।

पीयूष गोयल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा कि दुनिया भर में यूपीआई को मिल रही स्वीकृति और सराहना इस बात का प्रमाण है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तकनीक-आधारित समाधानों की सोच पर दुनिया भरोसा कर रही है। उन्होंने कहा कि ये समाधान सीमाओं से परे जाकर मूल्य सृजित कर रहे हैं और साझा विकास व समृद्धि के लिए वैश्विक साझेदारी को मजबूत बना रहे हैं। ग्रीस दौरे के दौरान पीयूष गोयल ने यूरोबैंक के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) फोकियन करावियास से मुलाकात की और भारत-ग्रीस आर्थिक साझेदारी को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। गोयल ने कहा, हमने ग्रीक कंपनियों को भारत में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित किया और ग्रीस में विनिर्माण (मैन्युफैक्चरिंग) तथा बुनियादी ढांचा (इंफ्रास्ट्रक्चर) विकास जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाओं पर भी विचार-विमर्श किया। इस तरह भारत का यूनिफाइड पेमेंट्स इंटरफेस (यूपीआई) अब ग्रीस में भी लाइव हो गया है। ग्रीस इस डिजिटल पेमेंट नेटवर्क से जुड़ने वाला नया देश बन गया है।

पीयूष गोयल की मौजूदगी में लाइव डेमो हुआ

ग्रीस से पहले कंबोडिया में शुरू हुआ था यूपीआई

ग्रीस से ठीक पहले कंबोडिया इस लिस्ट में शामिल होने वाला 9वां देश बना था। इसके लिए एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड ने वहां के बैंक के साथ पार्टनरशिप की थी। इससे पहले सिंगापुर, यूएई, फ्रांस, मॉरीशस, नेपाल, भूटान, कतर और श्रीलंका को उन आठ देशों के रूप में लिस्ट किया था, जहां यूपीआई को स्वीकार किया जा रहा है। यूरोप में यूपीआई के विस्तार में फ्रांस एक बेहद महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है। साल 2024 में पेरिस के एफिल टॉवर से यूपीआई को लॉन्च किया गया था। इसके बाद इस सर्विस का विस्तार वहां के बड़े रिटेल डेस्टिनेशंस जैसे नीस में स्थित गैलरीज लाफायेट तक किया गया।

यूपीआई की वैश्विक स्वीकार्यता

एथेंस में यूरोबैंक के हेडक्वार्टर में यूरोबैंक और एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड की पार्टनरशिप से शुरू हुई इस सर्विस का लाइव डेमो भी देखा गया। केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने एथेंस की अपनी ऑफिशियल विजिट के दौरान इस सर्विस के लाइव डेमो को देखा। उन्होंने कहा कि यूपीआई को मिल रही वैश्विक स्वीकार्यता से यह साबित होता है कि भारत की टेक्नोलॉजी पर दुनिया का भरोसा बढ़ रहा है। यह तकनीक सीमाओं के पार भी बेहतरीन तरीके से काम कर सकती है। ग्रीस के इस नेटवर्क में शामिल होने के बाद अब दुनिया के 10 देशों में अलग-अलग रूपों में यूपीआई का इस्तेमाल किया जा सकेगा। यह भारतीय यात्रियों के लिए क्यूआर-कोड आधारित मर्चेंट पेमेंट से लेकर क्रॉस-बॉर्डर रेमिटेंस सर्विसेज (पैसे ट्रांसफर करने) तक की सुविधा देता है।

यूपीआई सेवा का लाइव प्रदर्शन भी देखा

केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने एथेंस स्थित यूरोबैंक मुख्यालय में यूरोबैंक और एनआईपीएल (एनपीसीआई इंटरनेशनल पेमेंट्स लिमिटेड) की साझेदारी के तहत यूपीआई सेवा का लाइव प्रदर्शन भी देखा। इस दौरान यूरोबैंक के सीईओ फोकियन करावियास और फेयरफैक्स डिजिटल सर्विसेज के सीईओ संजय तुगनैत भी मौजूद रहे। मंत्री ने कहा कि यह भारत के डिजिटल भुगतान सिस्टम के वैश्विक विस्तार की दिशा में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि है। इससे पहले पीयूष गोयल ने ग्रीस के उप विदेश मंत्री हैरी थियोहारिस के साथ भारत-ग्रीस बिजनेस फोरम को भी संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कार्यक्रम में शामिल भारतीय समुदाय (डायस्पोरा) के सदस्यों से भी मुलाकात की। पीयूष गोयल ने अपने संबोधन में भारत की मजबूत आर्थिक वृद्धि, स्थिर मैक्रोइकोनॉमिक स्थिति और लगातार हो रही आर्थिक प्रगति का उल्लेख करते हुए कहा कि यह ग्रीस के लिए निवेश और व्यापार के बड़े अवसर प्रदान करती है। उन्होंने यह भी कहा कि भारत-यूरोपीय संघ (ईयू) मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) व्यापार, निवेश और आर्थिक सहयोग के नए अवसर खोल सकता है। केंद्रीय मंत्री ने दोनों देशों के बीच कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग की अपार संभावनाओं पर जोर दिया। उन्होंने ग्रीस के उद्योगपतियों और निवेशकों से भारत के साथ सह-निर्माण (को-मैन्युफैक्चरिंग), सह-निवेश (को-इन्वेस्टमेंट) और साझेदारी करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि इससे दोनों देशों के बीच निवेश, व्यापारिक संबंध और साझा समृद्धि को नई गति मिलेगी।

खुफिया एजेंसियों का बड़ा खुलासा

अमरनाथ यात्रा में बड़े आतंकी हमले की साजिश रच रहा पाकिस्तान?

3 जुलाई से शुरू होने जा रही अमरनाथ यात्रा

एआई इमेज

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

आगामी अमरनाथ यात्रा को लेकर भारतीय खुफिया एजेंसियों ने सुरक्षा अलर्ट जारी किया है। एजेंसियों का कहना है कि पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान में बिगड़ते हालात से ध्यान भटकाने के लिए पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई अमरनाथ यात्रा के दौरान किसी बड़े आतंकी हमले को अंजाम देने की कोशिश कर सकती है। इस साल अमरनाथ यात्रा 3 जुलाई से शुरू होने जा रही है।

खुफिया अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान के लिए इस समय पीओके, खैबर पख्तूनख्वा और बलूचिस्तान की स्थिति बड़ी चुनौती बनी हुई है। खासकर पीओके में जारी विरोध प्रदर्शनों ने इस्लामाबाद की मुश्किलें बढ़ा दी हैं। अधिकारियों का दावा है कि हाल ही में अफगानिस्तान में पाकिस्तान द्वारा किया गया हवाई हमला भी अंदरूनी दबाव से ध्यान भटकाने की कोशिश का हिस्सा था। इस हवाई हमले में 35 लोगों की मौत हुई। भारतीय एजेंसियों के मुताबिक, इंटरसेप्ट किए गए कुछ इनपुट से संकेत मिले हैं कि पाकिस्तान भारत में भी आतंकी हमले की साजिश रच रहा है। इसके लिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी आईएसआई जम्मू-कश्मीर के जंगलों में छिपे कुछ आतंकियों से संपर्क स्थापित करने की कोशिश कर रही है। एजेंसियों का मानना है कि इन्हीं आतंकियों के जरिए अमरनाथ यात्रा के दौरान आतंकी हमले की साजिश रची जा सकती है। अधिकारियों के अनुसार, पाकिस्तान, इन आतंकियों को पहलगाम जैसा बड़ा हमले करने के निर्देश देने की कोशिश कर रहा है। एक खुफिया अधिकारी के अनुसार, आईएसआई पिछले कुछ समय से पंजाब और जम्मू-कश्मीर में अपने मॉड्यूल को फिर से सक्रिय करने का प्रयास कर रही है। अधिकारी का दावा है कि पाकिस्तान चाहता है कि भारत में जल्द कोई बड़ी आतंकी घटना हो, ताकि पीओके और अन्य क्षेत्रों में बगावत के हालात से लोगों का ध्यान हटाया जा सके।

अमरनाथ यात्रा के लिए सुरक्षा के कड़े इंतजाम

संभावित खतरे को देखते हुए सुरक्षा एजेंसियों ने अमरनाथ यात्रा मार्ग पर व्यापक सुरक्षा व्यवस्था की है। पुलिस ने पूरे मार्ग पर आतंकवाद रोधी तंत्र को और मजबूत किया है। इसके अलावा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित कैमरे और अत्याधुनिक डिजिटल स्कैनिंग सिस्टम भी तैनात किए गए हैं, ताकि किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर तत्काल नजर रखी जा सके।

पीतल का कछुआ, कांजीवरम सिल्क और बीदर कला... पीएम मोदी ने सेशेल्स में दिए तोहफे

पीतल का कछुआ और साझा संस्कृति का संगम

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने तीन दिवसीय सेशेल्स दौरे के दौरान न केवल रणनीतिक और द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत किया, बल्कि भारत की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और पारंपरिक हस्तशिल्प को भी वैश्विक मंच पर प्रमुखता से प्रस्तुत किया।

उन्होंने सेशेल्स के राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रथम महिला और संसद अध्यक्ष को भारत के विभिन्न राज्यों की पारंपरिक शिल्पकला से जुड़े विशेष उपहार भेंट किए। पीएम मोदी ने सेशेल्स के राष्ट्रपति पैट्रिक हर्मिनी को उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद का प्रसिद्ध पीतल का कछुआ भेंट किया। भारतीय संस्कृति में कछुआ स्थिरता और दीर्घायु का प्रतीक है। चूंकि सेशेल्स दुनिया भर में अपने विशाल एल्डाब्रा जाइंट टॉरटॉइज के लिए जाना जाता है, इसलिए यह उपहार दोनों देशों की प्राकृतिक विरासत को जोड़ने वाला एक अनूठा प्रतीक बन गया। राष्ट्रपति की पत्नी और प्रथम महिला वेरोनिक हर्मिनी को मध्य प्रदेश की भव्य महेश्वरी सिल्क स्टोल और कर्नाटक की प्रसिद्ध बिदरी कला (जिंक-तांबे पर चांदी की महीन जड़ाई) से तैयार बॉक्स भेंट किया गया। वहीं, उपराष्ट्रपति की पत्नी लीना पिल्लई को तमिलनाडु की जीआई टैग प्राप्त पारंपरिक कांजीवरम सिल्क फैब्रिक उपहार में दी गई, जो अपनी शानदार गुणवत्ता और सुनहरी जरी के काम के लिए प्रसिद्ध है। उपराष्ट्रपति सेबेस्टियन पिल्ले को सिक्किम की ऑर्किड आर्ट पेंटिंग दी गई, जिसमें भारत के राष्ट्रीय पक्षी मोर और सेशेल्स के राष्ट्रीय पुष्प ऑर्किड का सुंदर संगम है। नेशनल असेंबली के स्पीकर अजारेल एर्नेस्टा को तमिलनाडु की नीलगिरि पहाड़ियों की टोडा जनजाति द्वारा हाथ से तैयार की गई पारंपरिक टोडा कढ़ाई वाली शॉल भेंट की गई। कूटनीतिक मोर्चे पर, इस दौरे के दौरान दोनों देशों के बीच रक्षा, अंतरिक्ष और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों में 19 महत्वपूर्ण समझौते हुए। साथ ही, पीएम मोदी को सेशेल्स के सर्वोच्च सम्मान 'गार्जियन ऑफ द ब्लू होराइजन' से भी नवाजा गया।

ऑर्किड पेंटिंग और टोडा कढ़ाई शॉल

नासा सैटेलाइट इमेज में दिखा वेनेजुएला में तबाही का खौफनाक मंजर

58 हजार से ज्यादा घर जमींदोज

कराकास। वेनेजुएला में पिछले हफ्ते आए दो भीषण भूकंपों ने भयंकर तबाही मचाई है। अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी (नासा) के सैटेलाइट रडार डेटा पर आधारित एक शुरुआती आकलन के अनुसार, इस प्राकृतिक आपदा में देश की 58,870 इमारतें या तो पूरी तरह जमींदोज हो चुकी हैं या उन्हें भारी नुकसान पहुंचा है। ओरेगन स्टेट यूनिवर्सिटी के शोधकर्ताओं के मुताबिक, यह डेटा भूकंप के ठीक अगले दिन यानी 25 जून को जुटाया गया था। रिक्टर स्केल पर 7.2 और 7.5 तीव्रता वाले इस दोहरे भूकंप को पिछले 100 से अधिक सालों में देश का सबसे शक्तिशाली भूकंप बताया जा रहा है। इस विनाशकारी आपदा में अब तक लगभग 1,700 लोग अपनी जान गंवा चुके हैं ।

ऑपरेशन सिंदूर और नई सैन्य रणनीति का जिक्र किया

जनरल द्विवेदी ने कहा- हर साल 1100 बार चीन से होता है सामना

बात के बाद भी संवेदनशील हैं हालात

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

निवर्तमान सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी ने वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) पर भारत और चीन के बीच सुरक्षा स्थिति और सेना की भविष्य की रणनीतियों को लेकर कई महत्वपूर्ण खुलासे किए हैं। उन्होंने बताया कि सीमा पर किसी भी गलतफहमी से बचने और शांति बनाए रखने के लिए भारत और चीन की सेनाओं के बीच हर साल जमीनी स्तर पर 1100 से अधिक बार बातचीत होती है। जनरल द्विवेदी ने कहा कि साल 2024-25 के दौरान दोनों

देशों के बीच सैन्य और कूटनीतिक स्तर पर कई सकारात्मक बदलाव देखे गए हैं। कैलाश मानसरोवर यात्रा की बहाली और सीमा व्यापार को फिर से शुरू करने पर बनी सहमति इसके प्रमुख उदाहरण हैं। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि एलएसी पर स्थिति भले ही स्थिर है, लेकिन यह अभी भी बेहद संवेदनशील बनी हुई है, जिसके लिए भारतीय सेना लगातार सतर्क और तैयार है। किसी भी स्थानीय विवाद को सुलझाने के लिए हॉटलाइन, फ्लैग मीटिंग और कमांडर स्तर की वार्ताओं का सहारा लिया जाता है। अपनी रणनीतिक चर्चा में जनरल द्विवेदी ने ऑपरेशन सिंदूर को भारतीय सेना की हाल के वर्षों की सबसे बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि इस अभियान ने साबित कर दिया है कि भविष्य के युद्ध केवल पारंपरिक हथियारों के भरोसे नहीं, बल्कि तकनीक, ड्रोन, साइबर सुरक्षा और मल्टी-डोमेन ऑपरेशंस के जरिए लड़े जाएंगे।

यूरोप में भीषण गर्मी: पिघली सड़कें-बिजली घर और स्कूल हुए बंद

फ्रांस में चार गुना बढ़े कार्डियक अरेस्ट के मामले, हर रोज 30 लोग पहुंच रहे अस्पताल

यूरोप में भीषण गर्मी से अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचा प्रभावित

इटली, जर्मनी, ब्रिटेन में बिजली-रेल सेवाएं बुरी तरह बाधित

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यूरोप इन दिनों भीषण गर्मी की चपेट में है। चिलचिलाती गर्मी का असर अब केवल लोगों के स्वास्थ्य पर नहीं पड़ रहा, बल्कि अर्थव्यवस्था और बुनियादी ढांचे भी इसकी चपेट में आ गये हैं। पश्चिमी यूरोप का रेल नेटवर्क पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। सड़के पिघल रही हैं। फ्रांस में कई परमाणु रिएक्टर बंद कर दिए गए हैं या फिर उनकी क्षमता काफी हद तक घटा दी गई, ऐसा इसलिए क्योंकि ये रिएक्टर नदियों में गर्म पानी छोड़ रहे थे। फ्रांस के स्वास्थ्य मंत्री स्टीफेनी रिस्ट के अनुसार भीषण गर्मी

के चलते कार्डियक अरेस्ट के मामलों में चार गुना की बढ़ोतरी हुई है। पहले 5 से 10 मामले आते थे अब 20 से 30 आ रहे हैं। 2023 की एक स्टडी बताती है कि गर्मी से मौत का खतरा फ्रांस, स्पेन और इटली में ज्यादा है। फ्रांस ने 52 उपायों के साथ पिछले साल 388 पेज की योजना जारी की है। लंदन में इस सप्ताह गर्मी से बचाने का प्लान पेश किया गया है।

कई देशों में तापमान के टूटे रिकॉर्ड

ब्रिटेन, फ्रांस और स्पेन में तापमान के कई रिकॉर्ड टूटे हैं। दुनिया के सबसे तेजी से गर्म हो रहे महाद्वीप की अधिकांश इमारतें और बुनियादी ढांचा ठंडे मौसम को ध्यान में रखकर बनाई गई थी। पुराने मकानों में गर्मी सोखने वाली निर्माण सामग्री का इस्तेमाल हुआ है। उनमें बाहरी शटर जैसी व्यवस्थाएं भी कम हैं, जिससे गर्मी इमारतों के भीतर ही कैद होकर मुश्किलें और बढ़ा रही है।

घर-अपार्टमेंट बन रहे भट्ठी, ट्रेनें रद्द

मोटी दीवारों वाली पुरानी इमारतें दिनभर की गर्मी सोखकर रात तक छोड़ती रहती हैं, जिससे अपार्टमेंट भट्ठी जैसे बन गए हैं। गर्मी से परेशान लोग आधी रात के बाद पार्कों का रुख कर रहे हैं। एयर कंडीशनर खरीदने की होड़ मची है। कई लोग राहत के लिए होटलों में तक ठहर रहे हैं। यूरोप में गर्मी बढ़ने से जर्मनी, स्विटजरलैंड और ब्रिटेन में कई ट्रेनें रद करना पड़ी हैं। कुछ अन्य देशों में ट्रेन के ऑनबोर्ड सिस्टम गर्मी नहीं झेल पा रहे हैं।

कहीं हड़ताल तो कहीं एसी खरीदने की होड़

फ्रांस के एक ऑटोमोबाइल प्लांट में यूनियन नेताओं ने फैक्ट्री फ्लोर पर असहनीय गर्मी का हवाला देते हुए हड़ताल का ऐलान किया है। फ्रांस और इटली में बिजलीघरों के बंद होने से सैकड़ों इलाकों में बिजली आपूर्ति प्रभावित हुई है। अगर गर्मी का यह दौर ऐसे ही जारी रहा तो कई यूरोपीय देशों की अर्थव्यवस्था पर असर पड़ सकता है और मृत्यु दर भी बढ़ सकती है। शहरों में स्थिति और गंभीर है।

Happy Doctors Day

डॉक्टर्स डे पर विशेष

कोविड-19 महामारी ने पूरी दुनिया को यह एहसास कराया कि डॉक्टर वास्तव में अग्रिम पंक्ति के योद्धा

हर वर्ष 1 जुलाई को भारत में राष्ट्रीय डॉक्टर्स डे मनाया जाता है। यह दिन केवल चिकित्सकों को सम्मान देने का अवसर नहीं है, बल्कि उनके उस अमूल्य योगदान को याद करने का भी दिन है, जिसके कारण अनगिनत लोगों को नया जीवन, नई आशा और स्वस्थ भविष्य मिलता है। यह दिवस महान चिकित्सक, शिक्षाविद् और पश्चिम बंगाल के पूर्व मुख्यमंत्री डॉ. बिधान चंद्र राय की जयंती एवं पुण्यतिथि के अवसर पर मनाया जाता है। चिकित्सा के क्षेत्र में उनके अद्वितीय योगदान के सम्मान में यह दिन समर्पित किया गया है। डॉक्टर केवल रोगों का उपचार करने वाले विशेषज्ञ नहीं होते, बल्कि वे मरीज और उसके परिवार के लिए कठिन समय में आशा, विश्वास और साहस का स्रोत भी बनते हैं। जब कोई व्यक्ति बीमारी, दुर्घटना या मानसिक तनाव से जूझ रहा होता है, तब डॉक्टर अपनी विशेषज्ञता, अनुभव और मानवीय संवेदनाओं के माध्यम से उसे जीवन की नई दिशा देते हैं। कोविड-19 महामारी ने पूरी दुनिया को यह एहसास कराया कि डॉक्टर वास्तव में समाज के अग्रिम पंक्ति के योद्धा हैं। जब अधिकांश लोग अपने घरों में सुरक्षित थे, तब डॉक्टर, नर्स और अन्य स्वास्थ्यकर्मी अपनी जान जोखिम में डालकर अस्पतालों में दिन-रात सेवाएँ दे रहे थे। अनेक चिकित्सकों ने अपने परिवार से दूर रहकर अथक परिश्रम किया और कई ने अपने प्राणों की आहुति तक दी। उनका यह समर्पण मानवता के इतिहास में सदैव स्वर्णाक्षरों में अंकित रहेगा। आज चिकित्सा विज्ञान ने अभूतपूर्व प्रगति की है। आधुनिक तकनीक, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, रोबोटिक सर्जरी और डिजिटल स्वास्थ्य सेवाओं ने उपचार को अधिक प्रभावी बनाया है। लेकिन इन सभी तकनीकों के केंद्र में आज भी डॉक्टर की सूझबूझ, अनुभव और मानवीय संवेदनाएँ ही सबसे महत्वपूर्ण हैं। मशीनें सहायता कर सकती हैं, परंतु मरीज के मनोबल को बढ़ाने वाला विश्वास केवल एक संवेदनशील चिकित्सक ही दे सकता है। समाज की भी यह जिम्मेदारी है कि वह डॉक्टरों का सम्मान करे, उनके प्रति विश्वास बनाए रखे और चिकित्सा व्यवस्था को बेहतर बनाने में सहयोग दे। डॉक्टर और मरीज का संबंध परस्पर विश्वास पर आधारित होता है। किसी भी कठिन परिस्थिति में संयम, संवाद और सहयोग ही समस्याओं का सर्वोत्तम समाधान है। डॉक्टर्स डे हमें यह संकल्प लेने की प्रेरणा देता है कि हम अपने स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहेंगे, नियमित स्वास्थ्य जांच कराएंगे, स्वच्छता अपनाएंगे और स्वस्थ जीवनशैली को बढ़ावा देंगे। इससे न केवल बीमारियों की रोकथाम होगी, बल्कि चिकित्सकों पर अनावश्यक दबाव भी कम होगा। आइए, इस डॉक्टर्स डे पर हम उन सभी चिकित्सकों के प्रति अपनी हार्दिक कृतज्ञता व्यक्त करें, जो अपने ज्ञान, सेवा, करुणा और समर्पण से प्रतिदिन मानव जीवन की रक्षा कर रहे हैं। उनका योगदान केवल एक पेशा नहीं, बल्कि मानवता की सर्वोच्च सेवा का जीवंत उदाहरण है। जहाँ जीवन की उम्मीद कमजोर पड़ जाती है, वहाँ डॉक्टर अपने ज्ञान, सेवा और संवेदना से आशा की नई किरण जगाते हैं।

डॉक्टर: सेवा, संवेदना और समर्पण का पर्याय

मानवता की सेवा कर रहे डॉक्टर्स को हार्दिक शुभकामनाएं

डाक्टरी एक पेशा नहीं.. पीड़ित मानवता की सेवा का दायित्व: डॉ. दीपक सक्सेना

43 हजार से अधिक ऑपरेशन कर डा. दीपक सक्सेना ने रचा कीर्तिमान

देश के कई महानगरों के नामी अस्पतालों के ऑफर को छोड़ कटनी जिले को बनाया कर्मभूमि

हरिभूमि न्यूज ›› कटनी

डाक्टर.. यह शब्द सुनते ही मानस पटल पर एक ऐसी तस्वीर उभरती है जो किसी शारीरिक जटिल परिस्थिति में जीवन को बचाने की प्रेरणास्त्रोत बनती है। डाक्टरी जीवनयापन का एक पेशा नही है बल्कि बेहद अहम दायित्व है जिसमे जीवन बचाने की जिम्मेदारी होती है। डॉक्टर समाज का एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं जो मरीज के जीवन और मृत्यु के हो रहे संघर्ष को नया जीवन और स्वास्थ्य प्रदान करते हैं, इसलिए डॉक्टर को धरती पर भगवान का रूप भी माना जाता है। हर परिस्थिति मे अपनी सेवाएं देने वाले अग्रिम पंक्ति के योद्धा डॉक्टर होते हैं, वे अपना जीवन अपने मरीजो के स्वास्थ्य के लिए समर्पित करते हैं। राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस के रूप में डॉक्टर के प्रति सम्मान दिवस के रूप मे मनाया जाता है। डॉक्टर का जीवन आसान नही होता। डॉक्टर बनने के लिए भी कड़ी मेहनत और समर्पण की जरूरत होती है। जिस तरह हम सेना के बिना अपने देश की कल्पना नहीं कर सकते, उसी तरह डॉक्टरो के बिना भी हम अपने जीवन की कल्पना नही कर सकते। डॉक्टर ही एकमात्र ऐसे लोग है जिन्हें सभी बीमारियों, उनके लक्षणो और उनके उपचारो की पूरी जानकारी होती है। डॉक्टर समाज के स्वास्थ्य को बनाए रखने के लिए निस्वार्थ भाव से दिन-रात अथक परिश्रम करते हैं। सैनिकों की तरह, डॉक्टर भी शायद ही कभी छुट्टियां लेते हैं। वे हमेशा अपने मरीजों को सर्वोपरि मानते हैं।

राष्ट्रीय डॉक्टर दिवस के अवसर पर कटनी जिले के एक ऐसे ही डॉक्टर के बारे मे आज हम चर्चा करते हैं जिन्होंने 37 वर्षो मे 43 हजार से अधिक ऑपरेशन कर एक कीर्तिमान रचते हुए लोगों को नया जीवन प्रदान किया है। कटनी के बरगवां स्थित श्री हॉस्पिटल के डायरेक्टर लेप्रोस्कोपिक सर्जन दीपक सक्सेना एक ऐसा नाम है जो न सिर्फ कटनी के लिए बल्कि मध्यप्रदेश के साथ साथ देश व विदेश मे भी अपना परचम लहरा चुके है। डॉ दीपक सक्सेना अपने विनम्र स्वभाव व मरीजो को परिवार की भांति अपना मानकर जिस प्रकार उपचार करते हैं उससे हजारो लोगो के बीच विश्वसनीयता की मिशाल कायम की है, मानवता को अपना धर्म मानने वाले दीपक सक्सेना की जीवनसाथी गायनोकॉलाजिस्ट डॉ शोभना सक्सेना से हर वक्त कदम से कदम मिलाकर हर परिस्थितियों मे साथ देते हुए लोगो के दिल मे बेहद खास जगह बनाई है। इसके साथ साथ इनकी सुपुत्री डॉ शांभवी सक्सेना भी अपने पिता से प्रेरणा लेते हुए सफल सर्जन के रूप मे सेवाएं प्रदान कर रही हैं।

हरिभूमि से चर्चा के दौरान ख्यातिलब्ध डाक्टर दीपक सक्सेना एवं डॉ शोभना सक्सेना का कहना है कि कटनी जिले के लोगों ने जिस प्रकार उन पर अटूट विश्वास के साथ साथ असीम स्नेह प्रदान किया है इसके लिए वे तहेदिल से सभी का शुक्रिया अदा करते हैं। लोगों के बीच अपनी विशेष छवि बनाने वाले डॉ दीपक सक्सेना ने बताया कि अपने जीवन में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद उन्हें देश भर के महानगरों के बड़ से बड़े हॉस्पिटल से आकर्षक ऑफर आ रहे थे लेकिन उन्होंने कटनी जिले के लोगों के लिए अपना जीवन समर्पित कर यहीं पर अपनी कर्मभूमि बनाने का फैसला पहले से ही कर रखा था।

सांईनाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग की शुरूआत कर दी नई दिशा

हॉस्पिटल के साथ साथ चिकित्सा जगत मे होनहार बच्चों के उज्ज्वल भविष्य को ध्यान मे रखते हुए सांईनाथ स्कूल ऑफ नर्सिंग की स्थापना का सपना मन मे था जिसे सन 2008 मे पूरा करते हुए एएनएम की शुरूवात की गई, इसके बाद सन 2010 मे जीएनएम, 2012 मे बीएससी व 2020 मे एमएससी की शुरूवात की गई। नर्सिंग कॉलेज से जुड़कर छात्राएं स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र मे एक सम्मानित और सुरक्षित करियर का सपना पूरा कर रही हैं, इन कोर्स के जरिए आज सैकड़ो छात्राएं मेडिकल प्रोफेशनल्स की टीम का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुकी हैं, देश के बड़े से बड़े अस्पतालो मे अपनी सफलता की छलांग लगाते हुए वे मानवता की सेवा करते हुए सफलतापूर्वक अपने धर्म व कर्म को बखूबी निभा रही हैं। मेडिकल क्षेत्र मे अपना कैरियर बनाने वाली छात्राओं के लिए सर्वसुविधायुक्त हॉस्टल, केंटीन तथा आने जाने के लिए बस का संचालन किया जा रहा है, कॉलेज मे उच्च शिक्षा प्रदान करने वाले योग्य शिक्षक अपने सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। नर्सिंग एक ऐसा पेशा है जो सेवा और सफलता दोनों का बेहतरीन संगम प्रदान करता है। आज के समय मे इस क्षेत्र मे नौकरी की अपार संभावनाएं, शानदार वेतन, और विदेशों मे काम करने के बेहतरीन अवसर मौजूद हैं, छात्राओं को चिकित्सा क्षेत्र मे आगे बढ़ने व अपने सपनों को साकार करने का अवसर प्रदान किया। डॉ शोभना दीपक सक्सेना की सुपुत्री डॉ शांभवी का कहना है कि अपने पिता की तरह ही मानवता को अपना लक्ष्य बना चुकी हैं।

देश-विदेश में भारत का प्रतिनिधित्व कर 150 से ज्यादा प्रजेन्टेशन

डॉ दीपक सक्सेना ने वर्ष 2000 मे सिंगापुर वर्ल्ड कांफ्रेस मे भारत का प्रतिनिधित्व किया और लैप्रोस्कोपिक सर्जरी के पेपर प्रेजेंट किए। वर्ष 2002 मे ग्लासगो यूके मे यूरोपियन एसोसिएशन ऑफ एंडोस्कोपिक सर्जरी की कांफ्रेस मे उन्हें ओरिजनल प्रेजेंटेशन अवार्ड मिला। उन्होंने 2003 मे नेशनल लेबल की वर्कशॉप कटनी मे आयोजित की जिसमे देश भर के लगभग 200 चिकित्सको ने कटनी आकर अपनी भागीदारी दर्ज कराते हुए ऑपरेशन भी किए। वे अब तक जापान, टोकियो, बार्सिलोना, सिओल, साउथ कोरिया सहित देश विदेश की विभिन्न कांफ्रेस मे 150 से ज्यादा पेपर्स का प्रेजेंटेशन कर चुके हैं, जिनमे उन्होंने ऑपरेशन के नए शोध के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। डॉ दीपक सक्सेना ने बरगवां स्थित श्री हॉस्पिटल की शुरूआत करने के बाद उन्होंने 2009 मे साईनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग की शुरूआत की। 2012 मे सर्जन के लिए फैलोशिप कोर्स भी उन्होंने शुरू कराया और परीक्षा लेकर फैलोशिप प्रदान की। इसमे मध्यप्रदेश के 120 सर्जन को फैलोशिप दी गई।

महाकौशल की पहली एंडोस्कोपी कटनी में हुई थी प्रारंभ

बातचीत मे डॉ दीपक सक्सेना ने बताया कि वर्ष 1989 से उन्होंने दिल्ली मे ऑपरेशन का सिलसिला शुरू किया। एक वर्ष दिल्ली मे बिताने के बाद 1990 मे वे कटनी आए। 1995 मे शाइन हॉस्पिटल मुंबई मे एंडोस्कोपी की ट्रेनिंग ली। 2 माह की ट्रेनिंग के बाद जब लौटे तो महाकौशल की पहली एंडोस्कोपी कटनी मे शुरू की। फिर 2 वर्ष बाद अपोलो हॉस्पिटल हैदराबाद मे लैप्रोस्कोपिक की ट्रेनिंग लेकर कटनी मे ऑपरेशन शुरू किए। वे कहते हैं जीवनसाथी से मिलने वाली शक्ति बहुत महत्वपूर्ण होती है। उन्हें अपनी पत्नी डॉ शोभना पर गर्व है कि उन्होंने जिंदगी के हर मोड़ पर उनका साथ दिया, तभी आज हम इस क्षेत्र मे कुछ कर सके। वर्तमान मे महानगरो की तर्ज पर आधुनिक मशीनो के द्वारा लोगों का सफल ऑपरेशन कर रहे हैं। ईश्वर पर अपना अटूट विश्वास रखने वाले डॉ दीपक सक्सेना कहते है कि हर ऑपरेशन करने से पहले मेरी यही प्रार्थना होती है कि हे ईश्वर आप मेरे अंदर विराजमान होकर ऑपरेशन कर मरीज का कष्ट दूर करें, मैं तो निमित्त मात्र हूं। मानव जीवन की अनिश्चितता और चिकित्सा की सीमाओं के बीच यह एक गहरा और बहुत ही संवेदनशील सत्य है। डॉक्टर अपने ज्ञान, तकनीक और अनुभव का उपयोग करके हर संभव कोशिश करते हैं, लेकिन स्वास्थ्य और जीवन की डोर अंततः प्रकृति या ईश्वर के हाथों में ही होती है।

संकलन कर्ता
अमरेन्द्र सिंह,
डिजाइनिंग
गुलाब पटेल व शिवम गुप्ता, कृपाशंकर तिवारी, आनन्द सोनी, अंकित चौरसिया, संदीप गौलिया, आशीष द्विवेदी, लाल साहब कौरव, इन्द्रमणि पाण्डेय, राज पटैरिया, ऋषभ पाण्डेय, मनोज रजक
मनीष

नेशनल डॉक्टर डे की हार्दिक शुभकामनाएँ
डॉ. राहुल मिश्रा
अधीक्षक संजय गांधी हॉस्पिटल रीवा

आरोग्य मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल
इमरजेंसी सेवा | कार्डियक सेंटर एवं एक्सीडेंटल केयर | लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जरी
National DOCTOR'S DAY
Healing is a matter of time, but it is sometimes also a matter of opportunity
6262640426 | 8770507313 | 9425845755
पूजा लॉन के आगे, परासिया रोड, छिन्दवाड़ा (म.प्र.) | www.aarogyahospital.org

नेशनल डॉक्टर डे की हार्दिक शुभकामनाएँ
डॉ. मनोज इंदुलकर
स्पेशलिस्ट मेडिसिन
पूर्व डीन
मेडिकल कॉलेज रीवा

HAPPY DOCTORS DAY
डॉ. प्रवीण शर्मा
RMO जिला चिकित्सालय अनूपपुर (म.प्र.)

नेशनल डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉक्टर देवेन्द्र मरकाम
जिला डिण्डौरी

सतना का सर्व सुविधा युक्त अस्पताल
STAR SUPER SPECIALITY HOSPITAL 24/7
स्टार सुपर स्पेशलिटी हॉस्पिटल
डॉ. पुष्पेन्द्र सिंह (MS, MCH - यूरोलॉजी) PGI-चंडीगढ़ किडनी, पथरी एवं मूत्र रोग विशेषज्ञ
डॉ. दित्या केशरवानी (M.B.B.S, MS, D.N.B.), LAPAROSCOPIC SURGERY स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ
डॉ. अयाचित केशरवानी (M.B.B.S, M.D-MEDICINE), F.I.D.M- LONDON शुगर, हृदय रोग, थाइराइड, लकवा, मस्तिष्क, ज्वर, स्वास रोग सलाहकार
उपलब्ध सुविधाएं
यूरोलॉजी – किडनी, पथरी, प्रोस्टेट एवं मूत्र रोग, क्रिटिकल केयर (आई.सी.यू.), जनरल मेडिसिन, स्त्री एवं प्रसूति रोग, आर्थोपेडिक एवं ट्रॉमा, कैंसर सर्जरी, डायलिसिस, न्यूरो सर्जरी, नेफ्रोलॉजी, प्लाटिक सर्जरी
पता : सर्किट हाउस चौराहा, नगर निगम रोड, सतना (म.प्र.)
7974438271, 7898141359

डॉ अरविन्द्र सिंह
हृदय रोग, श्वास रोग, डायबिटीज एवं थायराइड विशेषज्ञ
NATIONAL DOCTORS' DAY
पता: पेट्रोल पंप के सामने, सागर रोड, छतरपुर (मप्र)

जीवन रेखा क्लीनिक
एडवांस लेप्रोस्कोपिक एवं जनरल सर्जन
NATIONAL DOCTORS' DAY
डॉ. मनोज चौधरी
पता: किशोर सागर तालाब के पास छतरपुर

मेट्रो सिटी हॉस्पिटल
कैंसर रोग- छाला, गठान, सूजन, अतियमिन, माहवारी
हड्डी रोग- गाठिया, ट्रॉमा, फेक्चर, जन्मजात टेढ़े पैर, प्लास्टर एवं सभी ऑपरेशन की सुविधा 24x7 सुविधा
NATIONAL DOCTORS' DAY
डॉ. रवि सोनी
पता: नया पन्ना नाका विरासत होटल के पास छतरपुर,

डॉ. मनोज कुमार कुशवाहा
मेडीसन स्पेशलिस्ट
NATIONAL DOCTORS' DAY
डॉ. शालिनी कुशवाहा
स्किन, हेयर लेजर स्पेशलिस्ट
पता: रेडियो कॉलोनी के सामने, पन्ना रोड़ छतरपुर

नेशनल डॉक्टर डे की हार्दिक शुभकामनाएँ
डॉ. एस.के. त्रिपाठी
मेडीकल स्पेशलिस्ट
डिस्ट्रिक हॉस्पिटल
देवेन्द्र नगर पन्ना

YOU ARE A REAL HERO
HAPPY DOCTOR'S DAY!
डॉ. एस. के. सिंह मरावी
खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पुष्पराजगढ़
जिला अनूपपुर (म.प्र.)

नेशनल डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉक्टर अनुरेन्द्र मूर्ति
जिला डिण्डौरी

नेशनल डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉक्टर प्रदीप गोहिया
जिला डिण्डौरी

नेशनल डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉक्टर अमित जैन
जिला डिण्डौरी

HAPPY DOCTORS DAY
डॉ. के. एल. दिवान
खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र कोतमा जिला अनूपपुर (म.प्र.)

नेशनल डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएँ
डॉ. सत्येन्द्र परस्ते
वरिष्ट चिकित्सक
उप स्वास्थ केंद्र
मेहेंन्दवानी

डॉक्टर्स डे पर चिकित्सा क्षेत्र से जुडी सभी प्रतिभाओं को बहुत बहुत शुभकामनायें
सुरेश सिंह चौधरी
नेहा पैथोलॉजी सेंटर
लालीपुर चौक मण्डला

DEDICATED
OBSERVANT
COMPASSIONATE
THOROUGH
ORGANISED
RELIABLE
समस्त क्षेत्रवासियों को चिकित्सक दिवस की हार्दिक बधाई व शुभकामनायें...
चल रही मौसम में अपने घर व आस पास पानी एकत्र न होने दे, मच्छरों से बचाव के लिये मच्छरदानी लगाकर सोये.......
डॉ. राजकुमार पटैल
नर्मदाश्री क्लिनिक
सौ. - नर्मदाश्री क्लिनिक सालीचौका (गाडरवारा)

समस्त क्षेत्रवासियों को चिकित्सक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
बारिश के मौसम ज्यादा दिन तक एकत्र रहने वाले साफ पानी में डेंगू मच्छर जन्म लेते है, एक हप्ताह से अधिक समय पानी एकत्र न होने दे और स्वास्थ्य रहे....
डॉ. संदीप राय
बी. ए. एम. एस.
सौ.- राय क्लिनिक सालीचौका (गाडरवारा)

नेशनल डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएँ
डॉ. अभिषेक जैन
बी.एम.ओ
देवेन्द्र नगर पन्ना

नेशनल डॉक्टर्स डे की हार्दिक शुभकामनाएं
डॉक्टर कन्हैया बघेल
जिला डिण्डौरी

YOU ARE A REAL HERO
HAPPY DOCTOR'S DAY!
डॉ. मोहन सिंह श्याम
खण्ड चिकित्सा अधिकारी
सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जैतहरी
जिला अनूपपुर (म.प्र.)

समस्त क्षेत्रवासियों को चिकित्सक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं
जिला मण्डला
KATRA HOSPITAL MANDLA

श्री कृष्णा चाइल्ड केयर क्लीनिक
जिला मण्डला की ओर से समस्त क्षेत्रवासियों को चिकित्सक दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

खबर संक्षेप

एजिस फेडरल ने हासिल की शीर्ष रैंक

नई दिल्ली। एजिस फेडरल लाइफ इंश्योरेंस ने वित्त वर्ष 2025-26 के ताज़ा सार्वजनिक आंकड़ों के अनुसार व्यक्तिगत (रिटेल) क्लेम सेटलमेंट रेशियो में 99.82 फीसदी के साथ इंश्योरेंस सेक्टर में पहला स्थान हासिल किया है। वहीं, ग्रुप क्लेम्स कैटेगरी में कंपनी ने 99.96 फीसदी क्लेम सेटलमेंट रेशियो के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया है। कंपनी के अनुसार यह उपलब्धि उसके लगातार जारी परिवर्तन और ग्राहक-केंद्रित रणनीति का परिणाम है। एजिस फेडरल ने दावा किया है कि उसने पिछले एक वर्ष में ग्राहक अनुभव को बेहतर बनाने के लिए कई सुधार किए हैं।

एयू स्मॉल बैंक को सर्वश्रेष्ठ स्थान मिला

मुंबई। एयू स्मॉल फाइनेंस बैंक को ग्रेट प्लेस टू वर्क द्वारा जारी सूची 'भारत की सर्वश्रेष्ठ कंपनियां 2026' में शीर्ष 10 कंपनियों में स्थान मिला है। यह मान्यता कार्यस्थल उत्कृष्टता और मजबूत संगठनात्मक संस्कृति के आधार पर दी जाती है। मुंबई में आयोजित एक समारोह में यह सम्मान बैंक की ओर से ग्रुप हेड मनोज तिब्रेवाल ने प्राप्त किया। बैंक को यह पहचान उसके ऐसे कार्यस्थल के लिए मिली है, जहां कर्मचारियों के बीच विश्वास, गर्व और सौहार्द की भावना को बढ़ावा दिया जाता है।

टीवीएस ने लांच की नई टीवीएस एनटॉर्क रेंज

बेंगलुरु। टीवीएस वेनु के एक भाग और दुनिया भर में दो-पहिया और तीन-पहिया वाहनों की जानी-मानी निर्माता टीवीएस मोटर कंपनी ने टीवीएस एनटॉर्क 125 डिस्क और रेस एडिशन वेरिएंट्स के लिए नए रंगों और ग्राफिक्स को पेश की। नए कलर और स्टाइल में टीवीएस एनटॉर्क 125 डिस्क और रेस एडिशन वेरिएंट टीवीएस मोटर की सभी डीलरशिप पर क्रमशः 82,500 और 87,950 रु. की शुरुआती कीमत है। टीवीएस एनटॉर्क रेस एक्सपी में किए गए फ़ीचर अपग्रेड के बाद यह नया अपडेट टीवीएस एनटॉर्क पोर्टफोलियो को नया रूप देता है। स्कूटर सेगमेंट में बेहतरीन परफॉर्मेंस के लिए मशहूर, नई टीवीएस एनटॉर्क रेंज के स्टाइल में भी शानदार बदलाव किए गए हैं।

वंदे भारतम' के ब्रांड एंबेसडर और होस्ट बने राजीव खंडेलवाल

देशभर के नवाचार और उद्यमियों की खोज करने वाली पहल में निभाएंगे

कार्यक्रम का समापन स्वतंत्रता दिवस के आसपास अहमदाबाद में आयोजित होने वाले राष्ट्रीय ग्रैंड फिनाले के साथ होगा

एजेंसी ▶▶ अहमदाबाद

अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी की देशव्यापी पहल 'वंदे भारतम' के ब्रांड एंबेसडर और होस्ट के रूप में अभिनेता, टेलीविजन होस्ट और उद्यमी राजीव खंडेलवाल को नियुक्त किया गया है। इस पहल का उद्देश्य देश के छोटे शहरों, ग्रामीण और वंचित क्षेत्रों से उभर रहे नवाचारकर्ताओं और उद्यमियों को राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है। होस्ट के रूप में राजीव खंडेलवाल वंदे भारतम की यात्रा के प्रमुख चरणों का संचालन करेंगे। इस दौरान वे फाइनलिस्ट, मेंटर्स और उद्योग जगत के विशेषज्ञों के साथ संवाद करेंगे। कार्यक्रम का समापन स्वतंत्रता दिवस के आसपास अहमदाबाद में आयोजित होने वाले

भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है: गौतम अडाणी

राजीव खंडेलवाल

गौतम अडाणी ने इस पहल की शुरुआत करते हुए कहा कि भारत में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है, लेकिन अवसर हर क्षेत्र तक नहीं पहुंच पाए हैं। उन्होंने कहा कि 'वंदे भारतम' का उद्देश्य ऐसे इनोवेटर्स, उद्यमियों और समस्या-समाधानकर्ताओं को पहचान देना है, जिनके विचार देश और समाज में बदलाव ला सकते हैं। देशभर के युवाओं से इस पहल में भाग लेने का आह्वान भी किया। राजीव खंडेलवाल ने इस पहल से जुड़ने पर खुशी जताते हुए कहा कि उनके लिए उन अनसुनी कहानियों को देश के सामने लाना गर्व की बात होगी, जो छोटे शहरों और गांवों से निकलकर बदलाव की नई मिसाल बन सकती हैं। 'वंदे भारतम' के तहत देश के सभी 36 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के 800 से अधिक जिलों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं।

अडाणी ने बेची पोर्ट्स कंपनी की बड़ी हिस्सेदारी,13000 करोड़ रुपए में हुआ सौदा, समझौते पर हस्ताक्षर किए

नई दिल्ली। गौतम अडाणी अपनी कंपनी अडाणी पोर्ट्स की बड़ी हिस्सेदारी विदेशी कंपनी को बेचने जा रही है। अडाणी पोर्ट्स ने मंगलवार को घोषणा की,कि उसने एमएससी ग्रुप के साथ एक निश्चित समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस डील के बाद मंगलवार को अडाणी पोर्ट्स के शेयर में तेजी आई। इस डील के तहत एमएससी की कंटेनर टर्मिनल संचालन और निवेश कंपनी टर्मिनल इंवेस्टमेंट लिमिटेड , अडाणी विझिंजम पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी के लिए करीब 13 हजार करोड़ का निवेश करेगी। यह समझौता भारत के बंदरगाह क्षेत्र में

अडाणी पोर्ट्स

अब तक का सबसे बड़ा विदेशी निजी निवेश माना जा रहा है। इसके साथ ही विझिंजम पोर्ट हिंद महासागर क्षेत्र में एक प्रमुख ट्रांसशिपमेंट हब के रूप में अपनी स्थिति और मजबूत करेगा। एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक और सीईओ अश्विनी गुप्ता ने कहा कि विझिंजम पोर्ट बहुत कम समय में एक प्रमुख ट्रांसशिपमेंट हब बनकर उभरा है। उन्होंने कहा कि सिर्फ 18 महीनों के भीतर विझिंजम पोर्ट ने 20 लाख टीईयू कार्गो हैंडलिंग का आंकड़ा पार कर लिया है।

आज से पेट्रोल-डीजल बिक्री पर लगी पाबंदी हटाने के फैसले का स्वागत

परिवहन, निर्माण, कृषि और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े लोगों को मिलेगी बड़ी राहत

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर लागू पाबंदी 1 जुलाई से हटाए जाने के फैसले का कमर्शियल खरीदारों ने स्वागत किया है। उनका कहना है कि इस निर्णय से परिवहन, निर्माण, कृषि और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों से जुड़े लोगों को बड़ी राहत मिलेगी।

कमर्शियल खरीदारों के अनुसार, पाबंदी के कारण ईंधन की उपलब्धता को लेकर कई तरह की परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था, जिससे कारोबार प्रभावित हो रहा था। अब प्रतिबंध समाप्त होने से ईंधन की आपूर्ति सामान्य होगी और व्यवसायों का संचालन सुचारु रूप से हो सकेगा। गोविंदपुरा इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय गौर ने कहाकि सरकार भविष्य में भी ऐसे फैसले लेते समय व्यावसायिक जरूरतों का ध्यान रखेगी, ताकि उद्योग और परिवहन क्षेत्र पर अनावश्यक दबाव न पड़े। खरीदारों का मानना है कि इस फैसले से बाजार में सकारात्मक माहौल बनेगा और आर्थिक गतिविधियों को गति मिलेगी।

अनिश्चितता खत्म होगी, समय पर काम होंगे पूरे | परिचालन लागत और समय दोनों की बचत होगी

पाबंदी हटने से कृषि कार्यों में आसानी होगी

भोपाल कृषि उपज मंडी समिति के पूर्व अध्यक्ष और भाजपा नेता भागीरथ पाटीदार ने कहा कि पाबंदी हटने से परिवहन, निर्माण, औद्योगिक और कृषि कार्यों में आसानी होगी। ईंधन की उपलब्धता को लेकर बनी अनिश्चितता खत्म होगी और समय पर काम पूरे किए जा सकेंगे। इस फैसले से परिचालन लागत और समय दोनों की बचत होगी, जिससे व्यवसाय को गति मिलेगी।

कालाबाजारी रोकने लगाई गई थी पाबंदी

सरकार ने आपूर्ति व्यवस्था पर दबाव और जमाखोरी की आशंका को देखते हुए कमर्शियल उपभोक्ताओं के लिए रिटेल आउटलेट्स से डीजल खरीदने की सीमा प्रति वाहन 200 लीटर प्रतिदिन तय कर दी थी। यह व्यवस्था जून 2026 में लागू की गई थी ताकि पेट्रोल-डीजल की समान उपलब्धता बनी रहे और ईंधन की कालाबाजारी व दुरुपयोग पर रोक लगाई जा सके। चूंकि सरकार ने अब हालात सामान्य होने और आपूर्ति व्यवस्था में सुधार के बाद यह प्रतिबंध समाप्त कर दिया गया है।

इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर, औद्योगिक इकाइयां और अन्य व्यावसायिक उपभोक्ता फिर से रिटेल पेट्रोल पंपों से अपनी आवश्यकता के अनुसार ईंधन खरीद सकेंगे।

पेट्रोकेमिकल आयात पर कस्टम ड्यूटी छूट 15 जुलाई तक बढ़ी उद्योगों को राहत

केंद्र सरकार ने महत्वपूर्ण पेट्रोकेमिकल उत्पादों के आयात पर दी जा रही शून्य कस्टम ड्यूटी छूट की अवधि को बढ़ाकर अब 15 जुलाई तक कर दिया है। यह फैसला वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में जारी दबाव

और कच्चे माल की उपलब्धता को स्थिर बनाए रखने के उद्देश्य से लिया गया है। वित्त मंत्रालय की ओर से मंगलवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, यह राहत विशेष रूप से उन पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर लागू होगी जो उद्योगों के लिए कच्चे माल के रूप में उपयोग किए जाते हैं। सरकार ने यह कदम पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और उससे प्रभावित वैश्विक सप्लाई चेन की स्थिति को देखते हुए उठाया है। उल्लेखनीय है कि केंद्र सरकार ने 2 अप्रैल को पहली बार यह अस्थायी और लक्षित छूट लागू की थी, ताकि घरेलू उद्योगों को कच्चे माल की बढ़ती कीमतों और आपूर्ति में बाधाओं से राहत मिल सके। करीब 40 प्रमुख पेट्रोकेमिकल उत्पादों पर दी गई यह छूट पहले 30 जून को समाप्त होने वाली थी, लेकिन अब इसे बढ़ाकर 15 जुलाई तक लागू रखने का निर्णय लिया गया है। सरकार का मानना है कि इस कदम से उद्योगों को निरंतर कच्चा माल उपलब्ध होगा और उत्पादन पर पड़ने वाले दबाव को कम किया जा सकेगा।

5जी फिक्स्ड वायरलेस ब्रॉडबैंड में पकड़

जियो फाइबर और जियो एयरफाइबर से ब्रॉडबैंड में जियो को मिली नई रफ्तार

एक्टिव मोबाइल यूजर्स के मामले में भी जियो आगे

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ब्रॉडबैंड बाजार में रिलायंस जियो को जियो फाइबर और जियो एयरफाइबर जैसी सेवाओं से नई रफ्तार मिल रही है। भारतीय दूरसंचार नियामक प्राधिकरण यानी ट्राई की मई 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक फिक्स्ड वायर्ड ब्रॉडबैंड में जियो फाइबर 1.44 करोड़ ग्राहकों के साथ आगे है। वहीं 5जी फिक्स्ड वायरलेस ब्रॉडबैंड में भी जियो एयरफाइबर की पकड़ मजबूत बनी हुई है। 5जी फिक्स्ड वायरलेस ब्रॉडबैंड यानी 5जी एफडब्ल्यूए उन ग्राहकों के लिए अहम साबित हो रहा है, जिन्हें बिना पारंपरिक वायरिंग के तेज ब्रॉडबैंड कनेक्शन चाहिए। इसका इस्तेमाल घरों के साथ-साथ दफ्तरों, दुकानों, स्कूलों और छोटे कारोबार में भी किया जा सकता है। मई 2026 के अंत में जियो के 5जी एफडब्ल्यूए ग्राहकों यानी जियो एयरफाइबर की संख्या करीब 89.68 लाख पहुंच गई।

जियो एयरफाइबर ने फिक्स्ड वायरलेस ब्रॉडबैंड सेगमेंट में कंपनी की बढ़त को और मजबूत किया है। ट्राई के मुताबिक मई में जियो ने एफडब्ल्यूए सेगमेंट में करीब 4 लाख ग्राहक जोड़े, जबकि निकटतम प्रतिस्पर्धी एयरटेल की बढ़त करीब 10 हजार रही। कुल एफडब्ल्यूए बाजार में जियो की हिस्सेदारी करीब 78.4 प्रतिशत बताई गई है। फिक्स्ड वायर्ड ब्रॉडबैंड में भी जियो की स्थिति लगातार मजबूत बनी हुई है। ट्राई रिपोर्ट के अनुसार मई 2026 के अंत में जियो के फिक्स्ड वायर्ड ब्रॉडबैंड ग्राहक 1.44 करोड़ रहे, जबकि एयरटेल के 1.09 करोड़ ग्राहक थे।

यह सेगमेंट जियो फाइबर जैसी सेवाओं से जुड़ा है, जहां ग्राहक स्थिर और हाई-स्पीड इंटरनेट कनेक्शन चाहते हैं। देश में ब्रॉडबैंड का कुल आधार भी लगातार बढ़ रहा है। ट्राई के मुताबिक मई 2026 के अंत में कुल ब्रॉडबैंड ग्राहकों की संख्या 108.01 करोड़ पहुंच गई है। इनमें जियो 52.96 करोड़ ग्राहकों के साथ पहले स्थान पर है।

दूसरे स्थान पर एयरटे 37.61 करोड़ ब्रॉडबैंड ग्राहकों के साथ दूसरे नंबर पर है। हालांकि मई माह में एयरटेल ने करीब 29.2 लाख तो जियो ने 21.5 लाख सब्सक्राइबर जोड़े। मोबाइल सेवाओं में भी जियो की सक्रिय ग्राहक हिस्सेदारी मजबूत रही।

वनप्लस ने लांच किया नया एन6 स्मार्टफोन

नई दिल्ली। ग्लोबल टेक्नोलॉजी ब्रांड वनप्लस ने भारतीय बाजार में अपना नया स्मार्टफोन वनप्लस एन6 लांच कर दिया है। कंपनी का दावा है कि 25 हजार रुपए के सेगमेंट में आने वाला यह स्मार्टफोन 8,000एमएएच की बड़ी बैटरी के साथ पेश किया गया है, वनप्लस एन6 दो स्टोरेज वेरिएंट में उपलब्ध होगा।4जीबी + 128जीबी वेरिएंट की कीमत 22,999 रुपए रखी गई है।

सरकारी बैंकों ने सरकार की तिजोरी भरी

केनरा बैंक, बीओबी, पीएनबी और इंडियन बैंक ने दिया लाभांश

सरकार को कुल 9,439 करोड़ रुपए का डिविडेंड सौंपा

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सार्वजनिक क्षेत्र के चार प्रमुख बैंकों केनरा बैंक, बैंक ऑफ बड़ौदा, पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) और इंडियन बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए केंद्र सरकार को कुल 9,439 करोड़ रुपए का डिविडेंड सौंपा है।

सभी बैंकों के प्रबंध निदेशकों और मुख्य कार्यपालक अधिकारियों ने वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण को लाभांश के चेक सौंपे। इस दौरान वित्तीय सेवा सचिव संजय लोहिया भी मौजूद रहे।केनरा बैंक ने सरकार को 2,397 करोड़ रुपए का डिविडेंड दिया। बैंक ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए प्रति शेयर 4.20 रुपए (अंकित मूल्य 2 रुपए पर 210 फीसदी) का लाभांश घोषित किया है। पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने 2,416 करोड़ रुपए का लाभांश सरकार को सौंपा। वहीं, बैंक ऑफ बड़ौदा ने 2,811 करोड़ रुपए का डिविडेंड दिया। बैंक ने प्रति इक्विटी शेयर 8.50 रुपए (अंकित मूल्य 2 रुपए पर 425फीसदी) का लाभांश घोषित किया है। इंडियन बैंक ने केंद्र सरकार को 1,815.05 करोड़ रुपए का लाभांश दिया।

बैंक ने कहा कि वह वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देते हुए सरकार के 'विकसित भारत' के लक्ष्य को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध है।

डाबर ग्लूकोप्लस-सी का सौरव गांगुली के साथ अभियान लांच

नई दिल्ली । डाबर इंडिया लिमिटेड ने अपने लोकप्रिय ब्रांड डाबर ग्लूकोप्लस-सी के लिए इस गर्मी एक नया अभियान लांच किया है, जिसमें भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को शामिल किया गया है। 'दादाज़ पावर कोचिंग कैंप' नामक यह अभियान जेनरेटिव एआई की मदद से एक अनूठा और व्यक्तिगत कोचिंग अनुभव प्रदान करता है।

पश्चिम मध्य रेल

सामग्री प्रबंधन विभाग (भंडार आपूर्ति हेतु 'ई'-निविदा सूचना, संख्या: ईपीएस/16/2026)

प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, पश्चिम मध्य रेल, भारत के राष्ट्रपति की ओर से, ई-खरीद प्रणाली के जरिए निम्नलिखित विज्ञापन निविदाएं आमंत्रित करते हैं। कोई भी हस्तलिखित/ डाक प्रस्ताव स्वीकार नहीं किए जाएंगे। पूर्ण विवरण/ विनिर्देशन के लिए वेबसाइट https://ireps.gov.in पर 'ई' निविदा संबंधी जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

क्र.	टेण्डर नं	संक्षिप्त वर्णन	निविदा मात्रा
1	62261026	रेन कोट विथ कैप/ हुड एंड सेपरेट वाटर प्रूफ ट्रॉउज़र	19039 नंबर्स.
2	40262064A	बुशलेस DC (BLDC) रेलवे कैरिज फैन कम्पलीट विथ ब्लेड एंड गॉर्ड	2118 नंबर्स
3	8125WCR TP-23	HVN-66 इंसुलेटिंग लाइनर फॉर यूज़ विथ WIDER PSC स्लीपर	3500000 नंबर्स
4	50261004	थर्मो shrink जॉइन्टिंग किट फॉर जॉइंटिंग अंडरग्राउंड 0.9 mm dia. कंडक्टर 4/6 Quad केबल	3186 नंबर्स
5	62261123	ECO फ्रेंडली डिस्पोजेबल नैपकिन्स कॉटन रिच spunlace नॉनवोवेन	14418322 नंबर्स

नियत तारीख: क्रमांक 1: **01.07.2026**, क्रमांक 2: **06.07.2026**, क्रमांक 3: **24.07.2026**, क्रमांक 4: **30.07.2026**, क्रमांक 5: **13.08.2026**. 50 लाख रुपये से कम अनुमानित मूल्य वाली निविदाओं के लिए, इच्छुक फर्मों को www.ireps.gov.in पर जाने की सलाह दी जाती है।

(हस्ता.)
प्रमुख मुख्य सामग्री प्रबंधक, प.म.रे., जबलपुर

स्वच्छ भारत अभियान एक कदम स्वच्छता की ओर

आवश्यकता

आवश्यकता है- भारत के सबसे बड़े राइड-बुकिंग प्लेटफॉर्म रैपिडो से जुड़ें। ऑटो या ई-रिक्शा चलाकर प्रतिदिन रू 500-रू 1000 तक की गारंटीड कमाई करें बिना किसी कमीशन के । जुड़ने के लिए कॉल करें - 8929449955 (रायपुर /02/जुलाई 26)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

छोटा लिंग निराश क्यों? जोश जगा दे धूम मचा दे।

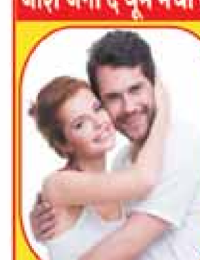

18 से 80 वर्ष तक लाभदायक लिंगको 8-9 ईन्च लम्बा मोटा, कठोर बनाये। सैक्स टाइम 30 से 45 मिनट बढ़ाएं। नसों की कमजोरी नामर्दी, धातु का पतलापन, शुगर, बी.पी. में भी जबरदस्त लाभदायक। घर बैठे मंगवाये। लाभ नही तो पैसे वापिस। 09083218330

राशिफल

मेष धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक कार्यों के लिए विदेश जाने के योग बन रहे हैं। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। भाइयों का साथ मिलेगा।

वृष वाणी में मधुरता तो रहेगी, परन्तु मन परेशान रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकते हैं।

मिथुन शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा, परन्तु लाभ में कुछ कमी आ सकती है। क्रोध पर नियंत्रण रखें।

कर्क आत्मविश्वास में कमी आएगी। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। कुटुम्ब के बुजुर्ग के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। धर्म के प्रति श्रद्धाभाव रहेगा।

सिंह सम्पत्ति में वृद्धि के योग बन रहे हैं। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। मित्रों का सहयोग मिलेगा। किसी नए कारोबार की शुरुआत करेंगे।

कन्या किसी पुराने मित्र से भेंट हो सकती है। सुस्वादु खानपान में रुचि बढ़ सकती है। कारोबार में परिश्रम अधिक रहेगा। संबंधों में निकटता आएगी।

तुला मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। धैर्यशीलता बनाये रखने के प्रयास करें। शैक्षिक एवं शोधादि कार्यों के लिए किसी दूसरे स्थान पर जा सकते हैं।

वृश्चिक शैक्षिक कार्यों के सुखद परिणाम मिलेंगे। नौकरी में अफसरों का सहयोग तो मिलेगा, परन्तु कार्यक्षेत्र में वृद्धि हो सकती है।

धनु आत्मविश्वास भी भरपूर रहेगा। घर-परिवार में धार्मिक कार्य होंगे। सन्तान के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्च बढ़ेंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें।

मकर व्यर्थ के क्रोध से बचें। लाभ में वृद्धि होगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। रहन-सहन कष्टमय हो सकता है। सुखद समाचार मिलेगा।

कुंभ मन अशान्त हो सकता है। संयत रहें। आलस्य भी बढ़ सकता है। सन्तान सुख में वृद्धि होगी। कारोबार में कुछ सुधार होगा।

मीन परिवार की समस्या परेशान कर सकती है। आय में कमी एवं खर्च अधिक की स्थिति हो सकती है। नौकरी में कोई नई जिम्मेदारी मिल सकती है।

शब्द पहेली - 6273

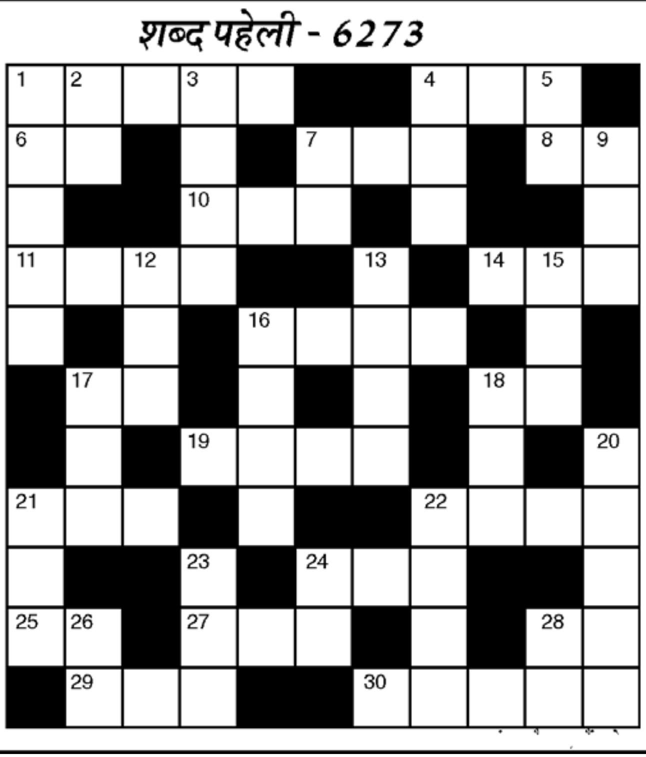

बाएँ से दाए-
1. हाईकमान-5
4. बुशर्ट, शर्ट-3
6. लाख, गोंद-2
7. प्रतिज्ञा-3
8. मां का भाई-2
10. धनवान, रईस-3
11. मरने के बाद शरीर को परीक्षण के लिये दान करना-4
14. जिज्ञासा, उत्साह-3
16. अनगिनत-4
17. वर्ष, बरस-2
18. लय, स्वर-2
19. गदर, बलवा-4
21. ईर्ष्या-3
22. गरुर, घमंड-4
24. राजा, सम्राट-3
25. पानी से सराबोर-2
27. व्यर्थ, फिजूल-3
28. चतुर्थ, चौथा-2
29. बहने का भाव-3
30. मन मोहने वाला-5

ऊपर से नीचे
1. आरामदायी-5
2. एक अनमोल रत्न, दुलारा-2
3. सेवा शुल्क-4
4. अभिव्यक्ति-3
5. बचत, जोड़-2
7. वहम-2
9. स्वामी-3
12. प्रवेश-3
13. धरोहर, थाती-4
15. तरंग, हिलोर-3
16. निरंकुश, मुंहजोर-4
17. किनारा, तट
18. कामधेनू, सुगंध-3
20. नुकसानदेह-5
21. दुनिया, जग-3
22. कहासुनी-4
23. चयन-3
24. चट्टान, शिला (अंग्रेजी-2)
26. ईश्वर, भगवान-2
28. प्रेम, लगन-2

शब्द पहेली -6272 का हल

सूडोकु नवताल - 6283

✱✱✱✱✩ कठिन

4					1	9		
						8	5	
			7	3				
			3				4	7
9								2
8	5				6			
				5	8			
	7	4						
		6	2					5

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक है.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल - 6282 का हल

2	4	5	6	9	8	1	7	3
1	7	6	4	3	5	8	2	9
3	8	9	1	2	7	6	5	4
9	1	7	3	6	2	4	8	5
5	6	3	8	7	4	9	1	2
4	2	8	5	1	9	3	6	7
7	3	1	9	5	6	2	4	8
8	9	2	7	4	1	5	3	6
6	5	4	2	8	3	7	9	1

खबर संक्षेप

पीएसए चैलेंजर: क्वार्टर फाइनल में शमीना, सेमवाल

मुंबई। भारत की शमीना रियाज और ओम सेमवाल ने एचसीएल-एसआरएफआई पीएसए चैलेंजर स्क्वाश टूर्नामेंट में उलटफेर करते हुए क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। शमीना ने दक्षिण अफ्रीका की शीर्ष वरीय हेली वार्ड जबकि सेमवाल ने ब्राजील के तीसरे वरीय डिएगो गोबी को हराया। एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम में जगह बनाने वाली शमीना ने पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए हेली को 8-11, 11-9, 11-9, 11-9 से हराया। अब उनका मुकाबला जापान की छठी वरीय अकारी मिडोरिकावा से होगा। बाइस साल के सेमवाल ने डिएगो को 6-11, 11-6, 11-9, 9-11, 11-9 से हराकर मिस्त्र के आठवें वरीय जियाद इब्राहिम के साथ मुकाबला तय किया। इब्राहिम ने भारत के पांचवें वरीय सूरज कुमार चंद को सीधे गेम में 11-4, 11-6, 11-5 से हराया। तन्वी खन्ना ने पूजा आरती रघु को सीधे गम में 11-5, 11-6, 11-6 से हराया।

आज से जागरेब रेपिड एवं ब्लिट्ज टूर्नामेंट

जागरेब। विश्व चैंपियन डी गुकेश 1 जुलाई से शुरू हो रहे जागरेब रेपिड एंव ब्लिट्ज टूर्नामेंट में दुनिया के कुछ बेहतरीन खिलाड़ियों का सामना करेंगे। यह प्रतियोगिता ग्रैंड शतरंज टूर का हिस्सा है जो शीर्ष खिलाड़ियों को एक साथ लाने का सबसे बड़ा मंच है। ग्रैंड शतरंज टूर के तहत इस साल की यह तीसरी प्रतियोगिता होगी और इसके बाद तीन और प्रतियोगिताएं होनी हैं। इस प्रतियोगिता में भारतीय स्टार प्रज्ञानानंदा भी हिस्सा लेंगे। इस प्रतियोगिता में रेपिड शतरंज के नौ दौर जबकि ब्लिट्ज शतरंज के 18 दौर खेले जाएंगे। रेपिड में हर जीत के लिए दो अंक और ड्रॉ के लिए एक अंक मिलेगा जबकि ब्लिट्ज में जीत के लिए एक अंक और ड्रॉ के लिए आधा अंक दिया जाएगा।

पंड्या ने बनाया सीओई को स्थायी ट्रेनिंग सेंटर

नई दिल्ली। ऑलराउंडर हार्दिक पंड्या ने अपने करियर के बाकी समय के लिए भारतीय क्रिकेट बोर्ड के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) को अपना स्थायी ट्रेनिंग केंद्र बनाने के मकसद से

बेंगलुरु में रहने का फैसला किया है और वह ऐसा करने वाले भारत के पहले प्रमुख मौजूदा क्रिकेटर बन गए हैं। पंड्या का यह कदम इसलिए सभी का ध्यान खींच रहा है क्योंकि भारत के केंद्रीय अनुंधित खिलाड़ी आम तौर पर चोट से उबरने (रिहैबिलिटेशन), फिटनेस परीक्षण या राष्ट्रीय शिविर के लिए ही सीओई जाते हैं।

सबसे बड़ा उलटफेर, पराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में जर्मनी को किया बाहर

एजेंसी ▶▶| फॉक्सबोरो

जोस कैनाले ने पहले ही सडन डेथ पेनल्टी किक पर गोल किया और ऑरलैंडो गिल ने शूटआउट में दो महत्वपूर्ण बचाव किए, जिससे पराग्वे ने पेनल्टी शूटआउट में जर्मनी को 4-3 से हराकर मौजूदा विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट का अब तक का सबसे बड़ा उलटफेर कर दिया। राउंड ऑफ़ 32 का यह मैच अतिरिक्त समय के बाद 1-1 से बराबर रहा था।

पराग्वे ने 42वें मिनट में जूलियो एनसिसो के हेडर से किए गए गोल से बढ़त हासिल की, लेकिन चार बार के चैंपियन जर्मनी के लिए काई हावर्ट्ज़ ने 52वें मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया। गिल ने बाद में अपनी जीत की राज का खुलासा करते हुए कहा, 'हमने प्रत्येक खिलाड़ी और प्रत्येक छोटी सी छोटी चीज का भी विश्लेषण किया था और यही वजह थी कि मैं सिर्फ दो पेनल्टी चूक पाया। यह जीत पराग्वे के लोगों को समर्पित है।'

पराग्वे ने जर्मनी को हराकर किया हैरान

फीफा रैंकिंग में 34वें स्थान पर मौजूद पराग्वे की जीत पर बहुत कम सट्टा लगा था लेकिन उसने 12वें स्थान पर काबिज जर्मनी को हराकर दुनिया भर के फुटबाल प्रेमियों को हैरान कर दिया। पराग्वे की टीम अब शनिवार को फिलाडेल्फिया में राउंड ऑफ 16 में मंगलवार को फ्रांस और स्वीडन के बीच होने वाले मैच के विजेता से भिड़ेगी।

नॉकआउट में तीसरी बार हारा जापान

ह्यूस्टन। जापान को पहले भी विश्व कप फुटबॉल के नॉकआउट राउंड में हार से दिल टूटने का अनुभव है और हर बार की तरह इस बार भी उसने अगली बार इससे बेहतर प्रदर्शन करने का संकल्प लिया। जापान को पहले हाफ में बढ़त बनाने के बावजूद पांच बार के चैंपियन ब्राजील से इंजरी टाइम के गोल के कारण 2-1 से हार का सामना करना पड़ा। उसकी टीम एक बार फिर से आखिर तक डटी रही, लेकिन टूर्नामेंट से बाहर हो गई। यह लगातार तीसरी बार है जब जापान नॉकआउट राउंड में बढ़त बनाने के बावजूद हार गया। जापान इससे पहले चार अवसरों पर नॉकआउट में जीत हासिल नहीं कर पाया लेकिन उसके कोच हाजिमे मोरियासु ने अगले विश्व कप में इससे बेहतर प्रदर्शन करने को अपना लक्ष्य बनाया है। 'चार साल पहले जापान ने शुरुआती बढ़त बनाई थी लेकिन आखिर में राउंड ऑफ़ 16 में क्रोएशिया से पेनल्टी शूटआउट में हार गया था। यही नहीं 2018 में भी अंतिम 16 में उसे इसी तरह की हार का सामना करना पड़ा था जब वह दूसरे हाफ में बेल्जियम से 2-0 से आगे था लेकिन स्टॉपेज टाइम के गोल के कारण 3-2 से हार गया था।

शूटआउट में मोरक्को का जलवा

नीदरलैंड को हराकर अंतिम 16 में एंट्री

एजेंसी ▶▶| ग्वाडालूप

इस्सा डियोप ने दूसरे हाफ के इंजरी टाइम में बराबरी का गोल किया जबकि इस्माइल सैबारी ने पेनल्टी शूटआउट में निर्णायक गोल दागा, जिससे मोरक्को ने नीदरलैंड को 3-2 से हराकर अंतिम 16 में अपनी जगह पक्की की।

इससे पहले निर्धारित और अतिरिक्त समय तक दोनों टीम 1-1 से बराबरी पर थी। पेनल्टी शूटआउट में भी चार राउंड के बाद स्कोर 2-2 से बराबर था। मोरक्को के गोलकीपर यासीन बोनू ने क्रिसेंसियो समरविले के शॉट को अपने बाएं हाथ से रोक दिया। इसके बाद सैबारी ने गोलकीपर बार्ट वर्बुगेन के दूसरी ओर गोता लगाने पर निचले बाएं कोने में विजयी गोल दाग दिया। इस मिडफील्डर ने अपनी शर्ट उतार दी और खुशी से चिल्लाने लगा। इसके बाद उनके साथी खिलाड़ियों ने उन्हें घेर दिया और वह जीत का जश्न मनाने लगे। पेनल्टी शूटआउट के दूसरे राउंड में जब मोरक्को 1-0 से पीछे चल रहा था, तब वर्बुगेन ने सोफियान रहीमी के शॉट को रोकने का प्रयास किया, लेकिन गोलकीपर गेंद को पकड़ नहीं पाए और अपने पैर के पिछले हिस्से से उसे गोल लाइन के पार धकेल दिया। मोरक्को शनिवार को ह्यूस्टन में राउंड ऑफ 16 में कनाडा का सामना करेगा।

लुकाकू की फिटनेस पर सस्पेंस

एजेंसी ▶▶| सिएटल

बेल्जियम के लिए सेनेगल के खिलाफ बुधवार को होने वाले विश्व कप फुटबॉल के राउंड ऑफ 32 मैच से पहले स्टार स्ट्राइकर रोमेलु लुकाकू की फिटनेस चिंता का विषय बनी हुई है। अपने देश की तरफ से सर्वाधिक गोल करने वाले 33 वर्षीय लुकाकू पूर्ण फिटनेस हासिल करने के लिए विश्व कप से पहले मैत्री मैचों में नहीं खेले थे। मांसपेशियों में खिंचाव के

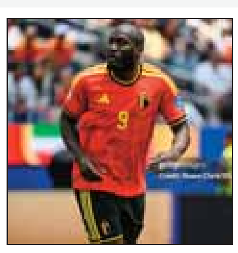

कारण वह इटली के अपने क्लब नेपोली की तरफ से पिछले सत्र में केवल सात मैच ही खेल पाए थे। लुकाकू ने कहा, 'मैं परिस्थितियों के अनुसार चल रहा हूं। मैं कड़ी मेहनत कर रहा हूं और यहां आकर खुश हूं। मैं अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ योगदान देने की कोशिश कर रहा हूं।' लुकाकू ने कहा, 'जब मैं बेंच पर होता हूं तो मेरे पास मैदान पर हो रही हर चीज का विश्लेषण करने के लिए काफी समय होता है। टीम की मदद करना मेरे लिए सबसे महत्वपूर्ण है।' बेल्जियम अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहा था जबकि सेनेगल तीसरे स्थान पर रहने वाली सर्वश्रेष्ठ आठ टीम में जगह बनाकर नॉकआउट राउंड में पहुंचा।

जीत के बाद बेकाबू हुए मोरक्को के फैंस

एजेंसी ▶▶| द हेग

मोरक्को ने नीदरलैंड को पेनल्टी शूटआउट में हराकर फुटबॉल विश्व कप से बाहर कर दिया, जिसके बाद द हेग में फुटबॉल प्रशंसकों की पुलिस से झड़प हुई जबकि कासाब्लांका में जश्न मनाया गया।

नीदरलैंड में मोरक्को के लोगों की काफी बड़ी आबादी है और जीत के बाद मोरक्को फुटबॉल टीम के प्रशंसक जश्न के मूड में थे लेकिन इस दौरान छिटपुट झड़पें भी हुईं। द हेग में पुलिस ने बताया कि शिल्डर्सविज्क हलाके में जबरदस्त आतिशबाजी की गई और पुलिसकर्मियों पर पटाखे और पत्थर फेंके

गए। दंगा रोधी दस्ते ने भीड़ पर धावा बोला और उन्हें तितर-बितर करने के लिए पानी की तेज बौछार का इस्तेमाल किया। पुलिस ने कहा, 'हिंसा करने के आरोप में कुछ लोगों को गिरफ्तार किया गया है।'

इंग्लैंड के खिलाफ मजबूत शुरुआत पर भारत की नजर

एजेंसी ▶▶| चेस्टर ली स्ट्रीट

वैभव सूर्यवंशी का बहुप्रतीक्षित पदार्पण और मुश्किल विकेटों पर बल्लेबाजी की कमजोरियां इंग्लैंड के खिलाफ बुधवार से शुरू हो रही 5 मैच की टी20 अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला में भारत के लिए चर्चा का मुख्य विषय रहेंगे। आयरलैंड के खिलाफ संजू सैमसन की दोहरी विफलता उन्हें बाहर बैठाने और सूर्यवंशी को अभिषेक शर्मा के साथ पारी का आगाज करने का मौका देने का कारण हो सकती है। अभिषेक को बेलफास्ट में पहले टी20 अंतरराष्ट्रीय में 20 गेंद में 49 रन की पारी के कारण फिर मौका मिल सकता है।

इशान किशन भी आयरलैंड के खिलाफ दो मैच की श्रृंखला में कोई खास कमाल नहीं दिखा पाए और 1 तथा 12 रन पर आउट हो गए। इसलिए प्रबंधन सूर्यवंशी को शामिल करने के लिए उन्हें भी बाहर कर सकता है लेकिन वे इस बात पर विचार करेंगे कि ऐसे कदम का बाहर किए गए बल्लेबाज़ के मनोबल पर क्या असर पड़ सकता है।

सूर्यांश शेडगे और प्रिंस यादव को मौका

आयरलैंड के खिलाफ सूर्यांश शेडगे और प्रिंस यादव को पदार्पण का मौका दिया, जिससे सूर्यवंशी को अंतरराष्ट्रीय पदार्पण के लिए इंतजार करना पड़ा। हालांकि सिर्फ सूर्यवंशी को टीम में शामिल करने से भारत की बल्लेबाजी की समस्याओं का तुरंत समाधान नहीं हो जाएगा क्योंकि इन समस्याओं के कई पहलू हैं। तेज गेंदबाजों की अनुकूल बेलफास्ट की पिच पर कोई भी भारतीय बल्लेबाज सहज नहीं दिख रहा था।

टीमें इस प्रकार

भारत : श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा, रवि बिश्नोई, अभिषेक शर्मा, सूर्यांश शेडगे, प्रसिद्ध कृष्णा, संजू सैमसन, अक्षर पटेल, हर्षित राणा, इशान किशन, वाशिंगटन सुंदर, अर्शदीप सिंह, शिवम दुबे, प्रिंस यादव, वैभव सूर्यवंशी।

मैच का समय : भारतीय समयानुसार रात 10 बजे से

जोकोविच ने की अभियान की रोमांचक शुरुआत, यिबिंग वू को दी शिकस्त

एजेंसी ▶▶| लंदन

सात बार के चैंपियन नोवाक जोकोविच ने अपने 21वें विंबलडन अभियान की रोमांचक शुरुआत करते हुए चीन के यिबिंग वू को 6-4, 5-7, 6-4, 6-4 से हराकर जीत दर्ज की। सातवीं वरीयता प्राप्त खिलाड़ी ने अच्छी सर्विस की और खराब प्रदर्शन भी नहीं किया, लेकिन वह वू को सेंटर कोर्ट के माहौल का आनंद लेने से रोक नहीं सके। पहले सेट में दुनिया के 102वें रैंक वाले चीनी खिलाड़ी ने 15 विनर्स लगाए, हालांकि उतनी ही संख्या में अनफोर्स्ड गलतियां भी कीं।

दूसरे सेट की शुरुआत में निर्णायक मोड़

दूसरे सेट की शुरुआत में ही निर्णायक मोड़ आ गया। अगर जोकोविच अपने शुरुआती ब्रेक अवसरों में से एक को भुना लेते, तो वह आसानी से नियंत्रित और अपेक्षाकृत सरल जीत की ओर बढ़ सकते थे। लेकिन ऐसा नहीं हुआ, और वू का आत्मविश्वास लगातार बढ़ता गया।

जोकोविच ने तीसरा सेट अपने नाम किया

जोकोविच ने संघर्ष करते हुए तीसरा सेट अपने नाम किया और फिर चौथे सेट में अहम मौकों पर पूरी तरह नियंत्रण बनाकर विंबलडन के पहले दौर में अपना रिकॉर्ड 21-0 कर लिया। उन्होंने चौथे सेट में छह ब्रेक प्वाइंट बचाए, जिनमें 2-3 के स्कोर पर 0/40 से जुड़े तीन मौके भी शामिल थे। आखिरकार उन्होंने तीन घंटे और 11 मिनट में जीत हासिल की।

कार्यालय, अध्यक्ष, काउंसलिंग समिति
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश
टैगोर छात्रावास क्रमांक-T2, प्रथम तल, श्यामला हिल्स, दूरदर्शन रोड, भोपाल-462002

ऑनलाइन काउंसलिंग सत्र 2026-27 (C-18)
संशोधित समय सारणी

मास्टर ऑफ टेक्नोलॉजी (Master of Technology) पाठ्यक्रम में प्रवेश परीक्षा (GATE)/अर्हकारी परीक्षा एवं मास्टर ऑफ प्लानिंग (Master of Planning) पाठ्यक्रम में प्रवेश परीक्षा (GATE/NET)/अर्हकारी परीक्षा के आधार पर प्रथम वर्ष में प्रवेश
(शासकीय, शासन द्वारा घोषित स्वशासी, अनुदान प्राप्त अशासकीय, अनुदान प्राप्त-सम विश्वविद्यालय (डीम्ड विश्वविद्यालय), स्वशासी एवं स्ववित्तीय-विश्वविद्यालयीन एवं निजी क्षेत्र की संस्थान)

प्रथम चरण
प्रवेश परीक्षा के वैध स्कोर (Valid Score Entrance Exam) के आधार पर)

गतिविधियां	दिनांक/समय
ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन/रजिस्ट्रेशन निरस्त	17.06.2026 से 02.07.2026 रात्रि 11:45 बजे तक
रजिस्ट्रेशन में सुधार (Edit Registration) (सत्यापित उम्मीदवारों के लिये रजिस्ट्रेशन में सुधार की सुविधा, रजिस्ट्रेशन की अंतिम तिथि के पश्चात केवल एक बार उपलब्ध रहेगी)	03.07.2026 से 04.07.2026 सायं 5:30 बजे तक
संस्थाओं के प्राथमिकताक्रम का ऑनलाइन चयन कर लॉक करना (प्राथमिकताक्रम (Choice filling) में परिवर्तन की सुविधा अंतिम दो दिन उपलब्ध रहेगी)	18.06.2026 से 06.07.2026 रात्रि 11:45 बजे तक
कॉमन मेरिट सूची की उपलब्धता।	07.07.2026
आवंटन पत्रों की ऑनलाइन उपलब्धता/आवंटित संस्था में उपस्थिति (आवंटित संस्था में मूल दस्तावेजों का सत्यापन एवं प्रवेश)	09.07.2026 से 14.07.2026 सायं 6:30 बजे तक

नोट :- शेष चरणों की काउंसलिंग समय-सारणी एवं अन्य जानकारी पूर्व कार्यक्रम अनुसार यथावत् रहेगी।
• **संपर्क :-** 0755-6720205, 2660441, **ईमेल :-** dte[dot]helpcenter[at]mp[dot]gov[dot]in

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
संचालनालय तकनीकी शिक्षा, मध्यप्रदेश
म.प्र. माध्यम/126628/2026

जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होगी स्पर्धा

एशियन गेम्स : टीम इंडिया का ऐलान, हरमनप्रीत कप्तान

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

इंग्लैंड में आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में अपेक्षित प्रदर्शन नहीं करने के बावजूद हरमनप्रीत कौर को जापान में होने वाले इस साल के एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला टीम के कप्तान के रूप में बरकरार रखा।

महिला चयन समिति ने जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होने वाले एशियाई खेलों के लिए 15 सदस्यीय संभावित टीम की घोषणा की है।

भारत ने 2023 में जीता था स्वर्ण पदक

भारतीय महिला टीम एशियाई खेलों में मौजूदा चैंपियन के रूप में प्रवेश करेगी। उसने 2023 में चीन के हांगझोऊ एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीता था। एशियाई खेलों में पुरुषों और महिलाओं दोनों की क्रिकेट प्रतियोगिता टी20 प्रारुप में खेली जाती है।

यास्तिका बाहर कमलिनी को मौका

स्मृति मंधाना टीम की उप कप्तान बनी रहेंगी। विश्व कप के लिए टीम में शामिल विकेटकीपर बल्लेबाज यास्तिका भाटिया बाहर होने वाली एकमात्र खिलाड़ी हैं। उनकी जगह कमलिनी को टीम में शामिल किया गया है। विश्व कप के बीच में टखने की चोट के कारण बाहर होने वाली श्रेयंका पाटिल को फिटनेस के आधार पर टीम में शामिल किया गया है। वह तय समय तक फिट होने पर ही अंतिम टीम में जगह बनाएंगी।

टीम इंडिया 2028 में ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई

भारतीय टीम ने ग्रुप चरण से बाहर होने के बावजूद इस प्रतियोगिता में एशियाई टीमों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के कारण 2028 में लॉस एंजिलिस में होने वाले ओलंपिक खेलों के लिए क्वालीफाई कर लिया है।

एशियाई खेलों के लिए भारतीय टीम
हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उप-कप्तान), शेफाली वर्मा, जेमिमा रोड्रिग्स, दीप्ति शर्मा, ऋचा घोष (विकेटकीपर), जी. कमलिनी (विकेटकीपर), भारती फुलमाली, श्रीचरणी, रेणुका ठाकुर, क्रांति गौड़, अरुंधति रेड्डी, श्रेयंका पाटिल, राधा यादव, नंदनी शर्मा।

30 दिन में अभ्यावेदन पर फैसला करने के निर्देश, तब तक याचिकाकर्ता सिवनी में ही देंगी सेवाएं

छह माह में दूसरा तबादला पड़ा भारी हाई कोर्ट ने आदेश पर उठाए सवाल

जबलपुर।

मप्र हाईकोर्ट ने छह माह के भीतर दोबारा किए गए स्थानांतरण पर सवाल उठाते हुए संबंधित अधिकारियों को याचिकाकर्ता के अभ्यावेदन पर पुनर्विचार के निर्देश दिए हैं। जस्टिस विशाल धगाट की सिंगल बेंच ने प्रथमदृष्टया स्थानांतरण आदेश में विसंगतियां पाते हुए स्पष्ट किया कि अंतिम निर्णय होने तक डा. ज्योति कुमरे शासकीय पीजी कालेज, सिवनी में ही अपनी सेवाएं देती रहेंगी।

याचिका में डा. ज्योति कुमरे की ओर से अधिवक्ता अभय पांडे ने पक्ष रखा। उन्होंने दलील दी कि 15 जून, 2026 के स्थानांतरण आदेश के जरिए याचिकाकर्ता को लगभग 200 किलोमीटर दूर शासकीय महाविद्यालय, साईखेड़ा भेज दिया गया, जबकि वे वर्तमान में शासकीय पीजी कालेज, सिवनी में पदस्थ हैं। यह भी बताया गया कि 18 अक्टूबर 2025 को ही उनका पूर्व स्थानांतरण हुआ था और महज छह माह के भीतर दोबारा तबादला कर दिया गया, जो स्थानांतरण नीति और प्रशासनिक औचित्य दोनों के विपरीत है।

राज्य शासन की ओर से शासकीय अधिवक्ता राजेश तिवारी ने तर्क दिया कि स्थानांतरण जिले के भीतर किया गया है और इससे याचिकाकर्ता को कोई प्रतिकूल नागरिक परिणाम नहीं भुगतना पड़ेगा।

दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद हाई कोर्ट ने पाया कि कम अवधि में दोबारा स्थानांतरण किया गया है। न्यायालय ने यह भी दर्ज किया कि स्थानांतरण आदेश में कुछ असंगतियां दिखाई देती हैं तथा याचिकाकर्ता के स्थान पर किसी अन्य अधिकारी की पदस्थापना भी नहीं की गई है। इन परिस्थितियों में कोर्ट ने याचिका का निराकरण करते हुए सक्षम अधिकारियों को आदेश की प्रमाणित प्रति प्राप्त होने के 30 दिन के भीतर लंबित अभ्यावेदन पर विधिसम्मत निर्णय लेने का निर्देश दिया। साथ ही यह भी आदेश दिया कि तब तक डा. ज्योति कुमरे शासकीय पीजी कालेज, सिवनी में यथावत कार्य करती रहेंगी।

अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह का मामला

हाई कोर्ट ने अंतरराष्ट्रीय गिरोह के तीन आरोपितों की जमानत अर्जी निरस्त की

जबलपुर। मप्र हाईकोर्ट ने तुर्की से संचालित बताए जा रहे अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी गिरोह से जुड़े तीन आरोपियों की नियमित जमानत अर्जियां निरस्त कर दीं। जस्टिस प्रमोद कुमार अग्रवाल की सिंगल बेंच ने कहा कि प्रथमदृष्टया उपलब्ध इलेक्ट्रॉनिक, डिजिटल और वित्तीय साक्ष्य आरोपितों की संगठित अंतरराष्ट्रीय तस्करी नेटवर्क में सक्रिय भूमिका का संकेत देते हैं। ऐसे मामलों में उदार दृष्टिकोण अपनाने का कोई आधार नहीं है। मामला भोपाल में राजस्व व सूचना निदेशालय (डीआरआई) द्वारा 61.20 किलोग्राम तरल मेफेड्रोन की बरामदगी से जुड़ा है। कोर्ट ने सूरत निवासी अंजलि सिंह राजपूत, महफूज खान और वीरन रजनीकांत शाह की जमानत अर्जियां निरस्त कर दीं। जांच के अनुसार फरार सरगना सलीम डोला उर्फ अर्जुन सर तुर्की से पूरे गिरोह का संचालन कर रहा था। अभियोजन ने हवाला लेनदेन, रासायनिक पदार्थ की आपूर्ति, दूरभाष विवरण, संदेशों के अभिलेख तथा वित्तीय दस्तावेजों के आधार पर आरोपितों की संलिप्तता बताई। बचाव पक्ष की दलीलों को अस्वीकार करते हुए कोर्ट ने कहा कि उपलब्ध साक्ष्य प्रथमदृष्टया संगठित अंतरराष्ट्रीय मादक पदार्थ तस्करी के गंभीर अपराध की ओर संकेत करते हैं। लिहाजा, जमानत का लाभ नहीं दिया जा सकता।

चाची की हत्या पर भतीजे को आजीवन कारावास

जबलपुर। अपर सत्र न्यायाधीश अजय रामावत की अदालत ने लकड़ी के डंडे से चाची की हत्या करने के मामले में आरोपी को दोषी ठहराया। कोर्ट ने आरोपी बरगी थाना क्षेत्र के बहेड़ा गांव निवासी भागचंद मरकाम को ठहराते हुए आजीवन कारावास तथा पांच हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड अदा न करने पर एक वर्ष का अतिरिक्त कठोर कारावास भुगतना होगा। अभियोजन के अनुसार 18 नवंबर, 2020 की शाम पारिवारिक विवाद के दौरान आरोपी ने गालियां देते हुए अपनी चाची रमिया बाई के सिर पर लकड़ी के डंडे से वार कर दिया। गंभीर रूप से घायल रमिया बाई को मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उपचार के दौरान 12 दिन बाद उनकी मृत्यु हो गई। विवेचना के बाद अदालत में प्रस्तुत साक्ष्यों, चिकित्सीय रिपोर्ट और प्रत्यक्षदर्शी गवाहों के आधार पर अदालत ने हत्या का अपराध सिद्ध माना। न्यायालय ने आरोपी की न्यायिक अभिरक्षा में बिताई गई अवधि को समायोजित करने का भी आदेश दिया।

बहुचर्चित कफ सीरप कांड में दो एमआर को हाई कोर्ट से जमानत

जबलपुर। छिंदवाड़ा के बहुचर्चित कफ सीरप प्रकरण में जांच एजेंसियों द्वारा दवा के कथित प्रचार और प्रिस्क्रिप्शन नेटवर्क का अहम हिस्सा बताए गए दो मेडिकल रिप्रेजेंटेटिव सतीश वर्मा और शैलेश सिंह पांड्या को हाईकोर्ट से जमानत मिल गई। मामले की गंभीरता के चलते पहले कई आरोपियों की जमानत अर्जियां निरस्त हो चुकी थीं।

अभियोजन के अनुसार सतीश वर्मा और शैलेश सिंह पांड्या पर विवादित कफ सीरप के प्रचार-प्रसार, आपूर्ति तंत्र तथा चिकित्सकों तक प्रिस्क्रिप्शन नेटवर्क विकसित करने में भूमिका निभाने का आरोप है। सतीश वर्मा को 26 अक्टूबर, 2025 तथा शैलेश सिंह पांड्या को नवंबर, 2025 में गिरफ्तार किया गया था। स्वास्थ्य विभाग, पुलिस और औषधि प्रशासन की संयुक्त जांच में दवा निर्माण से लेकर वितरण और चिकित्सकों तक पहुंच के पूरे नेटवर्क की पड़ताल की गई थी। मामले में मुख्य आरोपित के रूप में डा. प्रवीण सोनी के अलावा ज्योति सोनी, सौरभ जैन, राजेश सोनी सहित कई लोगों को आरोपी बनाया गया है। परासिया न्यायालय में अभियोजन ने सतीश वर्मा को फार्मा कंपनी और मुख्य आरोपी के बीच महत्वपूर्ण कड़ी बताते हुए जमानत का कड़ा विरोध किया था। इसके बावजूद हाई कोर्ट ने दोनों आरोपियों को सशर्त जमानत प्रदान कर दी।

पीएम सूर्य घर योजना के तहत सौर संयंत्र लगाने पर मिल रही सब्सिडी

जबलपुर। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि पीएम सूर्यघर योजना के तहत अब तक कुल एक लाख 43 हजार 150 उपभोक्ता लाभान्वित हुए हैं। इनके बैंक खातों में 1010 करोड़ 25 लाख रूपए की सब्सिडी जमा कराई जा चुकी है। योजना के तहत एक किलोवॉट सोलर संयंत्र लगाने पर 30 हजार रूपए, दो किलोवॉट सोलर संयंत्र लगाने पर 60 हजार रुपए तथा तीन किलोवॉट या उससे अधिक के सोलर संयंत्र स्थापना पर 78 हजार रुपए की सब्सिडी केन्द्र सरकार द्वारा दी जा रही है। पीएम सूर्यघर योजना का शुभारंभ 13 फरवरी 2024 को हुआ था। योजना में शामिल होने के लिए ऑनलाइन आवेदन करना होगा। जिसके लिए पीएम सूर्य घर योजना की वेबसाइट पीएमसूर्याघर.जीओव्ही.इन पर जाकर आवेदन किया जा सकता है। इसके अलावा अधिक जानकारी के लिए संबंधित विद्युत वितरण कंपनी की वेबसाइट अथवा एप, वॉट्सऐप चेटबॉट एवं टोल फ्री नं, 1912 पर भी संपर्क किया जा सकता है।

जांच की परिस्थितियों पर न्यायालय ने चिंता जताई

एनडीपीएस मामले में महिला को हाई कोर्ट से जमानत

जबलपुर। मध्यप्रदेश हाई कोर्ट ने 71 किलो 820 ग्राम गांजा बरामदगी से जुड़े एक मामले में गिरफ्तार महिला को नियमित जमानत प्रदान करते हुए जांच की परिस्थितियों पर महत्वपूर्ण टिप्पणी की है। न्यायालय ने प्रथम दृष्टया यह सवाल उठाया कि केवल रेलवे प्लेटफॉर्म पर मौजूद होने के आधार पर किसी व्यक्ति की कथित संलिप्तता का निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता। प्रकरण नागपुर निवासी शबाना अंजुम से संबंधित है। उनके अनुसार, वह पारिवारिक कारणों से रेल यात्रा कर रही थीं। आमलाई रेलवे स्टेशन पर ट्रेन रुकने के दौरान वह प्लेटफॉर्म स्थित महिला प्रसाधन का उपयोग करने उतरीं, लेकिन वापस लौटने तक ट्रेन रवाना हो चुकी थी। इसके बाद वह अगली ट्रेन की प्रतीक्षा कर रही थीं। इसी दौरान पुलिस ने उनसे पूछताछ की और तलाशी के दौरान दो चाकू बरामद किए। बाद में पुलिस ने उन्हें एक वाहन से 71 किलो 820 ग्राम गांजा बरामद होने के मामले में आरोपी बनाते हुए एनडीपीएस अधिनियम के तहत गिरफ्तार कर लिया। महिला का कहना है कि जिस वाहन से मादक पदार्थ मिलने का दावा किया गया, उससे उनका कोई संबंध नहीं था।

महिला की ओर से अधिवक्ता संदीप जैन एवं सह-अधिवक्ता चंद्रशेखर पटेल ने दलील दी कि अभियोजन के पास उनकी संलिप्तता का कोई प्रत्यक्ष साक्ष्य नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि बरामदगी की प्रक्रिया और एनडीपीएस अधिनियम के तहत अपनाई जाने वाली वैधानिक प्रक्रिया का समुचित पालन नहीं किया गया। बचाव पक्ष ने महिला के आपराधिक रिकॉर्ड न होने का भी उल्लेख किया। दोनों पक्षों को सुनने के बाद न्यायमूर्ति अजय कुमार निरंकारी ने उपलब्ध रिकॉर्ड, महिला की पृष्ठभूमि तथा विचारण में लगने वाले संभावित समय को ध्यान में रखते हुए 50 हजार रुपये के निजी मुचलके पर नियमित जमानत देने का आदेश दिया। हालांकि, अदालत ने मामले के गुण-दोष पर कोई अंतिम राय व्यक्त नहीं की है। प्रकरण का परीक्षण ट्रायल कोर्ट में जारी रहेगा, जहां अभियोजन के साक्ष्यों और बचाव पक्ष की दलीलों के आधार पर अंतिम निर्णय लिया जाएगा।

इस शैली में समाचार पूरी तरह नए शब्दों और नए क्रम में लिखा जाता है, जिससे यह किसी स्रोत की नकल नहीं लगता और समाचार-पत्र प्रकाशन के लिए अधिक उपयुक्त होता है।

गश खाकर गिरी वृद्धा की मौत

जबलपुर। भेड़ाघाट थानांतर्गत गत 15 जून की सुबह रिंग रोड पुल पर पोते के साथ जबलपुर जा रही एक वृद्धा को चक्कर आने के कारण पोते ने गाड़ी रोकी तो वृद्धा चक्कर खाकर गिर आई। इस दौरान वृद्धा कों हाथ व पैरों में चोटे आई थी। जिसे इलाज के लिये पोते ने मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया था।जहां इलाज के दौरान कल सुबह वृद्धा की मौत हो गई। भेड़ाघाट पुलिस ने बताया कि मुंगवानी नरसिंहपुर निवासी शुभम साहू गत 15 जून को अपनी दादी तारा बाई साहू को मोटरसाइकिल में पीछे बैठाकर जबलपुर ला रहा था। तभी रिंग रोड पुल पर अचानक ताराबाई ने पोते शुभम से कहा कि उसे चक्कर जैसा लग रहा है। शुभम ने जैसे ही गाड़ी रोकी। ताराबाई गश खाकर गिर गई । इस दौरान ताराबाई को हाथ पैर में चोटे आ गई थी। जिसे पोते शुभम ने इलाज के लिये मेडीकल अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां कल सुबह इलाज के दौरान ताराबाई की मौत हो गई।

सफाई कर्मचारियों की हड़ताल से शहर में लगे कचरे के ढेर

वेतन नहीं मिलने पर रोड में डाला कचरा

जबलपुर। वेतन भुगतान में कथित देरी को लेकर मंगलवार को सफाई कर्मचारियों ने विरोध प्रदर्शन करते हुए तीन पत्ती चौक पर कचरा डाल दिया। कर्मचारियों का आरोप है कि उन्हें पिछले तीन माह से वेतन नहीं मिला है, जिसके विरोध में यह कदम उठाना पड़ा। हड़ताल का असर शहर की सफाई व्यवस्था पर साफ दिखाई दिया। माता गुजरी कॉलेज, बस स्टैंड क्षेत्र सहित कई स्थानों पर कचरे के ढेर लग गए, जिससे आम नागरिकों को परेशानी का सामना करना पड़ा। सफाई व्यवस्था प्रभावित होने के बाद अब सवाल उठ रहे हैं कि इस स्थिति के लिए जिम्मेदार कौन है—ठेकेदार, नगर निगम प्रशासन या संबंधित अधिकारी। फिलहाल नगर निगम की ओर से इस संबंध में आधिकारिक प्रतिक्रिया सामने नहीं आई है।

किसान का मोबाइल चोरी कर खाते से 3 लाख उड़ाये

जबलपुर। बरेला थानांतर्गत बरेला बाजार में सब्जी लेने आये एक किसान का किसी ने मोबाइल चोरी कर उसके बैंक खाते से तीन लाख रूपये साफ कर दिये। जब किसान ने उसी एक्टिव नंबर पर कंपनी से सिम निकाल कर अपने नये मोबाइल में लगाई तो मैसेज आने पर पता चला कि उसके बैंक खाते से किसी ने तीन लाख का ट्रांजेक्षन कर लिया है। इस तरह वह ठगी का शिकार हो गया है। बरेला पुलिस ने बताया कि शारदा नगर रिछाई निवासी बेनी प्रसाद यादव गत 23 जून की शाम का बरेला बाजार सब्जी खरीदने गया था । जहां किसी ने उसका मोबाइल पार कर दिया था । मोबाइल में लगी सिम से चूंकि उसका खाता भी आपरेट होता था लिहाजा बेनी प्रसाद ने जियो कंपनी से उसी नंबर की नई सिम जारी करा ली । जैसे ही उसने नये मोबाइल में सिम लगाई तो बैंक आफ इंडिया के उसके खाते का एक मैसेज आया । जिसमें पता चला कि खाते से किसी अज्ञात ने तीन लाख निकाल लियेहैं।

परियट जलाशय में मशीनरी के साथ जुटी 45 सदस्यीय टीम

जलापूर्ति व्यवस्था सुधारने मैदान में उतरे निगमायुक्त

जबलपुर। शहर में निर्बाध पेयजल आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए नगर निगम ने जल प्रबंधन को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। इसी कड़ी में निगमायुक्त रामप्रकाश अहिरवार मंगलवार सुबह अधिकारियों की टीम के साथ परियट पहुंचे और जलापूर्ति व्यवस्था का मौके पर निरीक्षण कर चल रहे कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को समयबद्ध ढंग से सभी कार्य पूर्ण करने और नागरिकों को बिना बाधा पेयजल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

परियट में जलापूर्ति व्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए नगर निगम की 45 सदस्यीय विशेष टीम आधुनिक मशीनरी के साथ लगातार काम कर रही है। मौके पर कार्यपालन यंत्री कमलेश श्रीवास्तव, जी.एस. मरावी, सहायक यंत्री राजेश खंपरिया, अनुराग पाठक, अंकुर नाग और अमजद खान मंसूरी सहित तकनीकी अमला मौजूद रहा। अधिकारियों की सतत निगरानी से तकनीकी समस्याओं का तत्काल समाधान किया जा रहा है, जिससे कार्य में तेजी आई है।

निरीक्षण के दौरान निगमायुक्त ने कहा कि शहरवासियों को नियमित और स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना नगर निगम की पहली जिम्मेदारी है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जलापूर्ति प्रभावित न हो, इसके लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूरी की जाएं। निरीक्षण के उपरांत निगमायुक्त एवं अधिकारियों ने भगवान भोलेनाथ, हनुमानजी और भगवान इंद्रदेव की पूजा-अर्चना कर शहर में अच्छी वर्षा एवं निर्बाध जलापूर्ति की कामना भी की।

फार्म मे नहीं आ पा रहा मानसून

उमस भरी गर्मी अभी भी बरकरार

जबलपुर। मानसून अभी फुल फार्म में नहीं आ पाया है। छुट पुट वर्षा अभी जरूर हो रही है लेकिन इस बारिश से लोगों को राहत नहीं मिल रही है। उमस भरी गर्मी अभी भी बरकरार है। मंगलवार की दोपहर में कुछ देर के लिए हल्की बारिश भी हुई। इसके बाद शाम को शीतल बयारों ने मौसम को खुशगवार बना दिया था। मौसम विभाग के मुताबिक मानसून का नया सिस्टम बंगाल की खाड़ी में बन रहा है। अगले 48 घण्टों के दौरान बारिश की संभावना बनेगी।

स्थानीय मौसम विज्ञान केन्द्र के प्रवक्ता ने बताया कि मानसून का नया सिस्टम बंगाल की खाड़ी में बन रहा है जो अगले 48 घण्टों के बाद म.प्र. में सक्रिय हो सकता है। जिससे एक बार फिर बारिश की स्थितियां अनुकूल होंगी। पिछले 24 घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 32.00 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 4 डिग्री कम रिकार्ड किया गया। वहीं न्यूनतम तापमान 25.02 डिग्री सेल्सियस सामान्य दर्ज किया गया। हवा में नमी प्रातःकाल 86 प्रतिशत और सायंकाल 71 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.28 बजे हुआ,सूर्यास्त शाम 7.00 बजे हुआ। बंगाल की खाड़ी में हवा के कम दबाव वाला क्षेत्र बनने से अगले 46 घंटों में मानसून सक्रिय हो सकता है। फिलहाल स्थानीय बादल अगले 24 घंटों के दौरान कहीं कहीं पानी की बौछारें कर सकते हैं। मंगलवार को दिन भर बादल छाये रहे। दोपहर को हल्की बूंदाबांदी हुई। दक्षिणी पश्चिमी हवायें 4 से 5 किमी प्रतिघंटे की रफ्तार से चलीं। पिछले पिछले 24 घंटों के दौरान वर्षा 0.08 मिली मीटर वर्षा दर्ज की गई। 1 जून से अब तक कुल वर्षा 62.07 मिमी (2 इंच) दर्ज की जा चुकी है।

खड़े ट्रक से बाइक टकराई पिता की मौत, पुत्री घायल

जबलपुर। कटंगी बाईपास स्थित पांडा ढाबा के सामने गत शाम एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक की पहचान 50 वर्षीय राजेंद्र ठाकुर निवासी गोसलपुर के रूप में हुई है। वे जबलपुर से अपनी बेटी आकांक्षा के साथ घर लौट रहे थे, इस हादसे में उनकी बेटी भी घायल हुई है। पुलिस के अनुसार, शाम करीब 4:30 बजे उनकी बाइक (एमपी-20 एमएफ-7188) सड़क किनारे खड़े ट्रक से पीछे जा टकराई। टक्कर इतनी तेज थी कि राजेंद्र ठाकुर गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर एफआरबी-112 की टीम मौके पर पहुंची और उन्हें मेडिकल अस्पताल ले गई, जहां चिकित्सकों ने मृत घोषित कर दिया। प्राथमिक जानकारी के अनुसार हादसे के समय उनकी बेटी आकांक्षा भी बाइक पर सवार थी।

स्वामी शिवेन्द्रानंद के आश्रम में लहलहा रहे थे गांजे के पौधे

जबलपुर। गौरीघाट थाना अतंर्गत ललपुर में स्वामी शिवेन्द्रानंद रंगनाथन आश्रम में गांजे की खेती की जा रही थी। यहां आश्रम परिसर में लगे 4 छोटे बड़े गांजे के पौधे लगे हुए थे। पुलिस ने आश्रम में छापा मारकर गांजे के पौधे जब्त किए। नगर पुलिस अधीक्षक गोरखपुर संभाग महादेव नागोतिया ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर ललपुर नर्मदा स्थित स्वामी शिवेन्द्रानंद रंगनाथन निवासी नर्मदा पम्प हाउस ग्राम ललपुर का अपने आश्रम/निवास स्थान पर दबिश दी गई। तलाशी लेने पर आश्रम परिसर में गांजे के 4 नग छोटे बडे पौधे गमले मे लगे मिले। पौधों को मिट्टी से अलग कर तौल करने पर 778 ग्राम वजनी गांजे का पौधे होना पाये गये, जिसे जप्त करते हुये धारा 8, 20 एनडीपीएस एक्ट का अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया।

794 पाव देशी शराब जब्त

अवैध शराब के साथ आरोपी गिरफ्तार

जबलपुर। पाटन पुलिस ने अवैध शराब की तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 794 पाव देशी शराब जब्त की है। जब्त शराब की अनुमानित कीमत करीब 56 हजार रुपये बताई गई है। थाना प्रभारी गोपेंद्र सिंह ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि ग्राम कुंवरपुर निवासी 26 वर्षीय संजय उर्फ संजू लड़िया अपने घर के पीछे खुले बाड़े में भारी मात्रा में अवैध शराब बिक्री के लिए छिपाकर रखा है। सूचना पर पुलिस टीम ने दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगा, लेकिन घेराबंदी कर उसे पकड़ लिया गया। तलाशी के दौरान 16 कार्टन में रखे 794 पाव देशी शराब बरामद हुई। पुलिस ने आरोपी के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 34(2) के तहत मामला दर्ज कर कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में उपनिरीक्षक आकाशदीप साहू सहित थाना पाटन की टीम की सराहनीय भूमिका रही।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)- 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक-डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240

पाटन कोर्ट का ऐतिहासिक फैसला

कलयुगी बेटे को उम्रकैद, मां की सेवा से परेशान होकर रेत दिया था गला

जबलपुर। अपनी वृद्ध और लाचार मां की सेवा से परेशान होकर बेरहमी से उसकी हत्या करने वाले कलयुगी बेटे को जिला अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पाटन के अपर सत्र न्यायाधीश स्वयंप्रकाश दुबे की कोर्ट ने आरोपी ग्राम जरौंद निवासी राजेंद्र विश्वकर्मा को भादंवि की धारा 302 के तहत उम्रकैद और 5,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया है।

यह था मामला

अभियोजन के अनुसार, यह रूह कंपा देने वाली घटना साल 2020 की है। मृतिका मूंगा बाई बेहद वृद्ध और अशक्त थीं, जिन्हें ठीक से दिखाई भी नहीं देता था। वे बिस्तर पर ही निस्तार करती थीं, जिसकी साफ-सफाई उनका बेटा राजेंद्र करता था। इस काम में राजेंद्र की पत्नी अर्चना सहयोग नहीं करती थी, जिसे लेकर पति-पत्नी में अक्सर विवाद होता था। घटना के दिन भी दोनों के बीच भारी विवाद हुआ। रोज-रोज के इस तनाव से परेशान होकर राजेंद्र ने अपनी मां का गला रेतकर बेरहमी से हत्या कर दी। इतना ही नहीं, उसने अपनी पत्नी अर्चना पर भी जानलेवा हमला कर उसका गला काटने का प्रयास किया। वारदात के बाद जब ग्रामीण वहां पहुंचे, तो पकड़े जाने के डर और आत्मग्लानि में आरोपी राजेंद्र ने खुद का भी गला काट लिया। गंभीर हालत में पति-पत्नी को अस्पताल ले जाया गया। जाते समय आरोपी ने ग्राम कोटवार और ग्रामीणों के सामने अपना जुर्म कबूल करते हुए कहा था कि उससे बड़ी गलती हो गई है।

13 गवाहों के आधार पर मिली सजा

पाटन पुलिस ने मामले की विवेचना कर अदालत में चालान पेश किया था। न्यायालय में अभियोजन की ओर से विशेष लोक अभियोजक संदीप जैन ने पैरवी की और कोर्ट के समक्ष 13 महत्वपूर्ण गवाहों को परीक्षित कराया।कोर्ट ने वैज्ञानिक साक्ष्यों, गवाहों के बयानों और अभियोजन के तर्कों से सहमत होते हुए आरोपी राजेंद्र विश्वकर्मा को अपनी ही मां की हत्या का दोषी पाया और उसे सलाखों के पीछे भेज दिया।

कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

चरित्र पर शक और रोज के विवाद से परेशान पति ने ली पत्नी की जान

जबलपुर। पत्नी के रोज-रोज के विवाद और चरित्र पर संदेह करने से तंग आकर उसकी गला घोंटकर हत्या करने वाले बेरहम पति को अदालत ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। पाटन के अपर सत्र न्यायाधीश ओमप्रकाश रजक की कोर्ट ने आरोपी व्यास कॉलोनी, पाटन निवासी राघवेंद्र सिंह ठाकुर को धारा 302 के तहत दोषी ठहराया। कोर्ट ने उसे उम्रकैद और 2,000 रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

फांसी का रूप देने की रची थी साजिश

अभियोजन के अनुसार, अप्रैल 2024 में आरोपी राघवेंद्र ने थाने में झूठी सूचना दी थी कि उसकी पत्नी अमृता ने मानसिक बीमारी के चलते घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। वह शव को अंतिम संस्कार के लिए अपने पैतृक गांव खैरी भी ले गया था। हालांकि, मायके पक्ष की शिकायत और पुलिस की मुस्तैदी के कारण शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया, जिससे हत्या का सनसनीखेज खुलासा हुआ।पुलिस की सघन विवेचना और पूछताछ में आरोपी ने अपना जुर्म कबूल किया। आरोपी ने बताया कि वह काम के सिलसिले में देर रात घर लौटता था, जिसके कारण उसकी पत्नी उस पर शक करती थी। घटना की रात भी इसी बात पर दोनों के बीच तीखा विवाद हुआ। रोज-रोज के इस झगड़े को हमेशा के लिए खत्म करने की नियत से राघवेंद्र ने अमृता का गला दबाकर उसे मौत के घाट उतार दिया। अपराध छिपाने के लिए उसने शव को साड़ी के फंदे से लटकाने का ढोंग किया और बाद में उस साड़ी को जलाकर राख नाली में बहा दी। विशेष लोक अभियोजक द्वारा कोर्ट में 17 गवाहों को परीक्षित कराया गया। न्यायालय ने सभी साक्ष्यों और अकाट्य तर्कों के आधार पर आरोपी राघवेंद्र सिंह ठाकुर को दोषी पाते हुए सजा व जुर्माने से दंडित किया।

भोपाल के पुलिस कमिश्नर को हाई कोर्ट में हाजिर होने के निर्देश

35 साल से फरार नहीं मिला अब कठघरे में पुलिस की तलाश

रिपोर्ट में अचानक फाइबर मसाज जैसा शब्द सामने आने पर जताई नाराजगी

जबलपुर। हत्या के एक 35 साल पुराने मामले में फरार दोषी की तलाश से ज्यादा चर्चा अब पुलिस की कार्यप्रणाली की हो रही है। मप्र हाई कोर्ट के जस्टिस विवेक अग्रवाल व जस्टिस अवनींद्र कुमार सिंह की डिवीजन बेंच ने भोपाल पुलिस की कार्रवाई रिपोर्ट में गंभीर खामियां, विरोधाभासी तथ्य और रहस्यमय शब्दों के इस्तेमाल पर नाराजगी जताई। कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर को व्यक्तिगत रूप से तलब कर लिया है। कोर्ट का संकेत साफ है कि सवाल अब केवल आरोपी की गिरफ्तारी का नहीं, बल्कि न्यायिक आदेशों के पालन की जवाबदेही का भी है। मामला आरोपी नवाब सेटिंगवाला से संबंधित है। दरअसल, करीब तीन दशक से अधिक समय से लंबित हत्या प्रकरण में हाई कोर्ट की सुनवाई पुलिस तंत्र की कार्यशैली पर तीखी टिप्पणी में बदल गई। कोर्ट ने पाया कि आरोपी को तलाशने संबंधी रिपोर्टों में न तो ठोस जांच का विवरण है और न ही ऐसे प्रयासों का उल्लेख, जिनसे यह साबित हो सके कि पुलिस वास्तव में आरोपी तक पहुंचने के लिए गंभीर थी।

मामले ने तब नया मोड़ लिया जब कार्रवाई रिपोर्ट में अचानक फाइबर मसाज जैसा शब्द सामने आया। कोर्ट ने पूछा कि हत्या जैसे गंभीर मामले में इस शब्द का क्या अर्थ और औचित्य है। इसके साथ ही रिपोर्ट में आरोपी और उसके कथित भाई के पिता के नाम अलग-अलग दर्ज पाए गए, जिससे दस्तावेजों की विश्वसनीयता पर भी प्रश्नचिह्न लग गया। हाई कोर्ट ने माना कि बार-बार अवसर दिए जाने के बावजूद संतोषजनक रिपोर्ट प्रस्तुत नहीं की गई। यही कारण है कि अब भोपाल पुलिस कमिश्नर को स्वयं अदालत में उपस्थित होकर यह स्पष्ट करना होगा कि अधीनस्थ अधिकारियों ने इतनी गंभीर न्यायिक प्रक्रिया में इस स्तर की त्रुटिपूर्ण रिपोर्ट कैसे पेश कर दी।

कलेक्टर ने सुनीं आमजनों की समस्याएं, जनसुनवाई में 182 आवेदन हुए प्राप्त

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने कलेक्ट्रेट कार्यालय में मंगलवार को आयोजित जनसुनवाई में नागरिकों की समस्याएं सुनीं और संबंधित विभागों के अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। साप्ताहिक जनसुनवाई में आज नागरिकों से कुल 182 आवेदन प्राप्त हुए। इनमें 34 दोबारा आए आवेदन भी शामिल थे। जनसुनवाई में दोबारा पहुंचने वाले आवेदनों को कलेक्टर श्री सिंह ने गंभीरता से लेते हुए प्रत्येक आवेदनों पर की जा रही कार्यवाही की जानकारी संबंधित अधिकारियों से ली और जल्द ही उन आवेदनों का निपटारा कराने के निर्देश दिए। जनसुनवाई में आए मुख्य आवेदनों में सड़क दुर्घटना में मृत्यु होने के बाद सहायता राशि ना मिलना, स्वामित्व योजना में पट्टा न मिलना, प्रताड़ना व मकान कब्जा, बेदखली, राशन कार्ड बंद हो जाने, पात्रता पर्ची बनवाने, काबिज भूमि पर पट्टा देने, नक्शा सुधारने, शराब दुकान हटाने, धान का भुगतान सहित अतिक्रमण, नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, रिकॉर्ड सुधार, कब्जा, बीपीएल कार्ड, अनुकंपा नियुक्ति, छात्रवृत्ति, स्कूल में प्रवेश, टीसी प्रदाय करने, संबल योजना अंतर्गत अनुग्रह सहायता, पीएम आवास, आपसी विवाद, आर्थिक सहायता तथा भूमि डायवर्सन से संबंधित रहे। जनसुनवाई के दौरान एडीएम श्रीमती नीता राठौर और आरआर राय सहित सभी संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

रिश्वतखोर कनिष्ठ अभियंता को 4 वर्ष की सजा

जबलपुर। विशेष न्यायाधीश (लोकायुक्त) मनीष सिंह ठाकुर की अदालत ने मध्यप्रदेश पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी, जोन-2 के तत्कालीन कनिष्ठ अभियंता कमलेश कसेरा को रिश्वत लेने के मामले में दोषी ठहराते हुए भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम की धारा 7 के तहत चार वर्ष के सश्रम कारावास तथा 10 हजार रुपये के अर्थदंड की सजा सुनाई है।लोकायुक्त की ओर से विशेष लोक अभियोजक प्रशांत शुक्ला ने न्यायालय में प्रभावी पैरवी की।अभियोजन के अनुसार, फरियादी सतीश चंद्र वंशकार ने 18 फरवरी 2021 को पुलिस अधीक्षक, लोकायुक्त जबलपुर से शिकायत की थी कि 15 फरवरी 2021 को आरोपी ने उनके भाई की किराना दुकान पर विद्युत चोरी की कार्रवाई करते हुए मामला उनके पिता के नाम दर्ज किया। इसके बाद प्रकरण समाप्त करने के बदले आरोपी ने 10 हजार रुपये रिश्वत की मांग की। आरोपी ने पहले 5 हजार रुपये ले लिए और शेष राशि बाद में देने को कहा।शिकायत के सत्यापन के बाद लोकायुक्त टीम ने 22 फरवरी 2021 को कांचघर स्थित विद्युत वितरण कंपनी के कार्यालय में ट्रैप कार्रवाई की। इस दौरान आरोपी 5 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार किया गया। रिश्वत की राशि आरोपी के पर्स से बरामद हुई। आरोपी के हाथ एवं पर्स को सोडियम कार्बोनेट घोल से धुलाने पर घोल का रंग गुलाबी हो गया, जिससे रिश्वत लेने की पुष्टि हुई। साक्ष्यों एवं गवाहों के आधार पर विशेष न्यायालय ने आरोपी को दोषसिद्ध कर चार वर्ष के कारावास एवं 10 हजार रुपये के अर्थदंड से दंडित किया।

इंतजामों को सुनिश्चित करने पमरे जीएम के निर्देश

मानसून के दौरान निर्बाध रेल संचालन की तैयारी

जबलपुर। मानसून के दौरान वर्षा, आंधी-तूफान एवं बाढ़ जैसी परिस्थितियों के बीच संरक्षित एवं निर्बाध रेल संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पश्चिम मध्य रेलवे ने व्यापक स्तर पर तैयारियां पूरी कर ली हैं। रेलवे परिसंपत्तियों की सुरक्षा, यात्रियों की संरक्षा तथा रेल परिचालन को प्रभावित होने से बचाने के लिए सभी मंडलों में विशेष सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था लागू की गई है। विशेष रूप से भोपाल, जबलपुर एवं कोटा मंडल के घाट एवं संवेदनशील रेलखंडों पर विशेष सतर्कता बरती जा रही है।

पश्चिम मध्य रेल के महाप्रबंधक दिलीप कुमार सिंह ने मानसून अवधि में संरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने संबंधित विभागों के अधिकारियों को मौसम की स्थिति पर सतत निगरानी रखने, स्थानीय प्रशासन एवं आपदा प्रबंधन एजेंसियों के साथ समन्वय बनाए रखने तथा किसी भी आपात स्थिति से त्वरित रूप से निपटने के लिए पूरी तैयारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। मानसून के मद्देनजर संवेदनशील रेलखंडों का नियमित निरीक्षण किया जा रहा है। संभावित जोखिम वाले स्थलों पर चौकीदार एवं पेट्रोलमैन तैनात किए गए हैं तथा विशेष मानसून पेट्रोलिंग के माध्यम से रेलवे ट्रैक की लगातार निगरानी की जा रही है। रेलवे ट्रैक एवं यार्ड क्षेत्रों में जलभराव की स्थिति से बचाव के लिए नालियों, पुलियों एवं जल निकासी मार्गों की व्यापक सफाई कराई गई है। ट्रैक के आसपास जमा मलबा हटाकर जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाया गया है, जिससे वर्षा जल का निर्बाध प्रवाह सुनिश्चित हो सके।

खेत बचाओ अभियान के अंतर्गत इनपुट डीलर्स की बैठक संपन्न

जबलपुर। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आइसीएआर) के कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग संस्थान जबलपुर जोन द्वारा इफ्को एवं किसान कल्याण तथा कृषि विकास विभाग के सहयोग से कल “खेत बचाओ अभियान” के अंतर्गत इनपुट डीलर्स की बैठक आयोजित की गई। बैठक का उद्देश्य इनपुट डीलर्स के माध्यम से किसानों को मृदा स्वास्थ्य संरक्षण, मृदा परीक्षण आधारित संतुलित उर्वरक उपयोग, वैज्ञानिक पोषण प्रबंधन एवं वैज्ञानिक खेती के प्रति जागरूक करना था, जिससे गुणवत्तापूर्ण कृषि आदानों का समुचित उपयोग सुनिश्चित हो तथा कृषि अधिक टिकाऊ एवं लाभकारी बन सके। कृषि प्रौद्योगिकी अनुप्रयोग अनुसंधान संस्थान जबलपुर जोन के निदेशक डॉ एस आर के सिंह ने बैठक को संबोधित करते हुये कहा कि किसानों को मृदा परीक्षण आधारित संतुलित उर्वरक उपयोग अपनाना चाहिए। बिना मृदा परीक्षण के उर्वरकों का अंधाधुंध प्रयोग न केवल उत्पादन लागत बढ़ाता है, बल्कि मृदा स्वास्थ्य एवं पर्यावरण पर भी प्रतिकूल प्रभाव डालता है। उन्होंने इनपुट डीलर्स से किसानों को वैज्ञानिक सलाह प्रदान करने तथा गुणवत्तापूर्ण कृषि आदानों की उपलब्धता सुनिश्चित करने का आग्रह किया। जवाहरलाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय के निदेशक प्रसार डॉ टी आर शर्मा ने कृषि विस्तार प्रणाली में इनपुट डीलर्स को महत्वपूर्ण कड़ी बताया हैं।

350 करोड़ की टेंडर प्रक्रिया अटकी

जबलपुर सहित प्रदेश के 52 लाख विद्यार्थी यूनीफॉर्म का कर रहे इंतजार

जबलपुर। प्रदेश में शैक्षणिक सत्र 2026-27 की शुरुआत हो चुकी है। सरकारी स्कूलों में बच्चों की चहल-पहल भी लौट आई है। स्कूलों में विद्यार्थी रंग-बिरंगे गणवेश में पहुंच रहे हैं। इनमें नए प्रवेशित विद्यार्थियों की संख्या अधिक है। हालांकि इस बार भी लाखों विद्यार्थियों को निर्धारित समय पर स्कूल गणवेश नहीं मिल पाएगा।

स्कूल खुलने के बावजूद पहली से आठवीं कक्षा तक के करीब 52 लाख विद्यार्थियों को सिली-सिलाई गणवेश के लिए अक्टूबर या नवंबर तक इंतजार करना पड़ेगा। इस वर्ष शासन ने गणवेश वितरण की प्रक्रिया में बदलाव करते हुए विद्यार्थियों के खातों में राशि भेजने के बजाय सीधे सिली-सिलाई गणवेश उपलब्ध कराने का निर्णय लिया है। इसके लिए टेंडर प्रक्रिया की जिम्मेदारी मध्यप्रदेश पाठ्य पुस्तक निगम को सौंपी है। हालांकि टेंडर प्रक्रिया अभी अंतिम चरण में भी नहीं पहुंची है, जिससे गणवेश वितरण का काम प्रभावित होने की आशंका है।

जल्द पूरी होगी टेंडर प्रक्रिया

बता दें, कि दो वर्ष पूर्व भी सरकार ने विद्यार्थियों को सिली-सिलाई ड्रेस उपलब्ध कराने का निर्णय लिया था। उस समय कपड़े की गुणवत्ता और विद्यार्थियों के नाप को लेकर कई शिकायतें सामने आई थीं। इसके बाद पिछले साल 600 रुपये विद्यार्थियों के खाते में दिए गए। मप्र पाठ्यपुस्तक निगम के महाप्रबंधक संजीव त्यागी का कहना है कि टेंडर प्रक्रिया जल्द पूरी कर ली जाएगी।

टेंडर प्रक्रिया अभी तक पूरी नहीं हो पाई

मप्र पाठ्य पुस्तक निगम द्वारा गणवेश आपूर्ति के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू कर दिया गया है। वर्तमान में प्री-बिड बैठक के दौरान वेंडरों की ओर से उठाए गए दावे, आपत्तियां और तकनीकी सवालों पर चर्चा चल रही है। निगम ने इच्छुक कंपनियों से छह जुलाई तक गणवेश के नमूने और कपड़े की गुणवत्ता संबंधी लैब रिपोर्ट मांगी है। इसके बाद सात जुलाई को टेंडर खोले जाने का प्रस्ताव है।

1.40 करोड़ गणवेश तैयार करने की चुनौती

प्रदेश के लगभग 52 लाख विद्यार्थियों के लिए दो-दो सेट गणवेश सिलवाए जाने हैं। इस हिसाब से करीब 1.40 करोड़ गणवेश तैयार कर उनका वितरण किया जाएगा। टेंडर स्वीकृति, उत्पादन, सिलाई और परिवहन जैसी प्रक्रियाओं में लगने वाले समय को देखते हुए विभागीय अधिकारियों का अनुमान है कि विद्यार्थियों तक गणवेश अक्टूबर या नवंबर में ही पहुंच पाएंगे।

350 करोड़ रुपये होंगे खर्च

प्रदेश में पहली से आठवीं कक्षा तक 25 लाख 32 हजार 674 छात्र और 26 लाख 70 हजार 772 छात्राएं अध्ययनरत हैं। छात्राओं की संख्या छात्रों से 1 लाख 38 हजार 98 अधिक है। सभी विद्यार्थियों को दो सेट गणवेश उपलब्ध कराने के लिए सरकार लगभग 350 करोड़ रुपये खर्च करेगी।

कबीर सम्मान समारोह में साहित्यकारों का सम्मान, व्यंग्य संग्रह ‘कटर पिल्ला’ का हुआ लोकार्पण

जबलपुर। श्रीजानकीरमण महाविद्यालय, जबलपुर में साहित्य सहोदर द्वारा आयोजित ‘कबीर सम्मान एवं लोकार्पण समारोह’ गरिमामय वातावरण में संपन्न हुआ। समारोह में साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रतिभाशाली साहित्यकारों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण वरिष्ठ साहित्यकार सुरेश मिश्र ‘विचित्र’ के व्यंग्य संग्रह ‘कटर पिल्ला’ का लोकार्पण रहा। मुख्य अतिथि जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन रहे। वक्ताओं ने साहित्य की सामाजिक भूमिका, व्यंग्य विधा की प्रासंगिकता तथा संत कबीर की मानवता, समरसता और सामाजिक चेतना की विचारधारा पर अपने विचार व्यक्त किए। समारोह में पी.एम. एक्सीलेंस महाकौशल महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, श्रीजानकीरमण महाविद्यालय शासी निकाय के अध्यक्ष शरदचंद पालन, मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के वरिष्ठ अधिवक्ता सम्पूर्ण तिवारी, जेडीए उपाध्यक्ष प्रशांत केशरवानी, डॉ. भजनलाल महोबिया, द्वारका गुप्त ‘गुप्तेश्वर’, कैलाशचंद अवस्थी, जगतमणि चतुर्वेदी, डॉ. संध्या जैन ‘श्रुति’, रामकृष्ण परमहंस पांडे, पं. आशुतोष तिवारी, दीपक तिवारी, डॉ. विनीता पाण्डेय ‘विनीत’, डॉ. अभिजात कृष्ण त्रिपाठी, आचार्य उमाशंकर दुबे, अभिमन्यु जैन, डॉ. आनन्द सिंह राणा, डॉ. कौशल दुबे, डॉ. गंगाधर त्रिपाठी, विनोद नयन, राजेश पाठक ‘प्रवीण’, विजय तिवारी, प्रतुल श्रीवास्तव, रविन्द्र राघव, संतोष नेमा, महेश मानव, आचार्य आशुतोष दीक्षित, डॉ. बैजनाथ गौतम, डॉ. मुकुल तिवारी, डॉ. अरुणा पांडेय सहित अनेक साहित्यकार, शिक्षाविद् एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में प्रीति राठौर, डॉ. रानु रुही, माधुरी मिश्रा, संध्या अग्रवाल, कृष्णा राजपूत, प्रीति भूमिजा, अनुराधा दुबे, विनीता पैगवार, शालू पाण्डे, निरंजन द्विवेदी, डॉ. उदय भानु तिवारी, अनुराग तिवारी, गणेश पयासा एवं कालीदास ताम्रकार सहित अनेक साहित्य प्रेमियों ने सहभागिता की। समारोह का समापन साहित्य, संस्कृति और सामाजिक सरोकारों के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता के संदेश के साथ हुआ।

रोटरी क्लब एक्सीलेंस की थैंक्स गिविंग पार्टी में सेवा कार्यों की बनी कार्ययोजना

जबलपुर। रोटरी क्लब एक्सीलेंस द्वारा अध्यक्ष अशोक कुमार साहू के नेतृत्व में थैंक्स गिविंग पार्टी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में क्लब के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए आगामी सामाजिक एवं सेवा गतिविधियों की रूपरेखा पर चर्चा की। कार्यक्रम का संचालन आशीष जैन ने किया। बैठक में समाजहित से जुड़े सेवा कार्यों, क्लब की भविष्य की योजनाओं तथा जरूरतमंदों की सहायता के लिए सहयोग राशि एकत्रित करने की व्यवस्था पर विचार-विमर्श किया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि 1 जुलाई को डॉक्टर्स डे के अवसर पर रोटरी क्लब एक्सीलेंस द्वारा विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। साथ ही शीघ्र ही रक्तदान शिविर आयोजित करने का निर्णय भी लिया गया, जिससे जरूरतमंद मरीजों को समय पर रक्त उपलब्ध कराया जा सके। कार्यक्रम में आर. के. चौकसे, दीपक सोमानी, अभिषेक बादशाह, डॉ. अमित जैन (कार्डियोलॉजिस्ट), डॉ. आशीष तिवारी, आगामी सत्र के अध्यक्ष शैलेन्द्र जेठा, अभिषेक केसरवानी, अभिषेक अग्रवाल, अभिषेक ओसवाल, मयंक ठाकुर, अनिल दुबे, अमित जैन, पवन केसरवानी एवं शालिनी अग्रवाल सहित क्लब के अनेक वरिष्ठ एवं सक्रिय सदस्य उपस्थित रहे। सभी सदस्यों ने रोटरी क्लब की सेवा गतिविधियों को और अधिक प्रभावी एवं जनहितकारी बनाने के लिए मिलकर कार्य करने का संकल्प लिया।

बिजनेस साइट

मार्केट साइकिल मल्टीकैप निवेश को क्यों सही ठहराते हैं

राजा राम साहू
स्वास्तिक इन्वेस्टमेंट एंड इंश्योरेंस सर्विसेज, जबलपुर

जबलपुर। इकोनॉमिक परफॉर्मेंस, ब्याज दरें, कॉर्पोरेट नतीजे और निवेशकों का नजरिया इक्विटी मार्केट सेक्टर पर असर डालते हैं, जिससे मार्केट लीडरशिप लगातार बदलती रहती है। इसलिए, निवेश पोर्टफोलियो बनाते समय डाइवर्सिफिकेशन (विविधता) एक अहम फैक्टर बन जाता है।

ध्यान देने वाली बातें - लार्ज-कैप स्टॉक आमतौर पर उन बड़ी और स्थापित कंपनियों के होते हैं जो पहले ही खुद को सफल साबित कर चुकी हैं। ऐसे स्टॉक अनिश्चितता का बेहतर सामना करते हैं और इसलिए निवेशकों को स्थिरता देते हैं।

मिड-कैप स्टॉक आमतौर पर बढ़ते बिजनेस के मौकों और बेहतर मुनाफ़े से फायदा उठाते हैं। जैसे-जैसे इनका आकार बढ़ता है, मध्यम आकार की कंपनियां अक्सर दूसरे तरह के शेयरों से बेहतर प्रदर्शन करती हैं। स्मॉल-कैप स्टॉक उभरते हुए बिज़नेस होते हैं जिनमें विकास की बहुत संभावना होती है और जो बदलती दुनिया के हालात का फ़ायदा उठाते हैं। स्मॉल-कैप स्टॉक आमतौर पर काफी उतार-चढ़ाव वाले होते हैं; हालांकि, समय के साथ ये बहुत ज़्यादा मुनाफ़े वाले बन सकते हैं।

मार्केट की स्थितियों का फ़ायदा उठाना - यह अनुमान लगाना मुश्किल हो सकता है कि भविष्य में कौन सा इक्विटी मार्केट सेक्टर सबसे अच्छा प्रदर्शन करेगा। जो स्थितियां अभी लार्ज-कैप के पक्ष में हैं, वे भविष्य में बदल सकती हैं और मिड-कैप या स्मॉल-कैप की सफलता का कारण बन सकती हैं। ऐसे बदलावों के सही समय का अंदाज़ा लगाना बहुत मुश्किल हो सकता है।

पूरे मार्केट-कैप स्पेक्ट्रम में निवेश करके बेहतरीन पोर्टफोलियो बनाया जा सकता है। इस तरह, निवेशक किसी खास सेक्टर पर बहुत ज़्यादा निर्भर हुए बिना, कहीं भी मौजूद मौकों का फ़ायदा उठा सकते हैं।

एक संतुलित इक्विटी पोर्टफोलियो बनाना - मल्टीकैप निवेश के कॉन्सेप्ट को अपनाकर, म्यूचुअल फंड स्थिरता और विकास की संभावनाओं के मामले में अलग-अलग फ़ायदों को एक साथ लाने की कोशिश करते हैं। इस रणनीति का मकसद पूरी निवेश प्रक्रिया में संतुलन बनाना है, जिससे निवेशकों को बेहतर समाधान मिल सके। लंबे समय के निवेशक मल्टीकैप निवेश में अपनी स्थिति का फ़ायदा उठाकर मार्केट ट्रेंड में होने वाले बदलावों से लाभ उठा सकते हैं, बिना इक्विटी में व्यापक निवेश का मौका खोए। विकास के अलग-अलग स्रोतों का इस्तेमाल करके, निवेशक आखिरकार लंबे समय तक चलने वाला और टिकाऊ पोर्टफोलियो बना सकते हैं।

आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टीकैप फंड - अक्टूबर 1994 में लॉन्च किया गया आईसीआईसीआई प्रूडेंशियल मल्टीकैप फंड भारत के मल्टी-कैप सेक्टर का एक अहम हिस्सा है। यह फंड बड़े पैमाने पर काम करने की क्षमता और मज़बूती सुनिश्चित करने के लिए, लार्ज-कैप में निवेश करता है, साथ ही विकास के मौकों का फ़ायदा उठाने के लिए मिड और स्मॉल-कैप में भी निवेश करता है। स्ट्रक्चरल और साइक्लिकल, दोनों तरह के ट्रेंड को समझते हुए, पोर्टफोलियो रिटर्न को बेहतर बनाने के लिए अपने बेंचमार्क के हिसाब से निवेश के अनुपात को पूरी सक्रियता से मैनेज करता है। 30 मई 2026 तक, फंड ने शुरुआत से अब तक 15.01%, 19.67% (3 साल) और 16.51% (5 साल) तक का सीएजीआर दिया है।

शिक्षक निर्मल सोनी ने सेवानिवृत्ति पर दो छात्राओं को सौंपे 50-50 हजार रुपये के किसान विकास पत्र

शिक्षक सेवा से निवृत्त हो सकते हैं, समाज और शिक्षा से नहीं

सिहोरा। सेवा निवृत्ती के बाद भी शिक्षक की कर्त्तव्य निष्ठा, अनुशाशन,समाज के प्रति समर्पण जीवन पर्यन्त बना रहता है। शिक्षक सेवा से निवृत्त हो सकते हैं, समाज और शिक्षा से नहीं उक्त आशय के उद्गार शासकीय बस्ती शाला खितोला में पदस्थ राजभान पटेल सहायक शिक्षक की सेवा निवृत्ती पर आयोजित बिदाई समारोह में अरविंद धुर्वे बी.ई.ओ. सिहोरा ने व्यक्त किये।दीर्घ, समर्पित एवं उत्कृष्ट सेवाओं के उपलक्ष्य में अरविंद धुर्वे बी.ई.ओ. सिहोरा के मुख्य आतिथ्य,अशोक कुमार उपाध्याय प्राचार्य पंडित विष्णु दत्त उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, सिहोरा,बृजेश श्रीवास्तव बी.आर.सी सी के विशिष्ट आतिथ्य में आयोजित किया गया।शिक्षण सेवा में अमूल्य योगदान, समर्पण एवं कर्तव्यनिष्ठा के सहकर्मियों ने हृदय से आभार व्यक्त करते हुऐ स्वस्थ सुखमय जीवन की मंगलकामना की।

शिक्षक निर्मल सोनी ने सेवानिवृत्ति पर दो छात्राओं को सौंपे 50-50 हजार रुपये के किसान विकास पत्र शासकीय लालचंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खितौला में आयोजित सेवानिवृत्ति समारोह में शिक्षक निर्मल सोनी ने स्कुल में अध्ययनरत चौथी की दो छात्राएं रुचि ठाकुर,निशा कोल को 50- 50 हजार रुपये के किसान विकास पत्र सौंपकर एक अनुकरणीय कार्य किया है। विदित हो शिक्षक निर्मल सोनी शासकीय प्राथमिक शाला डाबू में पदस्थ थे और उन्होंने 44 वर्ष तक शिक्षा विभाग में अपनी सराहनीय सेवाएं दी। जिनका बिदाई समारोह शासकीय लालचंद स्कुल में सांदीपनि विद्यालय प्राचार्य अशोक उपाध्याय,बृजेश श्रीवास्तव अश्वनी उपाध्याय, विद्यालय प्राचार्य निधी दुबे की उपस्थिति में आयोजित किया गया। अतिथियों ने सेवानिवृत्त हो शिक्षक का शाल श्रीफल आदि के साथ पगड़ी पहनाकर स्वागत किया। सांदीपनि विद्यालय प्राचार्य उपाध्याय ने उनके कार्यकाल की सराहना करते हुए स्वस्थ सुखद एवं मंगलमय जीवन की शुभकामनाएं प्रेषित की। इस अवसर पर विद्यालय परिवार से शिक्षक संतोष प्यासी, दिनेश गौतम, विकास उपाध्याय, अनिल विश्वकर्मा, श्रीकांत पटेल सहित संकुल के सभी शिक्षक उपस्थित थे।

कलेक्टर ने की सीवरेज प्रोजेक्ट की समीक्षा

जबलपुर। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह ने मंगलवार को नगर निगम के सीवरेज प्रोजेक्ट की समीक्षा बैठक ली। बैठक के दौरान संबंधित अधिकारी ने 'अमृत 2.0' योजना के तहत सीवरेज प्रोजेक्ट की संशोधित परियोजना रिपोर्ट की प्रेजेंटेशन के माध्यम से विस्तृत जानकारी दी। अधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जबलपुर शहर को सीवरेज प्रबंधन के लिए छह विकेंद्रीकृत जोन में विभाजित किया गया है। उन्होंने बताया कि 7 मई को आयोजित 67वीं एसएलटीसी बैठक के निर्णयों के अनुरूप प्रोजेक्ट को संशोधित किया गया है, जिसके तहत अब संशोधित परियोजना लागत 758.74 करोड़ रुपये निर्धारित की गई है। कलेक्टर श्री सिंह ने प्रोजेक्ट के तकनीकी पहलुओं और शेष कार्यों की कार्ययोजना की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

साइबर सुरक्षा जागरूकता कार्यशाला, विद्यार्थियों को दी गई ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव की जानकारी

जबलपुर। सरस्वती इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी एवं बजाज फाइनेंस लिमिटेड के संयुक्त तत्वावधान में 29 जून को "साइबर अपराध, साइबर सुरक्षा एवं रोजगार एवं जीवन कौशल प्रेरणा" विषय पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यशाला आयोजित की गई। नेशनवाइड फ्रॉड अवेयरनेस कैंपेन के अंतर्गत आयोजित इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को साइबर अपराधों और ऑनलाइन धोखाधड़ी से बचाव के प्रति जागरूक करना था।कार्यक्रम में डीएसपी (साइबर क्राइम) अंजुल मिश्रा, बजाज फाइनेंस लिमिटेड के जुबेर खान (इंदौर), साइबर सेल निरीक्षक भावना तिवारी, पुलिस उप निरीक्षक आर. अजीत गौतम, उप निरीक्षक नीरज नेगी तथा सेवानिवृत्त डीएसपी अशोक कुमार तिवारी ने साइबर अपराधों के नए तरीकों, फिशिंग लिंक, फर्जी कॉल, ओटीपी फ्रॉड एवं ऑनलाइन वित्तीय धोखाधड़ी से बचाव के उपायों की जानकारी दी। वक्ताओं ने साइबर ठगी की स्थिति में तत्काल हेल्पलाइन 1930 पर शिकायत दर्ज कराने की सलाह भी दी। संस्थान के डायरेक्टर डॉ. आशीष नामदेव, प्राचार्या डॉ. निधि खन्ना, उप-प्राचार्या डॉ. अर्चना परांजपे एवं कंप्यूटर विभागाध्यक्ष पंकज गुप्ता ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे कार्यक्रम विद्यार्थियों में डिजिटल सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। कार्यशाला में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं ने सहभागिता की तथा साइबर सुरक्षा और करियर से जुड़े प्रश्नों के विशेषज्ञों से व्यवहारिक समाधान प्राप्त किए।

साप्ताहिक बाजार में आवारा जानवरों की धमा चौकड़ी से जनता परेशान

बरेला। प्रति मंगलवार थाने के सामने लगने वाले साप्ताहिक बाजार में आवारा जानवरों की धमा चौकड़ी निरंतर बढ़ती जा रही है जिसकी वजह से यहां पर बाजार करने आने वाले आम जन के साथ-साथ व्यापारी भी परेशान हैं। बताया जाता है कि बाजार के अंदर आवारा बैल और गाय भी बेधड़क घूमते रहते हैं ।यह आवारा जानवर आम जनता की मेहनत की कमाई से खरीदे हुए सामानों पर और सब्जी भाजी पर मुंह मार देते हैं इसकी वजह से उन्हें नुकसान उठाना पड़ता है। इसी प्रकार यहां पर साप्ताहिक बाजार में दुकान लगाने वाले व्यापारी भी इन आवारा जानवरों की धमा चौकड़ी से परेशान होते रहते हैं। तथा नुकसान उठाने को विवश होते रहते हैं। बाजार करने आए स्थानीय निवासी शंकर चौरसिया का कहना है कि साप्ताहिक बाजार में जानवरों की भरमार

रहती है यह जानवर लोगों के समान को नुकसान पहुंचाने के अलावा इंसानों को भी नुकसान पहुंचा सकते हैं किंतु नगर परिषद द्वारा साप्ताहिक बाजार में इन जानवरों के प्रवेश करने पर कोई पाबंदी नहीं लगा पा रहा है। इन आवारा जानवरों की वजह से प्रति सप्ताह आम जनों को नुकसान उठाना पड़ता है नगर परिषद केवल टैक्स वसूली पर ही ध्यान देती है उन्हें साप्ताहिक बाजार में आम जन और व्यापारियों को होने वाली समस्याओं से कोई सरोकार नहीं रहता है यही कारण है कि दिन प्रतिदिन साप्ताहिक बाजार में आवारा जानवरों की संख्या निरंतर बढ़ती जा रही है। नगर वासियों ने और व्यापारियों ने साप्ताहिक बाजार में इन आवारा जानवरों को पकड़ कर अन्यत्र जगह भेजने की मांग की है ताकि बाजार में आम आदमी सुकून से खरीदी कर सके साथ ही व्यापारी भी अपने आप को इन जानवरों से सुरक्षित महसूस कर सके।

बरेला क्षेत्र में निरंतर हो रही अपराधों की वृद्धि

बरेला। थाना अंतर्गत क्षेत्र और परिक्षेत्र में वर्तमान में अपराधों में निरंतर वृद्धि होती जा रही है। अपराधी बेखोफ होकर अपराध कर रहा है और आम आदमी अपने आप को असहाय महसूस कर रहा है। आम आदमी पीड़ित होने पर पुलिस थाना पहुंचकर शिकायत दर्ज कराता है और पुलिस प्रशासन जांच करने के नाम पर टालमटोल करता रहता है। यही कारण है कि क्षेत्र के अनेक प्रकरणों में पुलिस शासन द्वारा केवल जांच ही की जा रही है। ढूंढी निवासी लखन पटेल का आरोप है कि उनके साथ कुछ लोगों द्वारा जमीन खाली करने के नाम पर बेवजह मारपीट की गई इस संबंध में जब बरेला थाने में नाम जद शिकायत की गई किंतु उसके बावजूद भी अभी तक अपराधी पुलिस की पकड़ से बाहर हैं। इसी प्रकार नगर स्थित पीएम श्री कन्या शाला में अनेको बार चोरी हो चुकी है चोरी की शिकायत भी थाने में की जा चुकी है यदि उसके बावजूद भी अभी तक चोर पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। इसी प्रकार गतदिवस वार्ड नंबर 8 स्थित दीपेश चक्रवर्ती के घर पर छह लोगों द्वारा बमबाजी की गई थी जिस पर पुलिस द्वारा मात्र दो लोगों की गिरफ्तारी कर बाह वही बटोरी जा रही है। साप्ताहिक बाजार में चोरों का बोल वाला है हर सप्ताह कहीं किसी का मोबाइल चोरी हो रहा है तो किसी के जेब कट रहा है तो कहीं किसी की दुकान के बाहर रखा हुआ सामान गायब हो रहा है। बताया जाता है क्षेत्र में वर्तमान में जमकर शराब खोरी हो रही है गांव-गांव तथा मोहल्ले मोहल्ले शराब बिक रही है किंतु पुलिस प्रशासन कार्यवाही के नाम पर हाथ पर हाथ धरी हुए हैं। यहां पर टी आई को आए हुए लगभग एक माह होने जा रहा है किंतु इसके बावजूद भी वह मुख्यालय में नहीं रहती हैं तथा जबलपुर से अप डाउन करती हैं। कांग्रेस कमेटी नगर अध्यक्ष राम जी रैकवार ने आरोप लगाया है कि पुलिस प्रशासन केवल अवैध वसूली में ही व्यस्त रहती है उन्हें आम जनता की समस्याओं से कोई सरोकार नहीं है वर्तमान में क्षेत्र में निरंतर अपराध बढ़ते जा रहे हैं किंतु पुलिस की ढुलमुल कार्य प्रणाली से आम आदमी परेशान हैं।

उमराह के लिए जायरीन का जत्था मुंबई रवाना

जबलपुर। अल बग़दाद टूर एंड ट्रेवल्स के संस्थापक इमरान मंसूरी की अगुवाई में उमराह के लिए जायरीन का जत्था गरीबरथ एक्सप्रेस से मुंबई के लिए रवाना हुआ। मुंबई से सभी जायरीन मक्का-मदीना शरीफ पहुंचकर उमराह के अरकान अदा करेंगे। इस अवसर पर जबलपुर रेलवे स्टेशन पर फ़ख़रुद्दीन (बब्लू) मंसूरी, महमूद अहमद, मोहम्मद इमरान, मोहम्मद इकरार, मोहम्मद जावेद एवं मोहम्मद शोएब सहित अन्य लोगों ने फूल-मालाएं पहनाकर यात्रियों को भावभीनी विदाई दी तथा उनके सुरक्षित सफर और उमराह की कबूलियत के लिए दुआ की।

सर्राफा एसोसिएशन ने नवनियुक्त प्रांतीय पदाधिकारियों का किया सम्मान

बरेला। मध्य प्रदेश सर्राफा एसोसिएशन की प्रांतीय बैठक उज्जैन में आयोजित हुई, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष राजा सराफ की अनुशंसा पर बरेला के सर्राफा व्यवसायी दिनेश सोनी को संभागीय संगठन मंत्री नियुक्त किया गया। वहीं अवध बिहारी सोनी एवं अभिषेक सोनी को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया। नियुक्ति के उपलक्ष्य में बरेला सर्राफा एसोसिएशन द्वारा अध्यक्ष बृज विहारी सोनी की अध्यक्षता में नवनियुक्त पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर निक्की जैन, अखिलेश सोनी, संजय सोनी, रवि सोनी, सचिन (राजा) सोनी, अमित साहू, प्रमोद सोनी, मनीष सोनी, श्रीकांत चौकसे, आशु सोनी सहित बड़ी संख्या में सर्राफा व्यवसायी उपस्थित रहे। कार्यक्रम में श्रमजीवी पत्रकार संगठन के आशीष शुक्ला, कृष्ण कुमार साहू, रजनीश माझी एवं दीपक विश्वकर्मा की भी उपस्थिति रही। इस अवसर पर दिनेश सोनी ने संगठन द्वारा सौंपी गई जिम्मेदारी को पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा के साथ निभाने का संकल्प व्यक्त किया।

सायबर ठगी से बचने लोगों को दी गयी जानकारी

सिहोरा। निकटवर्ती ग्राम फनवानी मे मझगवाँ पुलिस द्वारा लगातार हो रही सायबर ठगी की बढ़ती घटनाऔं को रोकने के लिये नागरिकों को सुझाव दिये जिसमे बताया कि कैसे जालसाज लोगों को बातों मे फँसाकर उनकी मेहनत की गाढ़ी कमाई निकाल लेते है साथ ही बताया कि किसी अनजान काल आने पर अगर कोई लिंक भेजी जाती है तो उसे क्लिक न करें न ही बैंक खातों के बंद होने की बात कहने पर कोई कागजात की जानकारी दे नही तो आपके साथ ठगी हो सकती है मझगवाँ थाना के एसआई रघुवीर सिंह सरौते,सुमित कुमार सहित फनवानी सरपंच सुजीत कुमार कोरी,गौरी शंकर दुबे,झूमक सेन,पवन पटैल,कन्छेदी यादव सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

29 वर्षों की सेवा के बाद प्राथमिक शिक्षक किशन राजपूत को दी गई भावभीनी विदाई

पाटन। प्राथमिक शाला पोनियां के शिक्षक किशन राजपूत 29 वर्षों की शासकीय सेवा पूर्ण करने के उपरांत 30 जून 2026 को सेवानिवृत्त हुए। इस अवसर पर जन शिक्षा केंद्र, शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय बोरिया में उनके सम्मान में भावभीना विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जिला पंचायत सदस्य एवं शिक्षा समिति सदस्य ठाकुर सत्येंद्र सिंह राजपूत, ठाकुर किशोर मोहन सिंह, निलेश सिंह राजपूत, जन शिक्षा केंद्र प्रभारी, क्षेत्र के गणमान्य नागरिक, शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। वक्ताओं ने श्री किशन राजपूत की 29 वर्षों की उत्कृष्ट सेवाओं, अनुशासन और शिक्षा के प्रति समर्पण की सराहना करते हुए उनके स्वस्थ एवं सुखद जीवन की कामना की। समारोह के सफल आयोजन में जन शिक्षा केंद्र के सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं का सहयोग सराहनीय रहा। साथ ही धीरेंद्र पटेल, मुन्नू पटेल एवं केदार पटेल (सरपंच, काकरखेड़ा) के विशेष योगदान की भी सभी ने प्रशंसा की।

भोपाल ओपन ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में जबलपुर के खिलाड़ियों का शानदार प्रदर्शन, जीते 10 पदक

जबलपुर। मास्टर संघ कराटे एकेडमी के अध्यक्ष ने बताया कि 27 एवं 28 जून को भोपाल स्थित सेज यूनिवर्सिटी के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में आयोजित तृतीय भोपाल ओपन ऑल इंडिया कराटे चैंपियनशिप में एकेडमी के 11 खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 5 स्वर्ण, 2 रजत एवं 3 कांस्य सहित कुल 10 पदक अपने नाम किए।

स्वर्ण पदक विजेताओं में जिज्ञासा काछी (+16 वर्ष, काता), विकास सैनी (+16 वर्ष, काता), धैर्य ठाकुर (12-13 वर्ष, काता), रियांशी झरिया (8-9 वर्ष, फाइट) एवं अजय शंकर प्रसाद (8-9 वर्ष, फाइट) शामिल रहे।

रजत पदक आशना अग्रवाल (8-9 वर्ष, फाइट) एवं अवान हेमद (12-13 वर्ष, काता) ने जीते। वहीं कांस्य पदक जिज्ञासा काछी (+18 वर्ष, काता), उज्ज्वल चौकसे (16-17 वर्ष, काता) एवं आदर्शनी गुप्ता (12-13 वर्ष, फाइट) ने हासिल किए।

प्रतियोगिता में टीम कोच की जिम्मेदारी सेंसेई भगवान दास ने निभाई। खिलाड़ियों की इस उपलब्धि पर मास्टर संघ कराटे एकेडमी के अध्यक्ष महेंद्र सोनकर एवं सदस्यों ने सभी विजेताओं को बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

सिविक सेंटर व्यापारी संघ ने जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन का किया स्वागत

जबलपुर। सिविक सेंटर व्यापारी संघ, महावीर मार्केट द्वारा 29 जून को जबलपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) के अध्यक्ष संदीप जैन एवं उपाध्यक्ष प्रशांत केसरवानी का भव्य स्वागत एवं सम्मान किया गया।कार्यक्रम में व्यापारी संघ के अध्यक्ष प्रशांत कुमार जैन, उपाध्यक्ष बल्लू भाई एवं कार्यवाह संजय जैन के नेतृत्व में व्यापारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर अतिथियों का अभिनंदन किया। इस अवसर पर मनोज जैन, अलीम भाई, रितेश भाई, रेणु जैन, राकेश पटेल, रविंद्र सिंह, देव सिंह, राजकुमार शिवहरे, विशाल जैन, अनिल जैन, नमन, अजय मेंडेस, राकेश, जाकिर भाई, संदीप, अलीम भाई सहित बड़ी संख्या में व्यापारी उपस्थित रहे। इस दौरान जेडीए अध्यक्ष संदीप जैन ने व्यापारियों को आश्वस्त किया कि आगामी समय में सिविक सेंटर का समग्र विकास कर उसे भव्य स्वरूप प्रदान किया जाएगा। इस घोषणा पर व्यापारी संघ ने उनका आभार व्यक्त करते हुए शुभकामनाएं दीं।

संत कबीरदास जयंती पर गूंजे दोहे, आगा चौक में श्रद्धा व सामाजिक समरसता का दिया संदेश

जबलपुर। संत कबीरदास की 698वीं जयंती पर आगा चौक, गली नंबर-1 स्थित संत कबीरदास समिति द्वारा श्रद्धा एवं उल्लास के साथ भव्य समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में झरिया कल्याण समाज एवं कबीर समारोह समिति के सदस्यों ने संत कबीरदास की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित की तथा उनके प्रेरणादायक दोहों का वाचन किया।झरिया कल्याण समाज के कार्यकारी अध्यक्ष संतोष झरिया ने बताया कि बड़ी संख्या में समाजजनों ने कार्यक्रम में भाग लेकर संत कबीरदास के सामाजिक समरसता, मानवता, प्रेम और भाईचारे के संदेश को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं के बीच फल, मिठाई एवं भंडारे का वितरण भी किया गया। कार्यक्रम में उज्ज्वल पचौरी, मथुरा प्रसाद झरिया, भगवत प्रसाद झरिया, डॉ. वृंदावन झरिया, देव झरिया, हरि मेहरा, महेंद्र झरिया, कीर्ति झरिया, श्रीमती राधा झरिया, अंकित झरिया, अजय झरिया एवं ज्योत्सना खरे सहित समाज के अनेक गणमान्य नागरिक एवं बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे।

कु. रश्मि कोरी- लोबो कॉलोनी डीएससी लाइन बिलपुरा निवासी श्री मुन्ना लाल कोरी की पुत्री कु. रश्मि कोरी (28) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बृजेश चौधरी- गोरखपुर ककरैया तलैया निवासी श्री मिट्ठू लाल चौधरी के पुत्र श्री बृजेश चौधरी (35) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्रीमती रेखा कोल- शिवनगर अधारताल निवासी श्री मोहित सिंह कोल की धर्मपत्नी श्रीमती रेखा कोल (46) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती सुमित्रा बाई सोनकर- हनुमानताल थाने के सामने निवासी श्री श्याम लाल सोनकर की धर्मपत्नी श्रीमती सुमित्रा बाई सोनकर का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री मुन्ना लाल कहार- बापू नगर रांझी निवासी श्री मुन्ना लाल कहार (45) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री रतन लाल जायसवाल- ब्यौहारबाग निवासी श्री रतन लाल जायसवाल (82) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

श्री अशोक कुमार खरे- वेलकम कॉलोनी पटेल नगर महाराजपुर निवासी श्री अशोक कुमार खरे (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती गायत्री मिश्रा- शिवदर्शन अपार्टमेंट कचनार सिटी निवासी श्रीमती गायत्री मिश्रा का निधन हो गया। अंतिम संस्कार रानीताल श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती प्रभा भार्गव- नारायण नगर गुलौआ गढ़ा निवासी श्री कृष्ण कुमार भार्गव की धर्मपत्नी श्रीमती प्रभा भार्गव (80) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती लता पाठक- मुलिया बाई की धर्मशाला के पास शीतलामाई निवासी श्री राजेंद्र प्रसाद पाठक की धर्मपत्नी श्रीमती लता पाठक (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर शमशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि
निधन/शोक/उठावना, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग

खबर संक्षेप

एसआईएस 120 करोड़ रुपए तक के शेयर वापस खरीदेगी

नई दिल्ली। सुरक्षा एवं सुविधा प्रबंधन सेवाएं प्रदान करने वाली एसआईएस लिमिटेड ने अपने शेयरधारकों के लिए 120 करोड़ रुपये तक के शेयर पुनर्खरीद कार्यक्रम की घोषणा की है। वर्ष 2017 में शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद यह कंपनी का पांचवीं पुनर्खरीद होगी। कंपनी ने शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि उसके निदेशक मंडल ने सैद्धांतिक रूप से 120 करोड़ रुपये तक के शेयर वापस खरीदने के प्रस्ताव को मंजूरी दी है।

जेएफई स्टील ने जेएसडब्ल्यू जेएफई में हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्ली। इस्पात कंपनी जेएफई स्टील कॉरपोरेशन ने 7,875 करोड़ रुपये में जेएसडब्ल्यू जेएफई कलिंगा में 25 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी खरीद ली है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने सोमवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह सौदा पूरी तरह संपन्न हो गया है। इसके साथ ही जेएफई की जेएसडब्ल्यू जेएफई कलिंगा में हिस्सेदारी बढ़कर 50 प्रतिशत हो गई है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने कहा कि 30 मार्च, 2026 को उसने जानकारी दी थी कि जेएफई स्टील ने जेएफई कलिंगा स्टील लिमिटेड में निवेश के पहले चरण के तहत 7,875 करोड़ रुपये का निवेश किया था।

कोल इंडिया शोध व विकास पर 1900 करोड़ रुपए करेगी खर्च

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) खदानों की उत्पादकता बढ़ाने और

उत्सर्जन घटाने के उद्देश्य से वित्त वर्ष 2029-30 तक शोध एवं विकास (आरएंडडी) गतिविधियों पर करीब 1,900 करोड़ रुपये का निवेश करेगी। कंपनी ने मंगलवार को कहा कि इस पहल के तहत वह स्वच्छ कोयला प्रौद्योगिकियों का व्यावसायीकरण करने और बदलते ऊर्जा परिदृश्य के अनुरूप वैकल्पिक ऊर्जा क्षेत्रों की भी तलाश करेगी। बीएसई को दी सूचना के अनुसार, वित्त वर्ष 2024-25 में राष्ट्रीय कोयला एवं ऊर्जा अनुसंधान केंद्र की स्थापना के साथ उसकी आरएंडडी गतिविधियों को गति मिली है।

रुपया 14 पैसे कमजोर होकर 94.65 प्रति डॉलर

मुंबई। रुपया मंगलवार को 14 पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 94.65 (अस्थायी) पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि मासान्त अंत की आयातकों और कंपनियों की डॉलर मांग से घरेलू मुद्रा पर दबाव है और वैश्विक बाजार में जोखिम न लेने की निवेशकों की प्रवृत्ति के कारण रुपये में गिरावट आई है। हालांकि, वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में स्थिरता और केंद्रीय बैंक के संभावित हस्तक्षेप ने मुद्रा को सहारा दिया और इसकी गिरावट सीमित रही।

यूटीआई म्यूचुअल फंड ने एमसीएक्स में शेयर खरीदे

नई दिल्ली। यूटीआई म्यूचुअल फंड ने खुले बाजार सौदे के जरिये जिंस वायदा विकल्प सूचकांक मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) के करीब 15 लाख शेयर 425 करोड़ रुपये में खरीदे हैं। एनएसई के थोक सौदों के आंकड़ों के अनुसार, यूटीआई म्यूचुअल फंड (एमएफ) ने एमसीएक्स के 14,65,941 शेयर खरीदे, जो कंपनी की 0.57 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर हैं। यह सौदा सोमवार को 2,899.23 रुपये प्रति शेयर के औसत भाव पर हुआ।

भारत फिर बना दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा शेयर बाजार, अब ताइवान-कोरिया पीछे

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

दुनिया भर में जारी भारी उथल-पुथल और मंदी के माहौल के बीच भारतीय शेयर बाजार ने एक बार फिर दुनिया भर में अपनी ताकत का लोहा मनवाया है। भारतीय शेयर बाजार का कुल मार्केट कैपिटलाइजेशन 5 ट्रिलियन डॉलर यानी करीब 5,000 अरब डॉलर के पार पहुंच गया है। इसके साथ ही भारत ने ताइवान और साउथ कोरिया को पीछे छोड़कर दुनिया का पांचवां सबसे बड़ा इक्विटी मार्केट बनने का मुकाम फिर हासिल कर लिया है। भारत के शेयर बाजार का कुल मार्केट कैप अब 5 ट्रिलियन डॉलर से ज्यादा हो गया है। इसके साथ ही भारत ने एक बार फिर दुनिया के पांचवें सबसे बड़े इक्विटी मार्केट की जगह हासिल कर ली है। ताइवान का मार्केट कैप इस समय 4.97 ट्रिलियन डॉलर और साउथ कोरिया का 4.66 ट्रिलियन डॉलर है। वहीं अमेरिका और चीन के मार्केट कैप में इस दौरान ज्यादा बदलाव नहीं देखा गया।

भारतीय शेयर बाजार का मार्केट कैप 5 ट्रिलियन डॉलर के पार पहुंचा

ताइवान और साउथ कोरिया क्यों पिछड़े?

पिछले कुछ महीनों में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस यानी एआई और सेमीकंडक्टर कंपनियों के शेयरों में तेज तेजी आई थी। इसके बाद ताइवान और साउथ कोरिया के बाजार में निवेशकों ने मुनाफा वसूला, जिससे वहां बाजार की वैल्यू में गिरावट आई। इसी वजह से दोनों देशों की रैंकिंग नीचे आ गई और भारत फिर पांचवें स्थान पर पहुंच गया।

जून में भारत ने दुनिया के कई बाजारों को छोड़ा पीछे

जून के दौरान भारत के शेयर बाजार का मार्केट कैप 2.75 फीसदी बढ़ा। वहीं साउथ कोरिया में 4.7 फीसदी और ताइवान में 2.3 फीसदी की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा जापान का मार्केट कैप करीब 1 फीसदी, हांगकांग 8.3 फीसदी से ज्यादा, कनाडा 3 फीसदी, ब्रिटेन करीब 2 फीसदी, फ्रांस 1.1 फीसदी और जर्मनी 5.6 फीसदी गिर गया। यानी इस महीने भारत का बाजार दुनिया के कई बड़े बाजारों से बेहतर प्रदर्शन करने में सफल रहा।

भारतीय बाजार क्यों बना रहा मजबूत?

मार्केट एक्सपर्ट्स का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में नरमी, शेयरों की बेहतर वैल्यू और विदेशी निवेशकों की लगातार दिलचस्पी ने भारतीय बाजार को मजबूती दी है। इसके साथ ही निफ्टी का प्राइस टू अर्निंग यानी पी/ई रेशियो भी पहले करीब 24 था, जो अब घटकर करीब 18 पर आ गया है। इससे बाजार की वैल्यू पहले के मुकाबले ज्यादा आकर्षक मानी जा रही है।

जीएसटीएटी की शुरुआत पिछले वर्ष सितंबर में हुई थी

सरकार ने जीएसटीएटी में अपील दाखिल करने की समयसीमा 31 जुलाई तक बढ़ाई

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सरकार ने माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि मंगलवार को एक महीने बढ़ाकर 31 जुलाई, 2026 कर दी। जीएसटीएटी की शुरुआत पिछले वर्ष सितंबर में हुई थी। इसके बाद सरकार ने जीएसटीएटी में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि 30 जून, 2026 तय की थी।

वित्त मंत्रालय ने बयान में कहा, ''सरकार ने माल एवं सेवा कर अपीलीय न्यायाधिकरण (जीएसटीएटी) में अपील दाखिल करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 31 जुलाई, 2026 कर दी है।'' मंत्रालय ने बताया कि विभिन्न हितधारकों के अनुरोधों के बाद यह निर्णय लिया गया।

एक दिन में सर्वाधिक 5,500 अपीलें दर्ज

इन अनुरोधों में कहा गया था कि जीएसटीएटी मंच पर अत्यधिक दबाव के कारण अपील दाखिल करने में तकनीकी कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पिछले 15 दिनों में ही 30,000 अपीलें दाखिल की गईं, जबकि एक दिन में सर्वाधिक 5,500 अपीलें दर्ज की गईं।

करदाता अंतिम समय तक इंतजार न करें

मंत्रालय ने करदाताओं को सलाह दी कि वे अंतिम समय तक इंतजार न करें और समय रहते अपनी अपील दाखिल कर दें। सरकार अब तक जीएसटीएटी की 31 राज्य पीठों और दिल्ली स्थित एक प्रधान पीठ को अधिसूचित कर चुकी है।

अपील दायर करने की अंतिम तिथि एक महीने बढ़ाई

- *अपील दायर करने की अंतिम तिथि 30 जून 2026 तय की थी*
- *हितधारकों के अनुरोधों के बाद यह निर्णय लिया गया*

प्राधिकरण के पास 4.80 लाख से अधिक मामले लंबित

फिलहाल अपीलीय प्राधिकरण के समक्ष 4.80 लाख से अधिक मामले लंबित हैं और इन सभी के जीएसटीएटी में आने की उम्मीद है। सरकार ने मई 2024 में न्यायमूर्ति (सेवानिवृत्त) संजय कुमार मिश्रा को जीएसटीएटी की प्रधान पीठ का अध्यक्ष नियुक्त किया था।

व्यवस्था में सुचारू बदलाव सुनिश्चित होगा

केपीएमजी में अप्रत्यक्ष कर प्रमुख एवं साझेदार अभिषेक जैन ने कहा, '' समयसीमा बढ़ने से करदाताओं और पेशेवरों को नए जीएसटीएटी तंत्र के अनुरूप खुद को ढालने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। इससे वास्तविक अपीलें समयसीमा के कारण खारिज होने से बचेंगी और जीएसटीएटी व्यवस्था में सुचारु बदलाव सुनिश्चित होगा।''

मामलों के समाधान में देरी होती थी

एक जुलाई, 2017 को जीएसटी लागू होने के बाद करदाताओं और जीएसटी विभाग के बीच सभी विवादों का निपटारा उच्च न्यायालयों या उच्चतम न्यायालय में होता था, जिससे मामलों के समाधान में देरी होती थी। सितंबर 2025 में जीएसटीएटी का संचालन शुरू होने के बाद विवादों के निपटारे की प्रक्रिया तेज होने की उम्मीद बनी है।

सरकार का यह फैसला व्यवहारिक

एएमआरजी ग्लोबल के प्रबंध साझेदार रजत मोहन ने कहा कि सरकार का यह फैसला व्यावहारिक है और जीएसटीएटी के पूर्ण रूप से कामकाज शुरू होने तक करदाताओं के अपील करने के अधिकार की रक्षा करता है। उन्होंने कहा, ''अतिरिक्त समय से काफी राहत मिलेगी, लेकिन करदाताओं को अंतिम तिथि तक इंतजार नहीं करना चाहिए।''

सरकार ने पेट्रोरसायन आयात पर शुल्क छूट 15 जुलाई तक बढ़ाई

- *आयात पर शून्य सीमा शुल्क छूट की अवधि 15 दिन बढ़ाई गई*
- *पहले अस्थायी और लक्षित राहत 30 जून को समाप्त होने वाली थी*

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

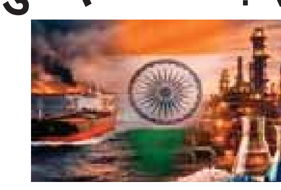

सरकार ने पश्चिम एशिया संकट के बीच आपूर्ति की निरंतरता और स्थिरता सुनिश्चित करने के लिए 40 महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात पर शून्य सीमा शुल्क छूट की अवधि 15 दिन बढ़ाकर 15 जुलाई तक कर दी है।

सरकार ने दो अप्रैल को महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन उत्पादों के आयात पर पूर्ण सीमा शुल्क छूट दी थी। यह अस्थायी और लक्षित राहत 30 जून को समाप्त होने वाली थी। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा कि दो अप्रैल को दी गई छूट का मकसद घरेलू बाज़ार में पेट्रोरसायन की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करना था, क्योंकि भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों से इस दौरान एलपीजी के उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने को कहा गया था।

बयान में कहा गया, ''स्थिति के धीरे-धीरे सामान्य होने के साथ ही प्रभावित क्षेत्रों में बदलाव को सुचारू और बिना किसी रुकावट के सुनिश्चित करने के मकसद से इस छूट को 15 दिन की और अवधि के लिए, यानी 15 जुलाई, 2026 तक बढ़ाने का निर्णय लिया गया है।'' आयात शुल्क में यह छूट मेथनॉल, एनहाइड्रस अमोनिया, टोल्यूनि, स्टाइरीन, डाइक्लोरोमीथेन (मेथिलीन क्लोराइड), विनाइल क्लोराइड मोनोमर, पॉली ब्यूटाडाइन, स्टाइरीन ब्यूटाडाइन और अनसैचुरेटेड पॉलिएस्टर रेजिन में दी गई है।

डाउनस्ट्रीम उद्योगों पर लागत दबाव कम करना

मंत्रालय ने कहा था कि इस कदम का उद्देश्य घरेलू उद्योग के लिए महत्वपूर्ण पेट्रोरसायन कच्चे माल की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना, 'डाउनस्ट्रीम' उद्योगों पर लागत का दबाव कम करना और देश में आपूर्ति की स्थिरता बनाए रखना है। पश्चिम एशिया में संघर्ष के कारण समुद्री मार्गों में व्यवधान से उर्वरक, कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के आयात को लेकर चिंताएं बढ़ गई हैं। भारत उर्वरक और पेट्रोलियम का प्रमुख आयातक है।

शेयर बाजार में लगातार दूसरे दिन गिरावट, सेंसेक्स 250 अंक टूटा

आईटी, पेट्रोलियम और बैंकिंग शेयरों में रही बिकवाली

वार्ता के अगले दौर की अनिश्चितता से निवेशक धारणा प्रभावित

एजेंसी ⏭ मुंबई

स्थानीय शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार दूसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही। सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी), पेट्रोलियम एवं गैस तथा चुनिंदा बैंकिंग शेयरों में बिकवाली के बीच अमेरिका-ईरान के बीच दोहा में होने वाली वार्ता के अगले दौर को लेकर अनिश्चितता से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स शुरुआती बढ़त गंवाते हुए 249.70 अंक यानी 0.33 प्रतिशत टूटकर 76,478.67 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 398.98 अंक यानी 0.51 प्रतिशत टूटकर 76,329.39 अंक तक आ गया था।

एनएसई निफ्टी भी 80.50 अंक यानी 0.34 प्रतिशत फिसलकर 23,865.75 अंक पर बंद हुआ। विश्लेषकों के अनुसार, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) की ताजा बिकवाली तथा प्रमुख आईटी कंपनियों के शेयरों में कमजोरी से बाजार की धारणा प्रभावित हुई। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), एचसीएल टेक, टेक महिंद्रा, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर के शेयर सबसे अधिक नुकसान में रहे।

भू-राजनीतिक चिंताएं हुई कम

जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, '' भू-राजनीतिक चिंताएं कुछ कम हुई हैं, लेकिन अमेरिका-ईरान के बीच शांति समझौते की नाजुक स्थिति निवेशकों की धारणा पर असर डाल रही है जिससे बाजार को स्पष्ट दिशा नहीं मिल पा रही।'' उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों का प्रदर्शन मिला-जुला रहा, लेकिन आईटी क्षेत्र सबसे अधिक दबाव में रहा।

एशियाई बाजार में रहा मिलाजुला रुख

एशियाई बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी, जापान का निक्की 225 और चीन का शंघाई एसएसई कम्पोजिट बढ़त में रहे जबकि हांगकांग का हैंग सेंग नुकसान के साथ बंद हुआ। यूरोप के प्रमुख बाजारों में दोपहर के कारोबार में तेजी का रुख रहा।अमेरिकी बाजार सोमवार को बढ़त के साथ बंद हुए थे।

प्रिज्म ने आईपीओ के लिए दस्तावेज किए दाखिल

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

आतिथ्य क्षेत्र की प्रौद्योगिकी कंपनी प्रिज्म ने 6,650 करोड़ रुपये के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए बाजार नियामक सेबी के समक्ष संशोधित मसौदा दस्तावेज दाखिल किए हैं। यह आईपीओ पूरी तरह नए शेयर के निर्गम पर आधारित होगा और इसमें बिक्री पेशकश (ओएफएस) का कोई प्रावधान नहीं है। प्रिज्म, आतिथ्य क्षेत्र से जुड़े ऑनलाइन मंच ओयो की मूल कंपनी है। कंपनी के प्रस्तावित आईपीओ में बिक्री पेशकश का कोई प्रावधान नहीं होने का मतलब है कि सॉफ्टबैंक की एसवीएफ इंडिया होल्डिंग्स, संस्थापक रितेश अग्रवाल, आरए हॉस्पिटैलिटी होल्डिंग्स, माइक्रोसॉफ्ट, एयरबीएनबी, खजानाह, लाइटस्पीड, ग्रीनओक्स कैपिटल और पीक एक्सवी सहित मौजूदा शेयरधारक आईपीओ के जरिये अपनी हिस्सेदारी नहीं बेचेंगे।

ब्याज दरों में लगातार नौवीं तिमाही में कोई बदलाव नहीं

लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में फिर कोई बदलाव नहीं

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

सरकार ने मंगलवार को सार्वजनिक भविष्य निधि (पीपीएफ) और नेशनल सेविंग्स सर्टिफिकेट (एनएससी) जैसी विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरों में कोई बदलाव नहीं किया है। एक जुलाई, 2026 से शुरू होने वाली चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही के लिए दरों को यथावत रखा गया है।

यह लगातार नौवीं तिमाही है जब इन दरों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वित्त मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, /"वित्त वर्ष 2026-27 की दूसरी तिमाही (एक जुलाई 2026 से 30 सितंबर 2026 तक) के लिए विभिन्न लघु बचत योजनाओं पर ब्याज दरें वही रहेंगी, जो चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही के लिए अधिसूचित की गई थीं। अधिसूचना के मुताबिक, सुकन्या समृद्धि योजना के तहत जमा पर 8.2 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलता रहेगा, जबकि तीन साल की सावधि जमा पर ब्याज दर 7.1 प्रतिशत पर बरकरार रखी गई है। लोकप्रिय बचत योजना पीपीएफ पर ब्याज दर 7.1 प्रतिशत और डाकघर बचत जमा योजना पर दर चार प्रतिशत पर ही स्थिर रहेगी।

किसान विकास पत्र 115 महीनों में होगा परिपक्व

'किसान विकास पत्र' (केवीपी) पर ब्याज दर 7.5 प्रतिशत होगी और इसमें किया गया निवेश 115 महीनों में परिपक्व होगा। वहीं, राष्ट्रीय बचत प्रमाणपत्र (एनएससी) पर जुलाई-सितंबर तिमाही के लिए ब्याज दर 7.7 प्रतिशत पर बनी रहेगी। पहली तिमाही की तरह ही, डाकघर की मासिक आय योजना के निवेशकों को दूसरी तिमाही में भी 7.4 प्रतिशत की दर से ब्याज मिलेगा।

लघु बचत योजनाओं में वर्ष 2023-24 में हुआ था बदलाव

मुख्य रूप से डाकघरों और बैंकों द्वारा संचालित इन लघु बचत योजनाओं की ब्याज दरों में सरकार ने आखिरी बार वित्त वर्ष 2023-24 की चौथी तिमाही में कुछ बदलाव किया था, जिसके बाद से ये दरें लगातार नौवीं बार स्थिर रखी गई हैं।

सोना 800 रुपए हुआ सस्ता, चांदी 6,000 महंगी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

घरेलू बाजार में कम मांग के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 800 रुपये घटकर 1.45 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सराफा संघ के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार के 1,46,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के बंद भाव से 800 रुपये घटकर 1,45,800 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई। हालांकि, चांदी में जोरदार वापसी हुई और लगातार चार सत्रों की गिरावट का सिलसिला टूट गया।

घरेलू बाजार में सोना दबाव में रहा

विश्लेषकों का कहना है कि घरेलू बाजार में सोना दबाव में रहा, जबकि हालिया गिरावट के बाद चांदी में कम कीमत पर लिवाली देखी गई। अंतरराष्ट्रीय बाजार में, हाजिर सोना मामूली बढ़त के साथ 4,021.15 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था। जबकि चांदी लगभग एक प्रतिशत बढ़कर 58.81 डॉलर प्रति औंस पर पहुंच गई।

सरकार ने दो साधारण बीमा लाइसेंस स्वीकृत किए : इरडा

- *सरकार के 100 प्रतिशत एफडीआई की अनुमति के बाद दिया लाइसेंस*

एजेंसी ⏭ मुंबई

बीमा नियामक एवं विकास प्राधिकरण (इरडा) के चेयरमैन अजय सेठ ने मंगलवार को कहा कि केंद्र सरकार द्वारा बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीआई) की अनुमति दिए जाने के बाद साधारण बीमा क्षेत्र में 100 प्रतिशत विदेशी स्वामित्व से जुड़े दो प्रस्तावों को मंजूरी दी है।

यहां जीवन बीमा परिषद की बीमा जागरूकता समिति द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि लंबे समय से प्रतीक्षित बीमा सुगम मंच को सितंबर के अंत तक शुरू कर दिया जाएगा। सेठ ने प्रस्तावों का विवरण साझा किए बगैर कहा कि एफडीआई के प्रस्तावों में से एक को सोमवार को मंजूरी दी गई। सेठ ने कहा कि साधारण बीमा क्षेत्र में बेहतर कारोबारी संभावनाओं के कारण विदेशी निवेशकों की रुचि बढ़ी है। इसके साथ ही जीवन बीमा क्षेत्र में भी विदेशी निवेशकों की दिलचस्पी दिखाई दे रही है। हाल ही में एक विदेशी कंपनी ने भारत में महत्वपूर्ण हिस्सेदारी के साथ कारोबार शुरू करने की इच्छा जताई है।

विदेशी निवेशक भी हिस्सेदारी बढ़ाना चाहत है

इरडा के चेयरमैन ने बताया कि भारत की स्थानीय कंपनियों के साथ संयुक्त उद्यम चला रहे कुछ मौजूदा विदेशी निवेशक भी अपनी हिस्सेदारी बढ़ाना चाहते हैं। ऐसे एक प्रस्ताव को मंजूरी दी जा चुकी है, जबकि एक अन्य प्रस्ताव अभी इरडा के पास विचाराधीन है।

एपीएसईजेड 1.4 अरब डॉलर में खरीदेगी टीआईएल

विझिंजम बंदरगाह में 49% हिस्सेदारी खरीदेगी अदाणी

एजेंसी ⏭ नई दिल्ली

अदाणी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकॉनमिक जोन लिमिटेड (एपीएसईजेड) और मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी (एमएससी) समूह की टर्मिनल इकाई टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (टीआईएल) ने मंगलवार को एक पक्के समझौते की घोषणा की। इसके तहत टीआईएल अदाणी विझिंजम पोर्ट प्राइवेट लिमिटेड (एवीपीपीएल) में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगी। इस सौदे का कुल मूल्य 1.4 अरब डॉलर है। मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी (एमएससी) यह हिस्सेदारी अपनी अनुषंगी कंपनी टर्मिनल इन्वेस्टमेंट लिमिटेड (टीआईएल) के माध्यम से खरीदेगी।

बंदरगाह की मौजूदा क्षमता 16 लाख टीईयू

इसके तहत एमएससी समूह अपनी कंटेनर टर्मिनल संचालन एवं निवेश इकाई टीआईएल के माध्यम से विझिंजम बंदरगाह की रियायतधारी कंपनी एवीपीपीएल में 49 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदेगा। विझिंजम बंदरगाह की मौजूदा क्षमता 16 लाख टीईयू (बीस-फुट समतुल्य इकाई) है। इसका विस्तार किया जा रहा है जिससे इसकी क्षमता दिसंबर, 2028 तक 3.5 गुना होकर 57 लाख टीईयू हो जाएगी।

मेडिटेरेनियन शिपिंग कंपनी की है टीआईएल

अब तक का सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निजी निवेश

समझौते के तहत टीआईएल 1.39 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक का निवेश करेगी, जो 2.85 अरब अमेरिकी डॉलर के कुल सौदे मूल्य में उसकी 49 प्रतिशत हिस्सेदारी के बराबर है। एपीएसईजेड ने बयान में कहा कि यह रणनीतिक साझेदारी भारत के बंदरगाह अवसंरचना क्षेत्र में अब तक का सबसे बड़ा प्रत्यक्ष विदेशी निजी निवेश है।

20 लाख टीईयू माल संभालने वाला देश का पहला बंदरगाह

एपीएसईजेड के पूर्णकालिक निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) अश्विनी गुप्ता ने कहा, '' विझिंजम बंदरगाह एक प्रमुख 'ट्रांसशिपमेंट केंद्र' के रूप में उभरा है और अभूतपूर्व गति से विकसित हुआ है। संचालन शुरू होने के केवल 18 महीने के भीतर 20 लाख टीईयू का माल संभालने वाला यह भारत का पहला बंदरगाह बन गया है।''

टीआईएल दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर टर्मिनल में से एक

सीईओ ने कहा, '' टीआईएल दुनिया के सबसे बड़े कंटेनर टर्मिनल परिचालकों में से एक है। यह एमएससी समूह का हिस्सा है, जिसके पास पांच महाद्वीपों में 100 से अधिक कंटेनर टर्मिनल हैं और जो सालाना सात करोड़ टीईयू से अधिक माल संभालता है।'' यह बंदरगाह यूरोप, फारस की खाड़ी और सुदूर पूर्व को जोड़ने वाले पूर्व-पश्चिम समुद्री मार्ग से लगभग 10 समुद्री मील की दूरी पर रणनीतिक रूप से स्थित है।

चिंतन

मानसून राहत के साथ चुनौती भी

उत्तर भारत में मानसून ने आखिरकार रफ्तार पकड़ ली है। भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे करोड़ों लोगों के लिए यह राहत का संदेश है, लेकिन हर बार की तरह इस बार भी मानसून अपने साथ खुशियां और संकट दोनों लेकर आया है। बंगाल की खाड़ी से जम्मू-कश्मीर तक फैली करीब 1,500 किलोमीटर लंबी मानसून ट्रफ इस बात का संकेत है कि इस बार मानसून की गति कुछ दिनों तक धीमी रही, जिससे कई राज्यों में तापमान 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर पहुंच गया। अब एक साथ भारी बारिश की संभावना मौसम की चरम घटनाओं की ओर इशारा करती हैं। आने वाले दिनों में उत्तर भारत में व्यापक बारिश होगी। यह बारिश खेतों के लिए अमृत साबित हो सकती है, लेकिन यदि तैयारी अधूरी रही तो यही पानी बाढ़, जलभराव और जनहानि का कारण भी बन सकता है। भारत में मानसून केवल मौसम का बदलाव नहीं, बल्कि अर्थव्यवस्था की धुरी है। देश की लगभग 42 प्रतिशत आबादी प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से कृषि पर निर्भर है और 60 प्रतिशत से अधिक कृषि भूमि आज भी वर्षा आधारित है। समय पर और संतुलित मानसून किसानों के लिए बेहतर उत्पादन, ग्रामीण अर्थव्यवस्था में मजबूती और खाद्यान्न की पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित करता है। अच्छी फसल का सीधा असर महंगाई पर पड़ता है। मानसून जल सुरक्षा का भी सबसे बड़ा आधार है। वर्षा का पानी नदियों, झीलों, तालाबों और भूजल स्त्रोतों को पुनर्जीवित करता है। जलविद्युत परियोजनाओं को ऊर्जा उत्पादन के लिए पर्याप्त पानी मिलता है और पूरे वर्ष पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित होती है। मानसून का दूसरा चेहरा भी उतना ही कठोर है। असम और अरुणाचल प्रदेश में बाढ़, हिमाचल प्रदेश में फ्लैश फ्लड, उत्तर प्रदेश में पेड़ गिरने से हुई मौतें और मुंबई जैसे महानगरों में जलभराव यह बताते हैं कि भारत आज भी मानसून का पूरी तरह सामना करने के लिए तैयार नहीं है। हर वर्ष एक जैसी घटनाएं दोहराई जाती हैं, लेकिन समाधान स्थायी नहीं बन पाते। शहरों में नालों की सफाई समय पर नहीं होती, अतिक्रमण के कारण प्राकृतिक जल निकासी बाधित रहती है और थोड़ी सी तेज बारिश भी पूरे शहरी तंत्र को ठप कर देती है। कृषि क्षेत्र में भी चुनौतियां कम नहीं हैं। यदि मानसून कमजोर पड़ जाए या बारिश का वितरण असमान हो तो खरीफ फसलों की बुवाई प्रभावित होती है। अल नीनो जैसी वैश्विक मौसमी घटनाएं कई बार सूखे की स्थिति पैदा कर देती हैं, जिससे उत्पादन घटता है और महंगाई बढ़ती है। मानसून के दौरान स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ जाते हैं। दूषित पानी से डायरिया, टाइफाइड और पीलिया जैसी बीमारियां फैलती हैं। निर्माण कार्य प्रभावित होते हैं, सड़कें टूटती हैं, यातायात बाधित होता है और उद्योगों की उत्पादन क्षमता पर भी असर पड़ता है। यानी मानसून का प्रभाव केवल खेतों तक सीमित नहीं, बल्कि देश की संपूर्ण आर्थिक गतिविधियों पर पड़ता है। ऐसे में किसानों और आमजन को भी वर्षा जल को संरक्षित करना होगा। शहरी क्षेत्रों में आधुनिक ड्रेनेज सिस्टम विकसित करने होंगे। आपदा प्रबंधन तंत्र को केवल राहत कार्य तक सीमित न रखकर पूर्व तैयारी पर अधिक ध्यान देना होगा। मानसून प्रकृति का सबसे बड़ा उपहार है, लेकिन यह तभी वरदान बन सकता है जब उसकी प्रत्येक बूंद का सम्मान किया जाए। यदि वर्षा जल संरक्षण, वैज्ञानिक जल प्रबंधन, मजबूत शहरी अवसंरचना और प्रभावी आपदा प्रबंधन को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाया जाए, तो मानसून केवल मौसम नहीं, बल्कि भारत के सतत विकास की सबसे बड़ी ताकत बन सकता है।

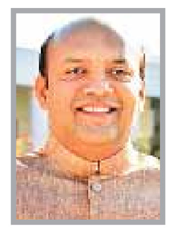

पुनर्जागरण
प्रणय कुमार

भारत केवल नाम नहीं, सभ्यतागत पहचान

> न्यास से जुड़े भारतीय भाषा मंच ने देशभर के विश्वविद्यालयों, शिक्षाविदों और नीति-निर्माताओं के समक्ष निरंतर यह प्रश्न रखा कि किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र की वास्तविक पहचान उसके अपने नाम से होती है। वस्तुतः भारत केवल एक भौगोलिक सीमा या राजनीतिक व्यवस्था का नाम नहीं है। वह एक प्राचीन सभ्यता, जीवंत संस्कृति और निरंतर प्रवाहित राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। हजारों वर्षों की ज्ञान-परंपरा, दर्शन, अध्यात्म, साहित्य, विज्ञान, लोकजीवन, संघर्ष और आत्मबल ने उसकी पहचान निर्मित की है। इंडिया' से 'भारत' की यह यात्रा किसी शब्द-परिवर्तन का अभियान नहीं, बल्कि स्वत्व, स्वाभिमान, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और सभ्यतागत पुनर्जागरण की पुनर्प्रतिष्ठा है।

देश के अनेक विश्वविद्यालयों द्वारा विद्यार्थियों की उपाधियों, अंकपत्रों, पत्राचार, निमंत्रण-पत्रों, साइन-बोर्डों तथा अन्य आधिकारिक अभिलेखों में 'इंडिया' के स्थान पर 'भारत' लिखने का निर्णय केवल एक प्रशासनिक परिवर्तन नहीं है। यह भारत की सांस्कृतिक चेतना, ऐतिहासिक स्मृति और राष्ट्रीय स्वाभिमान के पुनर्जागरण का उद्घोष है। यह परिवर्तन उस वैचारिक मंथन का परिणाम है, जो लंबे समय से शिक्षा, संस्कृति और राष्ट्रीय अस्मिता के प्रश्न पर देशभर में चल रहा है।

हाल ही में मध्य प्रदेश के देवी अहिल्या विश्वविद्यालय, इंदौर, रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर तथा गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर ने अपने सभी आधिकारिक दस्तावेजों में 'इंडिया' के स्थान पर 'भारत' लिखने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय, ग्वालियर की कार्यपरिषद ने भी अपने आधिकारिक अभिलेखों में 'भारत' लिखने का प्रस्ताव पारित किया। 'शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास' के अनुसार मध्य प्रदेश, राजस्थान, हरियाणा, छत्तीसगढ़, गुजरात तथा महाराष्ट्र के कम-से-कम सत्रह विश्वविद्यालयों एवं शैक्षणिक संस्थानों ने इस दिशा में औपचारिक संकल्प पारित किए हैं। स्पष्ट है कि यह अब किसी एक विश्वविद्यालय का निर्णय नहीं, बल्कि राष्ट्रीय चेतना से प्रेरित एक व्यापक शैक्षिक अभियान का स्वरूप ग्रहण कर रहा है। इन निर्णयों के पीछे शैक्षिक क्षेत्र में सक्रिय 'शिक्षा संस्कृति उत्थान न्यास' की वर्षों की सतत वैचारिक साधना और संवाद की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। न्यास से जुड़े भारतीय भाषा मंच ने देशभर के विश्वविद्यालयों, शिक्षाविदों और नीति-निर्माताओं के समक्ष निरंतर यह प्रश्न रखा कि किसी भी स्वतंत्र राष्ट्र की वास्तविक पहचान उसके अपने नाम से होती है। वस्तुतः भारत केवल एक भौगोलिक सीमा या राजनीतिक व्यवस्था का नाम नहीं है। वह एक प्राचीन सभ्यता, जीवंत संस्कृति और निरंतर प्रवाहित राष्ट्रीय चेतना का प्रतीक है। हजारों वर्षों की ज्ञान-परंपरा, दर्शन, अध्यात्म, साहित्य, विज्ञान, लोकजीवन, संघर्ष और आत्मबल ने उसकी पहचान निर्मित की है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि हर भाषा की अपनी प्रकृति, परंपरा और सांस्कृतिक स्मृति होती है। शब्द केवल ध्वनियां नहीं होते; वे इतिहास, भाव, मूल्य, अर्थ और पहचान के वाहक होते हैं। इसी कारण किसी व्यक्ति, स्थान अथवा राष्ट्र की संज्ञा का सामान्यतः अनुवाद नहीं किया जाता। नाम केवल संबोधन नहीं होता, बल्कि अस्तित्व और अस्मिता का प्रतीक होता है। भाषा की इसी संवेदनशीलता की उपेक्षा के कारण अंग्रेज़ीकरण की प्रवृत्ति ने अनेक विकृतियां उत्पन्न की हैं। राम का 'रामा', कृष्ण का 'कृष्णा', शिव का 'शिवा' और तनुज का 'तनुजा' आदि कर देने से केवल उच्चारण ही नहीं बदलता, बल्कि कई बार शब्द का अर्थ और लिंग भी परिवर्तित हो जाता है। यदि व्यक्तियों के नामों के साथ ऐसा परिवर्तन स्वीकार्य नहीं हो सकता, तो करोड़ों लोगों की सभ्यतागत पहचान वाले राष्ट्र के नाम के साथ यह असावधानी कैसे स्वीकार की जा सकती है?

'भारत' कोई सामान्य शब्द नहीं, बल्कि हमारी सभ्यता का स्वनाम है। इसकी जड़ें हमारी प्राचीन सांस्कृतिक परंपरा में हैं। ऋग्वैदिक साहित्य, महाभारत, विष्णु पुराण

तथा अनेक प्राचीन ग्रंथों में 'भारत' और भारतवर्ष' का उल्लेख मिलता है। भारतीय परंपरा के अनुसार इस राष्ट्र का नामकरण चक्रवर्ती सम्राट महाराज भरत के नाम पर हुआ। इसके विपरीत 'इंडिया' एक बाह्य नाम है, जिसकी उत्पत्ति सिंधु (इंडस) के विदेशी उच्चारण से हुई और जिसे औपनिवेशिक शासन ने आधिकारिक रूप से स्थापित किया। विश्व के अनेक देशों ने स्वतंत्रता प्राप्त करने के बाद अपने मूल नामों और सांस्कृतिक प्रतीकों को पुनः प्रतिष्ठित किया। पड़ोस के देश सीलोन ने श्रीलंका व बर्मा ने म्यांमार कहे जाने में गर्व की अनुभूति की। वस्तुतः प्रत्येक स्वाभिमानी राष्ट्र अपने स्वनाम को अपनी सांस्कृतिक पहचान का आधार मानता है। ऐसे में भारत द्वारा अपने वास्तविक नाम 'भारत' को प्रतिष्ठित करने का आग्रह न तो असामान्य है और न ही अभूतपूर्व; यह प्रत्येक स्वतंत्र राष्ट्र का स्वाभाविक अधिकार है। यह भी उल्लेखनीय है कि संविधान सभा में 'भारत' नाम को लेकर गंभीर और सार्थक चर्चा हुई थी।

अनेक सदस्यों ने आग्रह किया था कि संविधान में राष्ट्र का मूल नाम 'भारत' ही होना चाहिए। यद्यपि तत्कालीन ऐतिहासिक परिस्थितियों में अनुच्छेद 1 में 'इंडिया दैट इज भारत' का स्वरूप स्वीकार किया गया, तथापि संविधान सभा की बहस यह स्पष्ट करती है कि 'भारत' केवल एक भाषाई विकल्प नहीं, बल्कि राष्ट्रीय अस्मिता का प्रश्न था। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक डॉ. मोहन भागवत ने अनेक अवसरों पर कहा है कि 'भारत' एक विशिष्ट संज्ञा है, उसका अनुवाद नहीं किया जा सकता। जैनाचार्य विद्यासागर महाराज भी निरंतर यह प्रश्न उठाते रहे कि जब मद्रास का चेन्नई, कलकत्ता का कोलकाता, बॉम्बे का मुंबई, गुरुगांव का गुरुग्राम हो सकता है, तो 'इंडिया' का 'भारत' क्यों नहीं? उनके अनुसार यह केवल नाम परिवर्तन का नहीं, बल्कि मानसिक दासता से मुक्ति का प्रश्न है।

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान भी जनमानस की वाणी 'भारत' ही थी। 'भारत माता की जय', 'वन्दे मातरम्' और 'जय हिन्द' जैसे उद्घोष राष्ट्रीय चेतना के प्रतीक बने। प्रश्न है कि कोई यदि 'इंडिया माता की जय' कहे तो क्या उससे वही भाव प्रकट होगा जो 'भारत माता की जय' से होता है? इससे स्पष्ट है कि राष्ट्र की आत्मा सदैव 'भारत' नाम से ही स्वयं को अभिव्यक्त करती रही है। हाल के वर्षों में भी राष्ट्रीय जीवन में 'भारत' के प्रयोग की प्रवृत्ति निरंतर बढ़ी है। जी-20 शिखर सम्मेलन के निमंत्रण-पत्रों में 'प्रेसिडेंट ऑफ भारत' का प्रयोग हो अथवा अनेक सरकारी दस्तावेजों और संस्थानों द्वारा 'भारत सरकार' तथा 'भारत' शब्द को प्राथमिकता देना, ये सभी संकेत इस बात के द्योतक हैं कि देश की सांस्कृतिक चेतना अपने वास्तविक नाम की ओर स्वाभाविक रूप से लौट रही है। शिक्षा केवल ज्ञानार्जन का माध्यम नहीं होती; वह राष्ट्रीय चेतना का निर्माण भी करती है। जब किसी विद्यार्थी को मिलने वाली उपाधि, अंकपत्र या प्रमाण-पत्र पर 'भारत' अंकित होगा, तो वह केवल एक शब्द नहीं पढ़ेगा, बल्कि अपनी सभ्यता, संस्कृति और राष्ट्रीय पहचान का भी बोध करेगा। आवश्यकता इस बात की है कि विश्वविद्यालयों द्वारा आरंभ किए गए इस ऐतिहासिक अभियान का अनुसरण अन्य शैक्षणिक संस्थान, विश्वविद्यालय, राज्य सरकारें और केंद्र सरकार भी करें।

निष्कर्षतः कहा जा सकता है कि भारत केवल हमारे देश का नाम नहीं है; वह हमारी सभ्यता की स्मृति, संस्कृति की चेतना, इतिहास की निरंतरता और राष्ट्रीय आत्मा का स्वर है। इसलिए 'इंडिया' से 'भारत' की यह यात्रा किसी शब्द-परिवर्तन का अभियान नहीं, बल्कि स्वत्व, स्वाभिमान, सांस्कृतिक आत्मविश्वास और सभ्यतागत पुनर्जागरण की पुनर्प्रतिष्ठा है।

(लेखक शिक्षाविद एवं स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

लेख पर अपनी प्रतिक्रिया **haribhoomi@gmail.com** पर दे सकते हैं।

दिवस विशेष

कृष्ण प्रताप सिंह

आज 'थैंक्यू , डॉक्टर साहब!' कहिए तो याद कीजिए...

आज नेशनल डॉक्टर्स डे है यानी राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस। मरीजों के प्राण व स्वास्थ्य की रक्षा के प्रयत्नों में डॉक्टरों द्वारा प्रदर्शित समर्पण के लिए उनका सम्मान करने, उनके प्रति कृतज्ञता जताने और उन्हें धन्यवाद देने का दिन, जो 'भारतरत्न' से सम्मानित अपने वक्त के देश के महान चिकित्सक, स्वतंत्रता सेनानी और बारह से ज्यादा वर्ष तक पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री रहे डॉ. बिधानचंद्र रॉय की स्मृति में मनाया जाता है। दरअसल, यह दिन डॉ. बिधानचंद्र रॉय की जयंती भी है और पुण्यतिथि भी। 1882 में एक जुलाई को पटना के बांकीपुर में एक बंगाली कायस्थ परिवार में उनका जन्म हुआ था तो 1962 में एक जुलाई को ही निधन भी हुआ-उनके 80वें जन्मदिन पर। बहरहाल, राजनेता के रूप में काम करते हुए भी उन्होंने चिकित्सक के रूप में अपने दायित्वों के प्रति समर्पण में कोई कमी नहीं आने दी, जिसके चलते दूरदर्शी संस्था-निर्माता के रूप में सामने आये और आधुनिक भारतीय स्वास्थ्य सेवा व चिकित्सा शिक्षा के जनक माने जाने लगे।

उन्होंने कलकत्ता में चित्तरंजन सेवा सदन, चित्तरंजन कैंसर अस्पताल, विक्टोरिया इंस्टीट्यूशन और जादवपुर टी.बी. अस्पताल जैसे प्रमुख चिकित्सा संस्थानों की स्थापना में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। साथ ही देश में चिकित्सा शिक्षा और पेशेवर मानकों के नियमन के लिए 1939 में भारतीय चिकित्सा परिषद की स्थापना की और उसके पहले अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। 1928 में देश के डॉक्टरों को एक मंच पर लाने के लिए भारतीय चिकित्सा संघ (इंडियन मेडिकल एसोसिएशन) के गठन में भी उनका बहुत बड़ा योगदान था। पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री बने तो राज्य में स्वास्थ्य केंद्रों, प्रसूति केंद्रों, और कुष्ठ रोग क्लीनिकों का अभूतपूर्व विस्तार किया। मुख्यमंत्री के तौर पर अपनी अनेकानेक व्यस्तताओं के बावजूद, वे प्रतिदिन दो घंटे गरीब मरीजों को मुफ्त चिकित्सा सहायता और दवाइयां देते थे। इसलिए एक जुलाई को, जो उनकी जयंती भी है और पुण्यतिथि भी, नेशनल डॉक्टर्स डे के रूप में मनाया और इस दिन उत्कृष्ट डॉक्टरों को सम्मानित किया जाने लगा। समय के साथ इस अवसर पर देश की पहली डिग्रीधारी महिला चिकित्सक आनंदीबाई गोपालराव जोशी और उनके संघर्षों को भी याद किया जाने लगा। 1885 में पुणे (महाराष्ट्र) की आनंदीबाई गोपालराव जोशी ने डॉक्टर बनने का संकल्प लिया तो उन्हें गुलामी के साथ पितृसत्ता की जाई नाना प्रकार की रूढ़ियों, संकीर्णताओं और परम्पराओं वगैरह का भारी भरकम बोझ भी उठाना पड़ा था। उन्होंने इंच-इंच संघर्ष कर सबको शिकस्त दी और देश की पहली डिग्रीधारी महिला डॉक्टर बनकर रहीं। अपने भीतर की मां को सदमे से उबारकर इस दृढ़ संकल्प तक पहुंचाया कि वे चिकित्सा विज्ञान पढ़कर डॉक्टर बनेंगी और अपने देखते किसी भी अन्य मां की गोद इस तरह सूनी नहीं होने देंगी। उन्होंने इस बाबत अपने पति गोपाल राव को बताया तो उन्होंने उसे पूरा करने में हर कदम पर उनका साथ देने का वचन दिया और उसे निभाया भी। उनका माता-पिता का दिया नाम यमुना था, जो विवाह के बाद एक परम्परा के तहत बदल दिया गया था और ससुराल वाले उन्हें आनंदीबाई कहकर पुकारने लगे थे। बाद में परम्परा के अनुसार अभिलेखों में उनके नाम के साथ पति का नाम जोड़ दिया गया तो उनका नाम आनंदीबाई गोपाल राव जोशी हो गया। अमेरिका में डॉक्टरी की पढ़ाई पूरी करके वे स्वदेश लौटीं तो कोल्हापुर रियासत द्वारा संचालित अल्बर्ट एडवर्ड अस्पताल के महिला वार्ड में प्रभारी चिकित्सक नियुक्त हुईं। लेकिन नियति ने इस मोड़ पर भी उनका ट्रेजेडी से सामना कराना ही तय कर रखा था। पद भार संभालने के कुछ ही दिनों बाद वे तपेदिक (टीबी) की शिकार हो गईं, जो उन दिनों तक सर्वथा लाइलाज बीमारी मानी जाती थी। अंततः 26 फरवरी, 1887 को महज 22 साल की उम्र में इस असाध्य बीमारी ने उनकी जान ले ली और जिस तरह उनकी गोद सूनी हुई थी, उस तरह किसी और मां की गोद सूनी न होने देने का उनका सपना सपना ही रह गया। उनके वक्त में मुम्बई की उनकी जैसी ही बाल-विवाह पीड़िता रखमाबाई राउत (22 नवम्बर, 1864 - 25 सितम्बर,1955) ने नाना विघ्न बाधाओं के बीच लंदन स्कूल ऑफ मेडिसिन फॉर वीमेन से स्नातक की पढ़ाई पूरी कर एमडी करनी चाही तो पाया कि वह संस्थान महिलाओं को एमडी ही नहीं करवाता। इसके चलते उन्हें ब्रसेल्स जाकर एमडी करनी पड़ी, जिसके बाद वे भारत की पहली महिला एमडी और पहली प्रैक्टिस करने वाली डॉक्टर बनीं। मुंबई के भीकाजी कामा अस्पताल में शुरुआती सेवाएं देने के बाद वे सूरत चली गईं और साढ़े तीन दशकों तक खुद को

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

मुंह के मौन से ज़्यादा ज़रूरी 'मन का मौन'

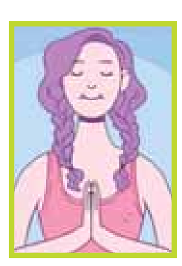

संकलित
दर्शन

हम सभी मनुष्य जन्मते ही अपना मुख चलाना शुरू कर देते हैं, जिसका प्रमाण है जन्म लेते ही शिशु का रोना। बोलना हमारी स्वाभाविक क्रिया है, जो हमें करनी ही पड़ती है। यह बात और है कि कभी-कभी बाहर के शोर में हम इतने खो जाते हैं कि ईश्वर का स्वर हमें सुनाई ही नहीं पड़ता। इसीलिए ही महापुरुषों से हमें एक उत्तम राय मिलती है कि सप्ताह में या माह में एक दिन अवश्य मौन रहें, परंतु हम मुख को तो बंद कर लेते हैं, परंतु हमारे मन का बोलना बंद नहीं हो पाता। इसलिए ही तो अधिकतर डाक्टर सभी मरीजों को कहते हैं कि 'अपने मन को ज्यादा नहीं चलाओ।' अर्थात 'मन का मौन' करो। कहते हैं कि बिना हड्डी की जीभ जब बोलने लगती है, तो कइयों की हड्डियां तोड़ देती है। इसीलिए तो हमें यह बचपन से सिखाया जाता है कि पहले सोचो फिर बोलो, क्योंकि जैसे कमान से निकला हुआ तीर वापस नहीं आता, ठीक उसी तरह मुख से निकला हुआ वचन भी वापस नहीं लिया जा सकता। इसका सबसे श्रेष्ठ उदहारण है महाभारत की कथा, जिससे हमें यह सीख मिलती है कि कैसे एक जुबान के फिसलने से संकटकाल का निर्माण हो गया। इसीलिए 'कम बोलें-धीरे बोलें-मीठा बोलें।' हम जब भी कुछ बोलें तो हमारे वचन दूसरों के लिए सुखदायी हों, न कि कांटा चुभाने वाले दुखदायी। संसार में ऐसे अनेक लोग हैं जिन्होंने कटु वचन बोलने के संस्कार के कारण अपने संबंधों में खटास पैदा कर ली है। इसलिए हमें सदैव सही समय और सही जगह पर सही शब्द का प्रयोग करना चाहिए।

धन कमाने के साथ भक्ति भी करें

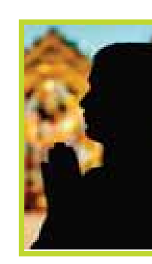

संकलित
प्रेरणा

एक दिन कबीरदास अपना काम कर रहे थे। काम करते समय वे भगवान का ध्यान भी कर लेते थे। पूरे दिन कबीरदास ऐसा ही करते थे। एक व्यक्ति उन्हें कई दिनों से देख रहा था। उसने कबीरदास से पूछा कि आप भक्त हैं, लेकिन आपको अलग से भक्ति करते हुए मैंने नहीं देखा। कबीर दास जी ने उस व्यक्ति की बात सुनी और कहा कि इस प्रश्न का उत्तर मैं दूंगा, लेकिन अभी तुम मेरे साथ चलो। हम थोड़ा घूम आते हैं। रास्ते में उन्हें एक महिला दिखाई दी। वह महिला पानी भरकर लौट रही थी। उसके सिर पर पानी से भरा मटका रखा था और वह अपनी मस्ती में गीत गाते हुए जा रही थी। उस महिला ने मटके को पकड़ा भी नहीं था। उसके सिर पर मटका स्थिर था और उसका पानी भी नहीं छलक रहा था। कबीर दास जी ने उस व्यक्ति से कहा कि ये महिला पानी लेकर जा रही है। सिर पर मटका रखा है, लेकिन उसने मटके पकड़ा भी नहीं है और गीत गाते हुए जा रही है। इसका ध्यान अपने मटके पर है, गाने पर भी है और रास्ते पर भी है। कबीर जी ने उस व्यक्ति को आगे समझाया कि इस महिला की तरह ही मैं भी काम करते-करते भगवान का ध्यान कर लेता हूं, भक्ति कर लेता हूं। दुनियादारी के काम करते हुए भी मेरा मन भगवान की भक्ति में ही लगा रहता है। मैं ये काम भी कर लेता हूं और भक्ति भी कर लेता हूं। ठीक इसी तरह जीवन में संतुलन बहुत जरूरी है। हमें धन भी कमाना चाहिए और भक्ति भी करते रहना चाहिए।

अंतर्मन

आज की पाती

कैसे साबित करें कि हम भारतीय हैं

आज के दिन भारतीयों के पास कोई ऐसा प्रमाण या प्रमाणपत्र नहीं है जिससे वो अपना भारतीय होना साबित करें। क्या यह अफसोस और शर्म की बात नहीं है। मैं 81 वर्ष पहले यहां पैदा हुआ, दो-तीन पीढ़ियां गुजर गईं और आज हमें कहा जा रहा है कि साबित करो तुम भारतीय हो। नागरिकता प्रमाणपत्र सबको नहीं मिलता, शायद उनको दिया जाता है जो यहां के पैदाइशी नहीं हैं या जो नागरिकता के लिए आवेदन करते हैं। अगर पासपोर्ट, आधार कार्ड, राशन कार्ड और पैन कार्ड आदि नागरिकता प्रमाणपत्र नहीं हैं, तो नागरिकता कैसे साबित करें। हाल में अदालत ने अपने फैसले में पासपोर्ट को नागरिकता का प्रमाणपत्र नहीं माना। इसके बाद से नागरिकता प्रमाणपत्र को लेकर बहस छिड़ गई है।

- विनोद पाराशर, रोहतक

ट्रेंड

आत्मनिर्भर भारत

उद्योगों के लिए पारदर्शी नीतियों, 'ईज़ ऑफ़ डूइंग बिज़नेस' और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर के ज़रिए हमारी सरकार मज़बूत औद्योगिक इकोसिस्टम बना रही है। 'आत्मनिर्भर भारत' का मतलब है ऐसा भारत जो आत्मविश्वास के साथ अपने पैरों पर खड़ा हो।

- **राजनाथ सिंह**, रक्षा मंत्री

आयुष्मान आरोग्य मंदिर

1.5 अरब लोगों की आबादी के लिए, हमने 1.86 लाख आयुष्मान आरोग्य मंदिर बनाए हैं, जिससे प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा के लिए मज़बूत आधार तैयार हुआ है। यहां हमने स्क्रीनिंग और बीमारी का जल्द पता लगाने वाली सेवाएँ शुरू की हैं।

- **जेपी नड्डा**, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री

शिक्षा-परीक्षा प्रणाली

शिक्षा अच्छी होगी, परीक्षाएं निष्पक्ष होंगी, तो तरक्की पक्की होगी। शिक्षा के कारण हिंदुस्तानी पहचान और इंसानियत खतरे में है। हम सकारात्मक शिक्षा लाएंगे और 'भाई-राष्ट्र' बनाएंगे। 'शिक्षा-परीक्षा प्रणाली' में बदलाव देश का भविष्य संवारेगा।

- **अखिलेश यादव, सांसद, सपा**

युवा खिलाड़ी

आयरलैंड ने हमें बुरी तरह हरा दिया। आईपीएल में 237 के स्ट्राइक रेट से 776 रन बनाने वाले खिलाड़ी को बेंच पर बिठाना बेवकूफी है। कल अभिषेक शर्मा और वैभव से ओपनिंग करवाओ! इन युवा खिलाड़ियों को अपना जलवा दिखाने दो।

- **सुनील गावस्कर**, पूर्व भारतीय क्रिकेटर

करंट अफेयर

एआई से बने चेहरों को पहचानना अब पहले जितना आसान नहीं

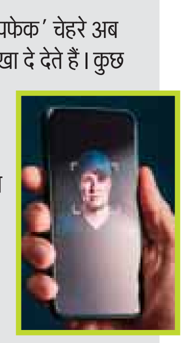

कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) की मदद से तैयार किए गए 'डीपफेक' चेहरे अब इतने वास्तविक दिखने लगे हैं कि वे अक्सर लोगों को धोखा दे देते हैं। कुछ शोध के अनुसार, 2027 तक डीपफेक से जुड़ी धोखाधड़ी का वार्षिक मूल्य 40 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंच सकता है। ज्यादातर लोगों के लिए एआई से बने चेहरों को पहचानना मुश्किल होता है। 2023 में हमें पता चला था कि कुछ एआई-निर्मित चेहरे इतने 'हाइपर-रियल' होते हैं कि वे वास्तविक इंसानी चेहरों से भी अधिक असली प्रतीत होते हैं। हमने यह भी पाया कि लोग अक्सर यह मानने में जरूरत से ज्यादा आत्मविश्वास दिखाते हैं कि वे एआई चेहरों की पहचान कर सकते हैं, जबकि सबसे अधिक आत्मविश्वासी लोग ही सबसे ज्यादा गलतियां करते हैं। डीपफेक का पता लगाने वाले सॉफ्टवेयर मौजूद तो हैं लेकिन वे यह नहीं बता पाते कि उन्होंने कैसे पता लगाया और उनमें कुछ बड़ी कमियां भी हैं। कुछ को तो बस तस्वीर का प्रारूप बदलकर जैसे पीएनजी से जेपीजी में बदलकर आसानी से धोखा दिया जा सकता है। हालांकि, यह भी सामने आया है कि अधिकतर लोग लगभग एक घंटे के अभ्यास से एआई-निर्मित चेहरों की पहचान करना सीख सकते हैं।

ऑफ बीट

तंत्रिका तंत्र को प्रभावित करता है विटामिन बी6

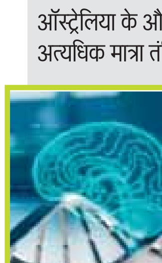

ऑस्ट्रेलिया के औषधि नियामक ने दावा किया है कि विटामिन बी6 की अत्यधिक मात्रा तंत्रिकाओं को क्षति पहुंचाने सहित ऐसे कई घातक दुष्प्रभाव उत्पन्न कर सकती है जो हमारी सोच से कहीं अधिक होंगे। ऑस्ट्रेलिया की दवा नियामक संस्था 'थेरेप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन' (टीजीए) ने यह दावा किया है। इस सप्ताह के शुरु में एबीसी की एक रिपोर्ट में बताया गया कि टीजीए के एक प्रवक्ता के मुताबिक, विटामिन बी6 के दुष्प्रभावों की गंभीरता का अब तक शायद कमतर ही आकलन किया गया था। बहरहाल, सुरक्षा संबंधी चिंताओं के मद्देनजर, विटामिन बी6 की उच्च मात्रा वाले सप्लीमेंट की बिक्री पर प्रतिबंध लगाने के प्रस्ताव पर विचार किया जा रहा है। देशभर में लोगों के रक्त के नमूनों में विटामिन बी6 की जांच करने वाले एक पैथोलॉजिस्ट ने बताया कि मई में की गई जांच में लगभग 4 .5 प्रतिशत नमूनों में ऐसे संकेत मिले जो तंत्रिकाओं को नुकसान की संभावना की ओर इशारा करते हैं। विटामिन बी6 को पायरीडॉक्सीन भी कहा जाता है। यह शरीर में प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट और वसा के चयापचय में अहम भूमिका निभाता है। यह मस्तिष्क में न्यूरोट्रांस्मीटर के उत्पादन, प्रतिरक्षा प्रणाली के समर्थन और हीमोग्लोबिन उत्पादन में भी सहायक होता है।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

इक्का का ट्रेलर रिलीज, सनी की दहाड़ से गूंजा कोर्ट रूम, अक्षय ने उड़ाए होश

मुंबई। फाइनली सनी देओल और अक्षय खन्ना की मच अवेटेड फिल्म 'इक्का' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में जबरदस्त सस्पेंस और ट्विस्ट होंगे, जिनकी झलक ट्रेलर में देखने को मिली है। अक्षय खन्ना का लुक और अंदाज एकदम 'धुरंधर' के रहमान डकैत की याद दिला रहा है, पर उनके किरदार में कई लेयर्स हैं। 'इक्का' से सनी देओल ओटीटी पर डेब्यू कर रहे हैं और इसमें वकील अर्जुन मेहरा का किरदार निभा रहे हैं। फिल्म 'इक्का' के ट्रेलर की शुरुआत कोर्ट रूम सीन से होती है, जहां सनी देओल पूछते हैं- आप कोर्ट को बताएंगे कि उस रात क्या हुआ था? फिर अक्षय खन्ना की एंट्री होती है, जो मशहूर इंडस्ट्रियलिस्ट हर्षवर्धन गौर के बेटे शौर्यमान के किरदार में हैं। उन पर एक लड़की की हत्या की कोशिश का आरोप लगता है।

लाइफ Style

निहारिका

प्रियंका समेत कई सेलेब्स संग आईं नजर

एजेंसी ▶▶ मुंबई

अभिनेता राघव जुयाल ने निहारिका एनएम के साथ कुछ रोमांटिक तस्वीरें साझा कीं, इसके बाद से ही इनके लिंकअप की अफवाहें उड़ने लगीं। लेकिन, अब इन अफवाहों पर विराम भी लग चुका है। दोनों के बीच कोई अफेयर नहीं है।

यह एक फिल्म 'भाई तेरा स्टार है'में साथ नजर आएंगे। इसके लिए ही रोमांटिक तस्वीरों को साझा किया था। लेकिन, इस चर्चा के बीच फैंस जानना चाहते हैं कि निहारिका एनएम कौन हैं? निहारिका एनएम एक कंटेंट क्रिएटर हैं। इंस्टाग्राम पर उनके लगभग 3 मिलियन से अधिक फॉलोअर्स हैं। वहीं, बाकी प्लेटफॉर्म भी इतने ही लोग उन्हें फॉलो करते हैं। वह सोशल मीडिया पर फिल्मी और फनी किस्म के वीडियो बनाती हैं। अपनी जबरदस्त सोशल मीडिया फॉलोइंग की वजह से वह बॉलीवुड स्टार्स के साथ भी नजर आ चुकी हैं। आमिर खान, प्रियंका चोपड़ा, रणबीर कपूर, महेश बाबू, यश, शुभमन गिल जैसे कई सेलेब्स उनके साथ वीडियो में नजर आ चुके हैं, अपनी फिल्मों का प्रचार कर चुके हैं। साथ ही वह हॉलीवुड स्टार्स के इंटरव्यू भी कर चुकी हैं। इसमें टॉम क्रूज से लेकर जॉन लीजेंड जैसे एक्टर्स भी शामिल हैं। जल्द ही निहारिका एनएम राघव जुयाल के साथ फिल्म 'भाई तेरा स्टार है' में नजर आएंगी। लेकिन इससे पहले ही वह साउथ सिनेमा में डेब्यू कर चुकी हैं। पिछले साल एक फिल्म 'मित्र मंडली' में वह नजर आईं। इसमें उनका लीड रोल था।निहारिका ने अपने नाम कई अवॉड्र्स भी किए, जो उन्हें कंटेंट क्रिएशन के लिए मिले हैं।

हॉलीवुड मसाला

एवरेस्ट विजेता नोर्गे पर बनेगी फिल्म

लॉस एंजिल्स। माउंट एवरेस्ट पर पहली बार फतह हासिल करने वाले महान पर्वतारोही तेनजिंग नोर्गे की जिंदगी पर एक फिल्म बनने जा रही है, जिसका नाम 'तेनजिंग' होगा। इस बायोपिक ड्रामा फिल्म में टॉम हिडलस्टन और गेंडन फुंट्सोक मुख्य भूमिका निभाएंगे। इस फिल्म को को एप्पल टीवी द्वारा तैयार किया जा रहा है। इस फिल्म का निर्देशन ऑस्ट्रेलियाई फिल्म निर्माता जेनिफर पीडम करेंगे। फिल्म का लेखक ल्यूक डेविस करेंगे। यह फिल्म 29 मई 1953 की उस ऐतिहासिक घटना पर आधारित है, जब शेरपा तेनजिंग नोर्गे और न्यूजीलैंड के एडमंड हिलेरी ने पहली बार माउंट एवरेस्ट की चोटी पर कदम रखा था।

यौन उत्पीड़न के आरोपों से बरी हुए ओ योंग-सु

लॉस एंजिल्स। वेब सीरीज 'स्क्विड गेम' में ओल्ड मैन और प्लेयर नंबर 001 का किरदार निभाने वाले अभिनेता ओ योंग-सु पर साल 2022 में यौन उत्पीड़न के आरोप लगे थे। इस मामले पर दक्षिण कोरिया की सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में अपना फैसला सुनाया है। कोर्ट ने अभिनेता पर चल रहे मुकदमे का तीन साल बाद अंत कर दिया गया। कोर्ट ने निचली अदालत में ओ योंग-सु को बरी करने के फैसले को सही ठहराया है। 82 वर्षीय एक्टर पर 2017 में एक महिला द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए थे। महिला की शिकायत के अनुसार एक्टर ओ योंग-सु ने एक रीजनल थिएटर टूर के दौरान बिना उनकी इजाजत लिए उन्हें गले लगाया। महिला का कहना था कि एक्टर यहीं नहीं रुके और उन्होंने महिला के गाल पर किस भी किया था।

फिल्म रिफ्यूजी की मनाई 26वीं सालगिरह

मुंबई। करीना कपूर ने मंगलवार को अपनी पहली फिल्म 'रिफ्यूजी' के 26 साल पूरे होना का जश्न मनाया। इस खुशी में करीना ने सोशल मीडिया पर अपने सह-कलाकार अभिषेक बच्चन के साथ कई तस्वीरें भी साझा की हैं। पुरानी यादों को ताजा करते हए करीना ने फिल्म 'रिफ्यूजी' से जुड़ी तीन तस्वीरें इंस्टाग्राम स्टोरी पर शेयर की हैं। पहली तस्वीर में वह अपने हीरो अभिषेक बच्चन के साथ गले मिलती नजर आ रही हैं। दूसरी तस्वीर में उनका एक क्लोज-अप शॉट है, जिसमें उन्होंने भूरे रंग की शॉल ओढ़ी हुई है। इसके अलावा तीसरी तस्वीर में करीना एक काले रंग के बुर्के में नजर आ रही हैं। करीना ने इन तस्वीरों के साथ कोई लंबा मैसेज नहीं लिखा, बल्कि सिर्फ एक लाल दिल वाला इमोजी बनाकर अपना प्यार जताया है। फिल्म 'रिफ्यूजी' 30 जून 2000 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी।

एलवीसी63 में कई तरह के लुक्स में दिखेंगे

मुंबई। फिल्म 'एसवीसी63' में मशहूर मेकअप और प्रोस्थेटिक डिजाइनर प्रीतिशील सिंह को सलमान खान के लिए एक खास लुक तैयार करने के लिए चुना गया है। यह फिल्म वामसी पैदिपल्ली के निर्देशन और दिल राजू के प्रोडक्शन में बन रही है। दिल राजू ने बताया कि सलमान फिल्म की शूटिंग का भरपूर आनंद ले रहे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि फिल्म में सुपरस्टार कई तरह के लुक्स में नजर आएंगे। उन्होंने कहा, 'सलमान सेट पर खूब मजा कर रहे हैं, उनके कई अलग-अलग लुक्स होंगे। फिल्म में भरपूर हीरोइज्म और 'वाउ फैक्टर' होगा।' 'धुरंधर' फिल्म के एक्शन स्टार इस फिल्म में भी काम कर रहे हैं। कोरियन एक्शन टीम को 'मिस्टर ओह' के नाम से मशहूर सी यंग ओह लीड कर रहे हैं। उन्होंने 'धुरंधर' और 'किल एंड वॉर' जैसी फिल्मों पर काम किया है।

टीवी मसाला

अब होगा हिसाब सीजन 2 का धमाकेदार ट्रेलर रिलीज

नई दिल्ली। 'अब होगा हिसाब' सीरीज की जबरदस्त सफलता के बाद मेकर्स ने अब इसका दूसरा सीजन अनाउंस कर दिया है। साथ ही दूसरे सीजन का ट्रेलर भी रिलीज कर दिया है। 18 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन एमएक्स प्लेयर पर रिलीज हुई 'अब होगा हिसाब' ने दर्शकों के बीच अपनी दमदार कहानी और बेहतरीन परफॉर्मेंस के कारण खास जगह बनाई। दर्शकों के जबरदस्त प्यार को देखते हुए अब इस सीरीज के दूसरा सीजन का ऐलान कर दिया गया है। 'अब होगा हिसाब' का दूसरा सीजन 3 जुलाई को प्रीमियर किया जाएगा। संजय कपूर और शहीर शेख के अलावा 'अब होगा हिसाब सीजन 2' में मौनी रॉय, अविनाश मिश्रा, निमृत कौर अहलूवालिया, हरमन सिंघा और आशीमा वर्धान जैसे शानदार कलाकार हैं। 'अब होगा हिसाब 2' की कहानी की गहराई, बढ़ता हुआ रोमांच और कई ऐसे चौंकाने वाले मोड़ देखने को मिलेंगे, जो दर्शकों को अपनी सीट से बांधे रखेंगे। 'अब होगा हिसाब' के दूसरे सीजन का ट्रेलर वहीं से शुरू होता है, जहां पहला सीजन खत्म हुआ था। शहीर शेख द्वारा निभाया गया बॉबी का किरदार अब सिर्फ एक ही मकसद में लगा हुआ है, अपने भाई बंटी को ढूंढना और सच्चाई सामने लाना। इसके लिए वह किसी भी हद तक जाने को तैयार है। उसकी तलाश उसे संजय कपूर द्वारा निभाए गए गोल्डी के किककी दुनिया तक ले जाती है, जो सबसे प्रभावशाली और सतर्क लोगों में से एक है। लेकिन गोल्डी तक पहुंचना इतना आसान नहीं है।

माइकल की बायोपिक ओटीटी पर रिलीज

मुंबई। थिएटर में जबरदस्त कामयाबी के बाद, माइकल जैक्सन की बायोपिक 'माइकल' अब ओटीटी पर आ गई है। यह इस साल की सबसे

बड़ी ग्लोबल हिट फिल्मों में से एक रही। अगर आपने यह फिल्म नहीं देखी है, तो आसानी से घर बैठकर देख सकते हैं। इस बायोपिक से आपको माइकल जैक्सन की जिंदगी को और करीब से जानने का मौका मिलेगा। 'माइकल' को आप ओटीटी प्लेटफॉर्म अमेजन प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं। यह इस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर स्ट्रीम होना शुरू हो गई है। इंग्लिश के अलावा हिंदी में भी देख सकते हैं। इस फिल्म में माइकल जैक्सन का किरदार उनके भतीजे जाफर ने निभाया है। लुक्स और हाव-भाव में वह बिल्कुल चाचा माइकल जैक्सन जैसे लगते हैं। 'माइकल' की कमाई की बात करें , तो यह दुनियाभर में अब तक की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली बायोपिक बन गई है। इसने दुनिया भर में $977 मिलियन की कमाई यानी ₹9,050.23 करोड़ कमाए हैं।

उन्हें इसमें दिलचस्पी थी कि गाएगी- नाचेगी

बारिश में भीगेगी, अपनी बोल्ड इमेज पर जीनत ने तोड़ी चुप्पी

नई दिल्ली। जीनत अमान ने अपनी बोल्ड इमेज पर चुप्पी तोड़ते हुए कहा कि फिल्ममेकर्स उनके क्रिएटिव इनपुट के बजाय उनके लुक्स में ज्यादा दिलचस्पी रखते थे। जीनत ने अपने यूट्यूब चैनल पर शुभ्रा अयप्पा के साथ एक इंटरव्यू में कहा, 'मुझे हमेशा लगा कि मेरे बारे में जो दिखाया जाता था और मैं असल में जैसी थी, उन दोनों में बहुत फर्क था। बोल्ड अभिनेत्री का ठप्पा मुझ पर बहुत लंबे समय तक लगा रहा। जब लोग मुझसे मिलते थे, तो उन्हें एहसास होता था कि मैं असल में उन किरदारों जैसी बिल्कुल नहीं थी जिन्हें मैंने निभाया था।

ग्लोबल ट्रेंड्स ने स्टाइल पर असर डाला : जीनत ने अपने फैशन सेंस और इस बारे में भी बात की कि कैसे अमेरिका से भारत लौटने के बाद ग्लोबल ट्रेंड्स ने उनके स्टाइल पर असर डाला। उन्होंने कहा कि कॉस्ट्यूम डिजाइन का काम अक्सर भानु अथैया जैसे मशहूर डिजाइनरों के साथ मिलकर किया जाता था। हालांकि, उन्होंने बताया कि अक्सर उनके अपने सुझाव फिल्ममेकर्स की चाहत के मुकाबले ज्यादा संयमित होते थे। जीनत अमान ने इंडस्ट्री में असमान वेतन के मुद्दे पर भी बात की और कहा कि इस अंतर की वजह पितृसत्तात्मक व्यवस्था में छिपी है।

लीड एक्ट्रेस थी, पर मेरी नहीं चलती थी

जीनत अमान ने दौर में इंडस्ट्री में काम करने के बारे में बात करते हुए बताया कि सेट पर ज्यादातर पुरुषों का ही बोलबाला होता था। अपने हेयरड्रेसर के अलावा, अक्सर वही एकमात्र महिला होती थीं। लीड एक्ट्रेस होने के बावजूद उन्होंने कहा कि अपने किरदारों को गढ़ने या उन्हें दिखाने के तरीके में उनकी बहुत कम चलती थी, क्योंकि ध्यान ज्यादातर उनके लुक पर ही रहता था। जीनत अमान के मुताबिक, किसी को भी मेरे दिमागी काम में कोई दिलचस्पी नहीं थी। उन्हें तो बस इसमें दिलचस्पी थी कि ये गाएगी,, नाचेगी, दो डायलॉग बोलेगी, बारिश में भीगेगी।

खुशी से झूमीं कंगना पूरी की क्वीन-2 की शूटिंग

मुंबई। कंगना रनौत अपनी हाल ही में रिलीज हुई फिल्म 'भारत भाग्य विधाता' को लेकर चर्चा में हैं। यह फिल्म बॉक्स ऑफिस पर बहुत अच्छा नहीं कर सकी। इस बीच उनकी अपकमिंग फिल्म 'क्वीन 2' को लेकर नई अपडेट आई है। खबर है कि कंगना ने अपनी मशहूर फिल्म 'क्वीन' के बहुप्रतीक्षित सीक्वल 'क्वीन 2' की शूटिंग पूरी कर ली है। एक्टर-फिल्ममेकर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर यह जानकारी दी। उन्होंने कास्ट और क्रू के साथ शूटिंग खत्म होने का जश्न मनाते हुए एक फोटो शेयर की। फोटो में रनौत को फिल्म की टीम के साथ देखा गया। शूटिंग पूरी होने के साथ ही, यह प्रोजेक्ट अब पोस्ट-प्रोडक्शन स्टेज में है। 'क्वीन 2' में कंगना रनौत के मशहूर किरदार 'रानी' की वापसी हो रही है। दर्शकों ने फिल्म 'क्वीन' को काफी प्यार दिया था। 2014 में रिलीज हुई ओरिजिनल 'क्वीन' का निर्देशन विकास बहल ने किया था और इसे समीक्षकों से खूब तारीफ मिली थी। फिल्म में कंगना रनौत ने रानी मेहरा का किरदार निभाया था। रानी दिल्ली की एक ऐसी लड़की थी, जिसे हमेशा घर की चारदीवारी में रखा गया था। जब उसका मंगेतर (राजकुमार राव) शादी तोड़ देता है, तो वह अकेले ही हनीमून पर निकल पड़ती है। यूरोप की अपनी यात्रा के दौरान, रानी का आत्मविश्वास बढ़ता है, वह आजादी को अपनाती है।

किशोर कुमार ने लगाई थी गजब ट्रिक, आज भी है हिट

54 साल पुराना गीत, जिसे खाली चाय के कप के साथ किया रिकॉर्ड

नई दिल्ली। *किशोर कुमार भारतीय म्यूजिक इंडस्ट्री के एक ऐसे कोहिनूर रहे, जिसकी चमक कभी फीकी नहीं पड़ेगी। वह सुरों के ऐसे बादशाह रहे, जिन्होंने तरानों में योडलिंग को एक रूप में पेश किया और महारात हासिल की। उन्होंने हजारों सुपरहिट गाने दिए और अपनी जादुई आवाज से कई एक्टर्स को सुपरस्टार बनाया। किशोर कुमार का गाना गाने और रिकॉर्ड करने का स्टाइल भी एकदम अलहदा था। उनका मानना था कि गाने सिर्फ गाए नहीं जाते, बल्कि उन्हें जीया जाता है। तभी तो कभी वह किसी गाने को खाली चाय के कप के साथ गाते, तो किसी गाने को नाक के पास माचिस की डिब्बी रखकर। लेकिन यहां 'संडे सिनेमा' में आपको एक ऐसे गाने के बारे में बता रहे हैं, जिसे किशोर कुमार ने ठोड़ी पर दोनों हाथ रखे और सामने चाय का खाली कप रखकर गाया था। गाना इतना ब्लॉकबस्टर बना कि 54 साल बाद भी यह कानों में मिश्री घोल देता है और खूब हिट है। बात साल 1972 की है। तब बासु चटर्जी 'पिया का घर' नाम से एक फिल्म बना रहे थे। इस फिल्म का म्यूजिक लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने दिया था और आनंद बख्शी ने गानों के लिरिक्स लिखे थे। वैसे तो किशोर कुमार को इस फिल्म में दो गाने गाने थे। ये गाने थे- ये जीवन है, इस जीवन का, और दूसरा था-बंबई शहर की चल तुझको सैर करा दूं।*

'ये जीवन है, इस जीवन का' गाने की रिकॉर्डिंग

अब किशोर कुमार ने 'बंबई शहर की...' गाना तो आसानी से गाकर रिकॉर्ड कर दिया, पर जब 'ये जीवन है' गाने की बात आई, तो मामला पेचीदा हो गया। वो इसलिए क्योंकि किशोर कुमार ने यह गाना जितनी बार भी और जिस भी तरह से गाया, वह लक्ष्मीकांत को पसंद नहीं आया। उन्हें इस गाने के लिए जो फील चाहिए था, वो आ ही नहीं रहा था।

बार-बार करते रहे रिहर्सल पर नहीं बनी बात

ऐसे में लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल ने किशोर दा के साथ एक बार फिर बैठकर गाने की सिचुएशन को ठीक से समझने की कोशिश की। किशोर कुमार ने फिर तीन से चार बार गाने की रिहर्सल की, पर वो बात नहीं आई। किशोर दा कोशिश करते रहे, पर नाकामी मिलती रही। फिर थक-हारकर किशोर कुमार बैठ गए और एक कप चाय मंगवाई।

गानों में लाए थे योडलिंग, क्या है ये?

योडलिंग एक तरह का सिंगिंग स्टाइल होता है, जिसमें सिंगर अपनी नॉर्मल आवाज यानी चेस्ट वॉइस और बहुत पतली या ऊंची आवाज के बीच बार-बार और तेजी से बदलाव करते हुए गाता है। किशोर कुमार ने धीरे-धीरे अपने कई गानों में योडलिंग करनी शुरू कर दी। ये गाने हैं, 'ये दिल ना होता बेचारा', 'जिंदगी एक सफर है सुहाना' और 'चला जाता हूं।'

दाएं गाल पर दाहिना हाथ टिका पीने लगे चाय, तभी हुआ जादू

किशोर दा के साथ लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल भी चाय पीने बैठ गए और तभी जादू हो गया। किशोर कुमार ने अपने दाएं गाल पर दाहिना हाथ टिकाया और चाय पीते हुए धीरे-धीरे 'ये जीवन है' गाना गुनगुनाने लगे। वो अपनी धुन में मस्त होकर गुनगुना रहे थे, पर तभी लक्ष्मीकांत खुशी से चिल्लाए कि बस बिल्कुल ऐसे ही, ऐसे ही गाना है। यही अंदाज चाहिए था। किशोर दा हैरानी से देखने लगे, पर उन्होंने गाना एक पल के लिए भी बंद नहीं किया। इसके बाद किशोर कुमार ने चाय की टेबल पर ही बैठे हुए, एक हाथ गाल पर रखे-रखे गाना पूरा किया और उसी चाय के कप के साथ सीधे रिकॉर्डिंग रूम में चले गए। हालांकि, तब तक चाय खत्म हो चुकी थी, लेकिन उन्होंने फ्लो बनाए रखने के लिए खाली कप हाथ में पकड़े रखा। वह रिकॉर्डिंग रूम के अंदर गए। लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के मेत पूरी म्यूजिक और रिकॉर्डिंग टीम फाइनल रिकॉर्डिंग के लिए तैयार हो गई। फिर किशोर कुमार ने कमाल कर दिया। जैसा सोचा था वैसा गाया और गाना जबरदस्त रिकॉर्ड हुआ।

भगवान शिव और विष्णु को समर्पित हैं यह मास

शुरू हुआ विशिष्ट आषाढ़ माह, देवशयनी एकादशी के साथ गुप्त नवरात्र सहित पड़ेंगे कई तीज-त्योहार

इस माह यह रहेंगे व्रत व त्योहार

- संकष्टी चतुर्थी - 3 जुलाई
- श्री कालभैरव कालाष्टमी आषाढ़- 7 जुलाई
- योगिनी एकादशी- 10 जुलाई
- आषाढ़ रवि प्रदोष व्रत- 12 जुलाई
- आषाढ़ मासिक शिवरात्रि- 12 जुलाई
- आषाढ़ अमावस्या- 14 जुलाई
- आषाढ़ गुप्त नवरात्रि- 15 जुलाई
- आषाढ़ चंद्र दर्शन- 15 जुलाई
- कर्क संक्रान्ति- 16 जुलाई
- आषाढ़ विनायक चतुर्थी- 17 जुलाई
- आषाढ़ स्कंद षष्ठी- 19 जुलाई
- आषाढ़ मासिक दुर्गाष्टमी- 21 जुलाई
- देवशयनी एकादशी- 25 जुलाई
- वासुदेव द्वादशी- 25 जुलाई
- आषाढ़ रवि प्रदोष व्रत- 26 जुलाई
- गुरु पूर्णिमा- 29 जुलाई

जबलपुर

ज्येष्ठ माह सोमवार को समाप्त हो गया व 30 जून से आषाढ़ का महीना शुरू हो गया है। व्रत और त्योहार के लिहाज से आषाढ़ माह बेहद खास होता है। मां चामुंडा दरबार पुजारी पंडित रामजीवन दुबे के अनुसार 30 जून से शुरू हो रहा है। यह माह 29 जुलाई तक चलेगा। ज्येष्ठ पूर्णिमा 30 जून को सुबह 5 बजकर 26 मिनट पर समाप्त हुआ, इसके बाद आषाढ़ माह के कृष्ण पक्ष की प्रतिपदा तिथि शुरू हो गई। इसी के साथ आषाढ़ महीने का आरंभ माना गया। वहीं इस माह का समापन 29 जुलाई को होगा, इसी दिन आषाढ़ पूर्णिमा भी मनाई जाएगी। आषाढ़ महीने में कई प्रमुख व्रत और त्योहार पड़ रहे हैं। इनमें देवशयनी एकादशी के साथ गुप्त नवरात्र, जगन्नाथ रथयात्रा जैसे प्रमुख व्रत और त्योहार हैं। यह मास भगवान शिव और विष्णु को समर्पित होता है। इस दौरान भगवान विष्णु चार माह की योग निद्रा में चले जाते हैं। इसलिए देवशयनी एकादशी का व्रत रखा जाता है। इस माह में धार्मिक यात्राएं करना शुभ माना जाता है। भगवान शिव, मां लक्ष्मी और सूर्यदेव की पूजा से मान-सम्मान और रोग मुक्ति मिलती है। दान-पुण्य भी इस माह में विशेष फलदायी होता है। आषाढ़ माह में वर्षा ऋतु का आगमन होता है। गर्मी कम होने लगती है और वातावरण में ठंडक महसूस होती है। एक ऋतु के समापन और दूसरी के आरंभ के कारण स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना जरूरी है। पंडित रामजीवन दुबे के अनुसार इस दौरान 'ॐ नमः शिवाय' या 'ॐ नमो भगवते वासुदेवाय नमः' मंत्र का जाप करें। नित्य स्नान के बाद सूर्यदेव को अर्घ्य दें। साथ ही जरूरतमंदों को अन्न, जल और कपड़े का दान करें।

जल संरक्षण जन आंदोलन बना 'जल गंगा संवर्धन अभियान'

जबलपुर। पर्यावरण संरक्षण एवं पारंपरिक जलस्रोतों के पुनरुद्धार के उद्देश्य से 19 मार्च से चलाए जा रहे प्रदेशव्यापी जल गंगा संवर्धन अभियान का समापन 30 जून को जनपद पंचायत कुंडम की ग्राम पंचायत भैंसवाही में विधायक संतोष बरकड़े के मुख्य आतिथ्य में हुआ। इस अवसर पर विधायक श्री बरकड़े ने कहा कि जल ही जीवन का असली आधार है। अभियान के माध्यम से प्राचीन जलस्रोतों को नया जीवन मिला है और क्षेत्र में जल सुरक्षा को मजबूती मिली है। उन्होंने जनभागीदारी और श्रमदान के लिए नागरिकों की सराहना की। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि अपर कलेक्टर नीता राठौर ने कहा कि जलस्रोतों का संरक्षण समाज के अस्तित्व से जुड़ा विषय है। वहीं जिला पंचायत सीईओ अभिषेक गहलोत ने बताया कि अधिकारियों, कर्मचारियों और नागरिकों के संयुक्त प्रयास से तालाब, कुएं और बावड़ियों के संरक्षण का कार्य सफलतापूर्वक किया गया। समापन समारोह में अभियान में उत्कृष्ट योगदान देने वाले नागरिकों, स्वयंसेवी संस्थाओं और स्वच्छता कर्मियों को जल योद्धा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

जनसमस्याओं को लेकर कांग्रेस ने घेरा जोन कार्यालय

पेयजल, सफाई और स्ट्रीट लाइट व्यवस्था सुधारने की मांग

जबलपुर। राधाकृष्णन ब्लॉक अंतर्गत वार्डों में पेयजल संकट, चरमराई सफाई व्यवस्था, डोर-टू-डोर कचरा संग्रहण, जलभराव एवं बंद पड़ी स्ट्रीट लाइटों की समस्याओं को लेकर मंगलवार को पूर्व कैबिनेट मंत्री एवं विधायक लखन घनघोरिया के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भानतलैया स्थित नगर निगम के जोन क्रमांक 8 एवं 16 कार्यालय का घेराव कर ज्ञापन सौंपा।

इस दौरान विधायक लखन घनघोरिया ने कहा कि पूर्व विधानसभा क्षेत्र में लंबे समय से मूलभूत नागरिक सुविधाएं प्रभावित हैं। यदि ज्ञापन में उल्लेखित मांगों का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया तो कांग्रेस आमजन, महिलाओं एवं क्षेत्रवासियों के साथ नगर निगम मुख्यालय का घेराव करेगी। उन्होंने कहा कि आंदोलन की स्थिति निर्मित होने पर इसकी पूरी जिम्मेदारी नगर निगम प्रशासन की होगी।

कार्यक्रम में राधाकृष्णन ब्लॉक अध्यक्ष एड. अभिषेक चंदेल, नगर उपाध्यक्ष संजय अहिरवार, अमरीश मिश्रा, डॉ. रमाकांत रावत, रिकू यादव, गुलाम हुसैन, एड. अजय चक्रवर्ती, राजेश दीवान, कलीम खान, विजय पशेरिया, याकूब अंसारी, उवैस अंसारी सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी, कार्यकर्ता एवं क्षेत्रीय नागरिक उपस्थित रहे।

देव स्नान महोत्सव श्रद्धा-भक्ति से संपन्न

15 दिनों के लिए बंद हुए श्री जगन्नाथ मंदिर के कपाट

जबलपुर। सिद्धि बाला बोस लाइब्रेरी एसोसिएशन, सिटी बंगाली क्लब, जबलपुर द्वारा ज्येष्ठ पूर्णिमा पर भगवान श्री जगन्नाथ, श्री बलभद्र, माता सुभद्रा एवं श्री सुदर्शन का देव स्नान महोत्सव श्रद्धा एवं वैदिक रीति-रिवाजों के साथ संपन्न हुआ। पुजारी तारापद भट्टाचार्य एवं अभिरंजन मिश्र के सान्निध्य में पवित्र जल, चंदन एवं औषधीय द्रव्यों से महाभिषेक कर भगवान को छप्पन भोग अर्पित किए गए। धार्मिक परंपरा के अनुसार स्नान पूर्णिमा के बाद भगवान के अनवसर काल प्रारंभ होने से मंदिर के कपाट 15 दिनों के लिए बंद कर दिए गए हैं। अब भगवान 16 जुलाई को भव्य रथयात्रा में भक्तों को दर्शन देंगे।कार्यक्रम में डॉ. शिप्रा सुलेरे एवं साथियों ने संकीर्तन प्रस्तुत किया, जिसके बाद पारंपरिक हरि लूट एवं महाप्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर जबलपुर विकास प्राधिकरण के अध्यक्ष संदीप जैन का बंगाली समाज द्वारा सम्मान किया गया।आयोजन की सफलता में सुब्रत पाल, डी.के. रॉय, एन.एन. मुखर्जी, प्रकाश साहा, सुरजीत गुहा, आशीष घोष, अनुराग पाल, आशीष सेन, तापस चक्रवर्ती, नीलाद्रि चटर्जी, मुकुल घोष, मृत्युंजय पाल, विश्वजीत घोष, सुब्रत रॉय, संगीता भद्रा, चंदन करफर्मा, आई.बी. रुद्रा, विजय भट्टाचार्य, अभिजीत घोष, तृष्णा चटर्जी, पार्थो घोष, देवजय मुंशी, कौशिक रुद्रा, प्रतीक घोष एवं सौरभ चटर्जी सहित सभी सदस्यों और स्वयंसेवकों का सराहनीय सहयोग रहा।

एमपीएमएसयू का विभाजन औचित्यहीन

क्षेत्रीय केंद्रों से पूरे प्रदेश में सुचारु संचालन संभव : मंच

जबलपुर। मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय (एमपीएमएसयू) को विभाजित करने के प्रस्ताव का विरोध करते हुए नागरिक उपभोक्ता मार्गदर्शक मंच ने मंगलवार को विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. अशोक खण्डेलवाल एवं रजिस्ट्रार डॉ. पुष्पराज सिंह बघेल से मुलाकात कर विस्तृत चर्चा की। प्रतिनिधिमंडल ने इस संबंध में अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल के नाम ज्ञापन भी विश्वविद्यालय प्रशासन के माध्यम से सौंपा।

मंच के पदाधिकारियों ने कहा कि मध्य प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय अधिनियम, 2013 के प्रावधानों के तहत प्रदेश में पहले से ही पाँच क्षेत्रीय समन्वय केंद्र स्थापित किए गए हैं। इन केंद्रों के माध्यम से संपूर्ण प्रदेश में विश्वविद्यालय का कार्य सुचारु रूप से संचालित किया जा सकता है। ऐसे में विश्वविद्यालय को अलग-अलग हिस्सों में विभाजित करने की आवश्यकता नहीं है।

चर्चा के दौरान कुलपति डॉ. अशोक खण्डेलवाल ने बताया कि विश्वविद्यालय के विभाजन का विषय नीतिगत निर्णय से जुड़ा हुआ है। इसलिए इस संबंध में विश्वविद्यालय प्रशासन की ओर से कोई टिप्पणी करना उचित नहीं होगा।मंच के अध्यक्ष डॉ. पी.जी. नागपांडे एवं रजत भार्गव ने बताया कि अधिनियम के अनुसार भोपाल, ग्वालियर, इंदौर, जबलपुर और रीवा में क्षेत्रीय समन्वय केंद्र बनाए गए हैं, जिनके माध्यम से प्रदेश के सभी संभागों का कार्य प्रभावी ढंग से संचालित किया जा सकता है।

प्रतिनिधिमंडल ने यह भी बताया कि चर्चा के दौरान यह तथ्य सामने आया कि विश्वविद्यालय के विभाजन को लेकर अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। इस संबंध में संभावित समिति का गठन भी नहीं हुआ है, हालांकि समिति गठन के लिए संबंधित फाइल पर प्रारंभिक टिप्पणियां की जा चुकी हैं।

इस अवसर पर मंच के सदस्यों ने राष्ट्रीय चिकित्सक दिवस के उपलक्ष्य में कुलपति डॉ. अशोक खण्डेलवाल एवं रजिस्ट्रार डॉ. पुष्पराज सिंह बघेल का पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मान भी किया।

जबलपुर के विजय बर्मन व आशु कहर बने राज्य स्तरीय थांगता रेफरी

जबलपुर। मध्य प्रदेश थांगता एसोसिएशन द्वारा भोपाल के शारदा विहार आवासीय विद्यालय में 26 से 28 जून तक आयोजित राज्य स्तरीय टेक्निकल ऑफिशियल सेमिनार एवं वार्षिक बैठक में जबलपुर के खिलाड़ियों विजय बर्मन एवं आशु कहर ने उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल की। दोनों ने प्रशिक्षण एवं मूल्यांकन सफलतापूर्वक उत्तीर्ण कर अधिकृत राज्य स्तरीय टेक्निकल ऑफिशियल (रेफरी) का दर्जा प्राप्त किया। तीन दिवसीय सेमिनार में प्रदेश के लगभग 25 जिलों से 40 सचिव, कोच एवं वरिष्ठ खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों को खेल के नवीन तकनीकी नियमों, रेफरी, जजिंग एवं स्कोरिंग प्रणाली का प्रशिक्षण दिया गया। प्रशिक्षण पूर्ण होने पर मध्य प्रदेश थांगता एसोसिएशन ने दोनों खिलाड़ियों को प्रमाण-पत्र एवं अधिकृत टेक्निकल ऑफिशियल यूनिफॉर्म प्रदान कर सम्मानित किया। इस उपलब्धि पर दिग्विजय सिंह (सचिव, ओलंपिक संघ), आशीष पाण्डे (डीएसओ), शिवेंद्र कुमार परमार (अध्यक्ष, मध्य प्रदेश थांगता एसोसिएशन), अजीत सिंह नैयर (अध्यक्ष), श्रीमती सारिका सिंह (खेल शिक्षिका), परमजीत सिंह (विक्रम अवॉर्डी), हरमिंदर सिंह ढिल्लों, अमरदीप सिंह सग्गू, हरदीप सिंह एवं रुपिंदर सिंह सहित खेल प्रेमियों ने दोनों को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

रानीताल में आधुनिक वूशु प्रशिक्षण केंद्र शुरू नए खिलाड़ियों को एक माह निःशुल्क प्रशिक्षण

जबलपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग ने रानीताल क्रिकेट स्टेडियम के ग्राउंड फ्लोर पर वूशु खिलाड़ियों के लिए आधुनिक प्रशिक्षण हॉल एवं मैट उपलब्ध कराकर जिले में वूशु खेल को नई सौगात दी है। इस सुविधा से खिलाड़ियों को नियमित अभ्यास और उच्चस्तरीय प्रशिक्षण का बेहतर वातावरण मिलेगा। मध्य प्रदेश वूशु संघ के सचिव मनोज गुप्ता ने बताया कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग के संचालक अंशुमन यादव के निर्देश एवं जिला खेल अधिकारी आशीष पांडे के सहयोग से यह सुविधा उपलब्ध कराई गई है। नवीन वूशु अकादमी का शुभारंभ मध्य प्रदेश ओलंपिक संघ के सचिव दिग्विजय सिंह एवं जिला खेल अधिकारी आशीष पांडे ने किया। इस दौरान उन्होंने एकलव्य अवार्ड से सम्मानित वूशु कोच दिव्यांश मनोज गुप्ता से प्रशिक्षण गतिविधियों की जानकारी ली तथा राष्ट्रीय पदक विजेता खिलाड़ियों का सम्मान कर उनका उत्साहवर्धन किया।मध्य प्रदेश वूशु संघ के अध्यक्ष जयदीप प्रसाद (अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक), डॉ. जितेंद्र जामदार, नितिन भाटिया, प्रदीप परिहार, डॉ. मुकेश जायसवाल, सुरेंद्र सिंह (बाबा) एवं योगेंद्र तिवारी ने खेल विभाग के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि आधुनिक सुविधाओं से खिलाड़ियों को राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं की बेहतर तैयारी का अवसर मिलेगा।इस अवसर पर कोच दिव्यांश मनोज गुप्ता ने घोषणा की कि अकादमी के शुभारंभ के उपलक्ष्य में नए खिलाड़ियों को आगामी एक माह तक प्रतिदिन शाम 5 से 7 बजे तक वूशु एवं सेल्फ डिफेंस का निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्होंने छात्र-छात्राओं से इस अवसर का लाभ उठाकर नियमित प्रशिक्षण प्राप्त करने का आह्वान किया।

प्रांतीय शासकीय प्राध्यापक संघ का चरणबद्ध आंदोलन शुरू

आज से काली पट्टी बांधकर विरोध करेंगे प्राध्यापक

जबलपुर। प्रांतीय शासकीय प्राध्यापक संघ ने लंबित मांगों के निराकरण की मांग को लेकर 1 जुलाई से प्रदेशव्यापी चरणबद्ध आंदोलन शुरू करने की घोषणा की है। संघ के पदाधिकारियों ने बताया कि 21 दिन पूर्व शासन को नोटिस देने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होने पर सभी प्राध्यापक काली पट्टी धारण कर शिक्षण कार्य करेंगे तथा विधायक, सांसद और मंत्रियों को ज्ञापन सौंपेंगे।संघ का कहना है कि वर्षों से अनेक प्राध्यापकों की परिवीक्षा अवधि समाप्त नहीं की गई है। इसके अलावा क्रमोन्नति, समयमान वेतनमान, पदनाम, पदोन्नति सहित अन्य लंबित मांगों पर भी शासन और प्रशासन उदासीन बना हुआ है। संघ ने चेतावनी दी है कि यदि मांगों का शीघ्र समाधान नहीं हुआ तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।संभाग स्तरीय बैठक में संभागीय अध्यक्ष प्रो. अरुण शुक्ल, जिला अध्यक्ष डॉ. शैलेंद्र श्रीवास्तव सहित डॉ. ए.सी. तिवारी, डॉ. शैलप्रभा कोष्टा, डॉ. राजेश श्यामकुवर, डॉ. ज्योति जुंगारे, डॉ. देवेंद्र कोष्ठा, डॉ. विभा चौधरी, डॉ. रवीश, तमन्ना ताजिर, डॉ. राहुल पटेल, डॉ. अजय ठाकुर, डॉ. संघप्रिया तिवारी, डॉ. महेंद्र कुशवाहा, डॉ. विपिन, श्रीमती ललिता लोधी, डॉ. शैलेंद्र भवदिया, डॉ. विजेंद्र विश्वकर्मा, डॉ. मनीष गुजराती, डॉ. तरुणेन्द्र साकेत एवं मनोज कुमार जैन सहित बड़ी संख्या में प्राध्यापक उपस्थित रहे।

आम सूचना

मैं अपने पक्षकार आशीष कुमार दास की ओर से सर्व साधारण को सूचित करता हूँ कि:- **नर्मदा एवेन्यू अपार्टमेन्ट** जो कि गोरखपुर पुलिस थाना के सामने स्थित है, जिसका निर्माण विकासकर्ता फर्म दीक्षित एवं ढ़िमोले एसोसिएट्स के पार्टनर सुरेन्द्र दीक्षित एवं नितिन ढ़िमोले द्वारा किया जा रहा था। 5डी अनुबंध के तहत भूमि स्वामी आशीष कुमार दास का हिस्सा 45 प्रतिशत निर्मित निर्माण का है, परन्तु दिनांक 31.10.2021 में नितिन ढ़िमोले फर्म से अलग होने के बाद समीर दीखित नये पार्टनर के रूप में शामिल हुए इसके बावजूद भी 31.10.2021 के बाद सुरेन्द्र दीक्षित एवं नितिन ढ़िमोले द्वारा लगभग 45 अतिरिक्त फ्लेटों का विक्रय पत्रों का निष्पादन किया गया जो कि उनके हिस्से 55 प्रतिशत से 15 ज्यादा है। जबकि 5डी अनुबंध के अनुसार भूमिस्वामी का पावर ऑफ एर्टानी अनिवार्य है । सुरेन्द्र दीक्षित, नितिन ढ़िमोले एवं समीर दीक्षित यह भलीभांति जानते हुए कि वे भूमिस्वामी की संपत्ति को बिना पावर ऑफ एर्टानी उक्त फ्लेटो का विक्रय-पत्र निष्पादन करने का कोई वैधानिक अधिकार नहीं रखते है, जानबूझकर स्वयं को भूमिस्वामी घोषित करते हुए विक्रय पत्रों का निष्पादन किया जो कि धोखाधड़ी है एवं बी.एन.एस. की धारा 318 (4) के अंतर्गत अपराध है, जिसकी की अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जोन-2 जबलपुर द्वारा जांच में पाई गयी एवं जिला अभियोजन द्वारा भी इसकी पुष्टि की गई है। उक्त अवैध विक्रय-पत्रों द्वारा कुछ रहवासी अनाधिकृत कब्जा करने हेतु भूमिस्वामी के विरूद्ध सुरेन्द्र दीक्षित, नितिन ढ़िमोले एवं समीर दीक्षित के साथ षड्यंत्र कर रहे है एवं भूमि स्वामी के कब्जे में फ्लेटों के ताला तोड़कर एवं छत इत्यादि पर नया ताला लगा रहे है एवं कर्मचारियों से गाली-गलौच एवं मारपीट की जा रही है, जबकि भूमिस्वामी द्वारा जितेन्द्र माखीजा, नरेश जेठानी, शरदेन्दु प्रियदर्शी, छवि/ अजय श्रीवास्तव, गुनीत कौर मैनी/ गगनदीप सिंह मैनी, रंगीला कुमारी/ धनन्जय कुमार वगैरह के विरूद्ध न्यायालय में विक्रय पत्र शून्य करने हेतु व्यवहार वाद दायर किया गया है, जो कि विचारधीन है, अतः उक्त संपत्ति के संबंध में संव्यवहार करने वाले व्यक्ति संस्था स्वयं जिम्मेदार रहेंगे। जबलपुर दिनांक-29.06.2026

दिनेश उपाध्याय (अधिवक्ता)
सीट नं.50, स्वर्ण जयंती भवन,
हाईकोर्ट जबलपुर
मो.7999309054, 9826172309

नाम परिवर्तन सूचना

I, VANSH KALUBHAI KARSHANBHAI is legally FATHER of ARMY NO- 15749278K, Rank- SIGMN, Name-VANSH HARDIK KUMAR KALABHAI presently residing at Vill- SIMAR POST- SIMAR Teh - UNA, Distt - GIR SOMNATH, State- GUJARAT PIN- 362550 शपथपूर्वक नि. लि. कथन करती हूँ कि मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम VANSH KALABHAI दर्ज है।जो कि गलत है ।यह कि मेरे आधार कार्ड एवं अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम VANSH KALUBHAI KARSHANBHAI दर्ज हैं। जो कि सही है मेरे नाम को पढा व सुना एंव मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाऐ द्वारा शपथ पत्र न. 38AA 580961 दिनांक 30-06-26 नोटरी जबलपुर म. प्र.।

गलत नाम
VANSH KALABHAI
सही नाम
VANSH KALUBHAI KARSHANBHAI

नाम परिवर्तन सूचना

I, VANSH GEETABEN KALUBHAI is legally MOTHER of ARMY NO- 15749278K, Rank- SIGMN Name- VANSH HARDIK KUMAR KALABHAI presently residing at Vill- SIMAR, POST-SIMARR Teh - UNA, Distt - GIR SOMNATH, State- GUJARAT, PIN- 362550 शपथपूर्वक नि. लि. कथन करती हूँ कि मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में मेरा नाम GITABEN KALABHAI दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि मेरे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजो में मेरा नाम VANSH GEETABEN KALUBHAI दर्ज हैं। जो कि सही है मेरे नाम को पढा व सुना एंव मेरे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए ।द्वारा शपथ पत्र नं. 38AA 580962 दिनांक 30-06-26 नोटरी जबलपुर म. प्र.।

गलत नाम
GITABEN KALABHAI
सही नाम
VANSH GEETABEN KALUBHAI

नाम परिवर्तन सूचना

I, PRATAP SINGH GURJAR & NAGA RANI is legally FATHER & MOTHER of ARMY NO- 15722225F, Rank - L/NK, Name- KRISHAN SINGH presently residing at Vill- DALJEET KA PURA POST- KISHROLI, Teh - AMBAH , Distt - MORENA State-MADHYA PRADESH, PIN - 476111. शपथपूर्वक नि. लि. कथन करता हूँ करती हू कि हमारे बेटे के सर्विस रिकार्ड में हमारा नाम PRATAP SINGH (पिता) & NARAYANI (माता) दर्ज है। जो कि गलत है। यह कि हमारे आधार कार्ड एंव अन्य दस्तावेजों में हमारा नाम PRATAP SINGH GURJAR (पिता) & NAGARANI (माता) दर्ज हैं। जो कि सही है यह कि हमारे नाम को पढा व सुना एंव हमारे बेटे के सर्विस रिकार्ड में दर्ज किया जाए। द्वारा शपथ पत्र नं. 78AA 385053, 78AA 385052 दिनांक 20-06-26 नोटरी मुरैना म.प्र.।

गलत नाम
पिता -PRATAP SINGH
माता- NARAYANI
सही नाम
पिता -PRATAP SINGH GURJAR
माता - NAGA RANI

गौरव शिखर सम्मान समारोह आज

दादा रोहाणी जयंती पर रक्तदान शिविर आयोजित

जबलपुर। स्वर्गीय दादा ईश्वरदास रोहाणी की 80वीं जयंती पर मंगलवार को विभिन्न सामाजिक एवं सेवा कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विधायक अशोक रोहाणी ने दादा रोहाणी की प्रतिमा पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने कहा कि वे दादा ईश्वरदास रोहाणी के बताए मार्ग पर सदैव चलते हुए पीड़ित मानवता की सेवा के लिए समर्पित रहेंगे। जयंती के अवसर पर पीएम श्री महाकौशल महाविद्यालय, सिविल लाइंस में सुबह 9 बजे से दोपहर 1 बजे तक विशाल रक्तदान शिविर एवं रोजगार मेले का आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में बड़ी संख्या में युवाओं ने रक्तदान कर जरूरतमंद मरीजों की सहायता के लिए योगदान दिया। मेडिकल कॉलेज जबलपुर, विक्टोरिया अस्पताल एवं रानी दुर्गावती चिकित्सालय (एल्गिन) के सहयोग से अधिक से अधिक यूनिट रक्त संग्रह का लक्ष्य रखा गया। वहीं गोल्डन हार्ट हॉस्पिटल के डॉ. पुष्पराज पटेल एवं उनकी टीम द्वारा रक्तचाप, शुगर सहित स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया। रोजगार मेले में युवाओं को उनकी योग्यता एवं कौशल के अनुरूप रोजगार उपलब्ध कराने का प्रयास किया गया।इस अवसर पर दादा ईश्वरदास रोहाणी सेवा समिति ने नई पहल करते हुए 'गौरव शिखर सम्मान-2026' आयोजित करने की घोषणा की। समिति के अनुसार यह सम्मान समारोह 1 जुलाई 2026 को अपराह्न 3:30 बजे मानस भवन, राइट टाउन, जबलपुर में आयोजित होगा। समारोह में समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान देने वाले व्यक्तियों को 12 श्रेणियों में सम्मानित किया जाएगा।सम्मान की श्रेणियों में शिक्षा (ज्ञान ज्योति), समाज सेवा (कर्मयोगी), महिला सशक्तिकरण (नारी शक्ति), संस्कृति एवं कुटुंब प्रबोधन (संस्कार), युवा प्रेरणा (युवा गौरव), आचार्य एवं वैदिक विद्वान (सनातन ज्ञान), उद्योग एवं उद्यमिता (उद्योग गौरव), चिकित्सा एवं स्वास्थ्य (संजीवनी), पत्रकारिता (कलम वीर), सेवानिवृत्त अधिकारी (वीरता), विधि क्षेत्र (विधि सेवा) तथा न्याय क्षेत्र (न्याय रत्न) गौरव शिखर सम्मान प्रदान किए जाएंगे।समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मोहन यादव की उपस्थिति प्रस्तावित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता हरविंदर सिंह वंद्रा करेंगे। विशिष्ट अतिथि के रूप में जगदीश देवड़ा एवं राकेश सिंह उपस्थित रहेंगे। इस अवसर पर डॉ सुनील मिश्रा, आशीष राव, सौरभ गोयल, सचिन जैन सहारा, संजय जैन, अजय पदम, श्रीमति पुष्पा तिवारी, श्रीमति दुर्गा मिश्रा आदि उपस्थित रहे।